जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • बुधवार • 4 फरवरी 2026 • वर्ष 10 • अंक 270 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

व्यापार हो या सीजफायर, भारत के लिए ट्रंप ले रहे फैसले

- यूएस के साथ ट्रेड डील पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेड हो या सीजफायर, भारत के संबंध में घोषणाएं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कर रहे हैं, जो दुखद है। कांग्रेस ने अपने अधिकारिक एक्स अकाउंट से एक पोस्ट के जरिए मोदी सरकार पर तीखे तीर छोड़े हैं। कांग्रेस ने कहा है कि सीजफायर की तरह ट्रेड डील की घोषणा भी ट्रंप की ओर से की गई। ये बताया गया कि मोदी की रिक्वेस्ट

पर ट्रेड डील की जा रही है। कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरते हुआ कहा, ट्रंप का कहना है कि भारत अमेरिका के ऊपर टैरिफ और नॉन टैरिफ बैरियर 0 फीसदी तक घटाएगा। मतलब आपने अमेरिका के लिए पूरा बाजार खोल दिया। इससे भारतीय इंडस्ट्री का जबरदस्त नुकसान होगा। यहां के व्यापारी, यहां के किसान, सबका साथ छोड़ दिया आपने। कांग्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोलने की बात है, आखिर क्या सौदा हुआ है। हमारे किसानों के हितों का ध्यान रखा गया है या उनका साथ भी छोड़ दिया गया है। हमारे किसानों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी। ये भी कहा गया कि मोदी रूस से तेल नहीं खरीदेंगे, अमेरिका और वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे।

पटियाला की नाभा जेल से बाहर आए बिक्रम सिंह मजीठिया

- सात महीने बाद मिली रिहाई, सैकड़ों की तादाद में जुटे समर्थक

पटियाला (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया मंगलवार को यहा नई नाभा जेल से बाहर आ गए। सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पहले ही उन्हें आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में ज़मानत दी थी। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पिछले साल 25 जून को मजीठिया को उनके अमृतसर वाले घर से आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया था, जिसमें कथित तौर पर 540 करोड़ रुपये के ड्रग्स के पैसे की मनी

लॉन्ड्रिंग शामिल थी। बिक्रम सिंह मजीठिया के समर्थक उन्हें लेने के लिए जेल के बाहर जमा हुए और समर्थन में नारे लगाए। समर्थकों ने उन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। अकाली नेता की पत्नी, गनीव कौर मजीठिया भी मौजूद थीं और उन्होंने भगवान और सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद दिया। गनीव कौर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह सच्चाई की जीत है। सरकार भूल गई थी कि ऊपर भगवान भी है। जेल के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मजीठिया के समर्थकों को मिठाई के डिब्बे लाते हुए देखा गया। अमृतसर में उनके घर के बाहर,मजीठिया के समर्थक जमा हुए, मिठाइयां बांटी।

डॉलर के मुकाबले रुपया 130 पैसे मजबूत, 90.20 पर आया

- यह 3 साल में सबसे बड़ी बढ़त, 2025 में सबसे कमजोर एशियाई करेंसी हो गया था

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 साल की सबसे बड़ी बढ़त के साथ 90.20 के स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील के ऐलान के कारण हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इससे पहले 2025 में रुपया करीब 5 फीसदी तक टूटकर एशिया की सबसे कमजोर करेंसी बन गया था। जनवरी 2026 में ही इसमें 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की

लगातार निकासी ने रुपए पर दबाव बना रखा था। हालांकि,मंगलवार को रुपए ने वापसी करते हुए 91.49 के मुकाबले 130 पैसे की मजबूती दर्ज की है।

ट्रेडडील के ऐलान के बाद आई तेजी

रुपए में आई इस तेजी के पीछे भारत और अमेरिका के बीच हुआ 'गिव एंड टेक' समझौता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और इसके बदले अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसके अलावा, भारत ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख करोड़ रुपए) की एनर्जी, टेक्नोलॉजी और कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस ऐलान ने उस अनिश्चितता को खत्म कर दिया है जो पिछले साल अगस्त में अमेरिका के टैरिफ के बाद से बनी हुई थी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रुपए में यह तेजी अभी और जारी रह सकती है। मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार, निर्यात बढ़ने की उम्मीद से रुपए की मांग में और इजाफा होगा। शॉर्ट टर्म में रुपया 89.50 से 89.00 के स्तर पर जा सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के करेंसी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी का कहना है कि टैरिफ में कटौती से रुपए के लिए मजबूती के रास्ते खुल गए हैं, लेकिन यह इस पर भी निर्भर करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक किस स्तर पर हस्तक्षेप करता है। करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना,टूटना,कमजोर होना कहते हैं।

युमनाम खेमचंद बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए मणिपुर के होंगे अगले सीएम

राष्ट्रपति शासन 12 फरवरी को खत्म हो रहा

नई दिल्ली/इम्फाल (एजेंसी)। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया है कि कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता

चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे। मणिपुर से एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। 9 फरवरी 2025 को बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। 12 फरवरी 2026 राष्ट्रपति शासन खत्म हो रहा है।

निजता के अधिकार के साथ खेल नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर व्हाट्सऐप और मेटा को फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि टेक कंपनियां डेटा साझा करने के नाम पर नागरिकों के निजता के अधिकार के साथ खेल नहीं सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सऐप एलएलसी की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर कड़ी और आलोचनात्मक टिप्पणियां कीं और कहा कि अदालत उन्हें भारतीयों के निजी डेटा का शोषण करने की अनुमति नहीं देगी।

अदालत मेटा प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सऐप एलएलसी द्वारा दायर उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसने व्हाट्सऐप की 2021 की प्राइवेसी पॉलिसी के संबंध में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा लगाए गए 213.14 करोड़ के जुर्माने को बरकरार रखा था।

- **देश के अधिकारों के साथ नहीं खेल सकते**- चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने इन मामलों की सुनवाई की। मेटा और व्हाट्सऐप की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि जुर्माने की राशि जमा कर दी गई है। अपीलों को स्वीकार करने पर सहमति जताते हुए भी मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने प्लेटफॉर्म की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम आपको एक भी जानकारी साझा करने की अनुमति नहीं देंगे। आप इस देश के अधिकारों के साथ नहीं खेल सकते।

राहुल गांधी के बयान पर लोकसभा में फिर हंगामा

- नरवणे पर आर्टिकल दिखाया, तो स्पीकर ने रोका • पेपर उछालने वाले आठ विपक्षी सांसद निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा- मुझे बोलने दिया जाए। उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। आज वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे। राहुल ने कहा-मुझे परमीशन नहीं दी जा रही है। मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं। मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। मैं बस बता रहा हूं की

चाइना-इंडिया के बीच में क्या हुआ। पूर्वी लद्दाख में हमारे सैनिक शहीद हुए। हंगामा के दौरान पीठासीन की तरफ पेपर उछालने वाले 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इनमें अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, प्रशांत परोले, एस वेंकटरमण, मणिकम टैगोर, किरण कुमार रेड्डी, हिबी ईडन, गुरजीत औजला और डीन कोरियोकोज शामिल हैं।

स्पीकर पर फेंके गए पेपर, विपक्ष के 8 सांसद सस्पेंड

स्पीकर ने कागज फेंकने को लेकर चमाला किरण रेड्डी, वेकंटरमन, गुरजीत औजला, मणिकम टैगोर, राजा वडिंग और हिबी ईडन, प्रशांत पडोले, डीन कुरियाकोस को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया। गौरतलब है कि सांसदों ने निलंबन के बाद एक बार और स्पीकर चेयर की ओर कागज के टुकड़े उछाले।

किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर बोला हमला

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोला। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब से जुड़े एक मैगजीन आर्टिकल का हवाला दे रहे हैं। रिजिजू ने राहुल पर सदन की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाया। आसन पर बैठे कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने जब राहुल गांधी को बोलने के लिए आमंत्रित किया, तो राहुल ने नेशनल सिक्योरिटी का हवाला देकर अपनी बात रखने की कोशिश की। राहुल ने कहा कि यह चीन और पाकिस्तान से साथ जुड़ा नेशनल सिक्योरिटी का विषय है। रिजिजू ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि हम सुनने के लिए बैठे हैं, उस विषय को छोड़ना चाहिए।

सिंधु जल समझौते की सुनवाई में शामिल नहीं होगा भारत

- कहा-यह कोर्ट ही अवैध है, इसके आदेशों को नहीं मानते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सिंधु जल संधि के तहत गठित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की कार्यवाही को खारिज कर दिया है। भारत ने कहा है कि वह इस अदालत की वैधता को नहीं मानता और इसकी किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने कहा है कि जब सिंधु जल संधि को ही भारत ने स्थगित कर रखा है, तो उस संधि के तहत बनी किसी संस्था को जवाब देने की बाध्यता नहीं है। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने फरवरी 2-3 को नीदरलैंड्स के पीस पैलेस में सुनवाई तय की है। साथ ही भारत के बगलिहार और किशनगंगा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स से जुड़े 'पोंडेज लॉगबुक' दस्तावेज पेश करने का आदेश दिया है। भारत ने इन आदेशों का जवाब देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने 24 जनवरी 2026 के आदेश में कहा कि

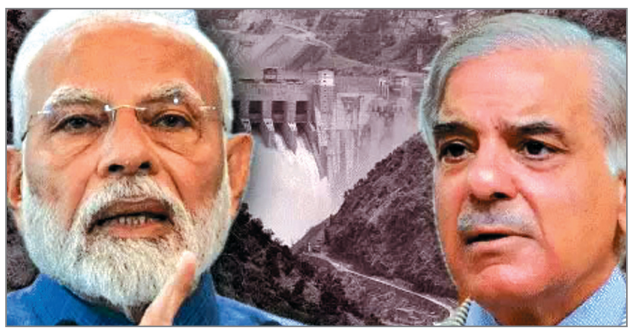

अगर भारत मौजूद नहीं रहता, तो पाकिस्तान अकेले ही सुनवाई में दलीलें देगा। इसके बाद 29 जनवरी को कोर्ट ने भारत से बगलिहार और किशनगंगा प्रोजेक्ट्स के ऑपरेशनल रिकॉर्ड मांगे। कोर्ट ने कहा है कि अगर जरूरी दस्तावेज पेश नहीं किए गए, तो वह मान सकता है कि ये कागजात जानबूझकर छिपाए जा रहे हैं और इससे उनके खिलाफ फैसला जा सकता है। साथ ही कोर्ट ने साफ किया कि भारत ने संधि को रोकने का जो फैसला लिया है, उससे कोर्ट के मामले सुनने के अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत का कहना है कि मौजूदा विवाद तकनीकी है और इसे न्यूट्रल एक्सपर्ट के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। सिंधु नदी के पानी को लेकर जब भी कोई तकनीकी विवाद होता है, तो उसे सुलझाने के लिए न्यूट्रल (निष्पक्ष) एक्सपर्ट की व्यवस्था की गई है। यह प्रावधान सिंधु जल संधि में पहले से तय है। न्यूट्रल एक्सपर्ट कोई अदालत नहीं होता। वह एक स्वतंत्र और तटस्थ तकनीकी विशेषज्ञ होता है।

- भारत लेकर आ रहा है ब्रह्मोस का भी 'बाप'

हाइपरसोनिक ताकत से थर-थर कांपेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मिसाइल क्षमता अब एक नए युग में प्रवेश करने वाली है। ब्रह्मोस मिसाइल, जिससे पाकिस्तान अब तक कांप रहा है, अब उससे कहीं अधिक शक्तिशाली और तेज

एक नई मिसाइल भारत विकसित कर रहा है। इसकी जानकारी खुद डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) के चेयरमैन डॉ समीर वी कामत ने दी है। डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि नई लॉन्ग रेंज एंटी-शिप हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत-रूस के संयुक्त उद्यम वाली मिसाइल प्रणालियों से कहीं अधिक सक्षम है और भारतीय सशस्त्र बलों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में डॉ कामत ने बताया कि हमने दो विकासात्मक परीक्षण पूरे कर लिए हैं और जल्द ही तीसरा परीक्षण शुरू करने जा रहे हैं। इन परीक्षणों के पूरा होने के बाद हम इसे उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के लिए उपलब्ध कराएंगे। उसके बाद इन मिसाइलों को सेवा में शामिल कर लिया जाएगा। हम इस प्रणाली पर पूरी तरह भरोसा करते हैं और यह हमारी सेनाओं के लिए क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। जब उनसे डीआरडीओ की मिसाइल से तुलना करने के बारे में पूछा गया,तो उन्होंने कहा कि यह ब्रह्मोस मिसाइल से कहीं अधिक क्षमताओं वाली होगी।

अमेरिका ट्रेड डील में भारत के हितों से समझौता नहीं

- पीयूष गोयल बोले-ट्रम्प को धन्यवाद, उन्होंने मोदी से मित्रता का सम्मान किया; राहुल की सोच निगेटिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को अमेरिका से ट्रेड डील पर मीडिया को ब्रीफ किया। गोयल ने कहा कि इस डील से किसी के हितों से समझौता नहीं किया गया है। दोनों देश इस डील पर जल्द ही इस पर साझा बयान जारी करेंगे। यह एक ऐसी डील है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा एग्रीकल्चर और डेयरी दोनों सेक्टर को सपोर्ट किया है, उनके हितों की रक्षा की। जो लोग अलग-अलग सेक्टर में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, खासकर ऐसे सेक्टर जिनमें ज्यादा मेहनत लगती है और जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। सभी इससे उत्साहित हैं। गोयल ने कहा कि ये डील करने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का धन्यवाद, उन्होंने पीएम मोदी की मित्रता का सम्मान किया। पीयूष गोयल ने कहा- इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा।

हेलीकॉप्टर में खराबी

बाल-बाल बचीं पंकजा मुंडे

- महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए जा रही थीं लातूर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और भाजपा नेता पंकजा मुंडे के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई है। उड़ान से पहले ही हेलीकॉप्टर में खराबी का पता चलने से एक बड़ा हादसा टल गया है। पंकजा मुंडे मंगलवार को जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए लातूर जा रही थीं। जानकारी सामने आई कि संभाजीनगर से लातूर के लिए पंकजा हेलीकॉप्टर से जाने वाली थीं। छत्रपति संभाजीनगर से लातूर के लिए उड़ान भरने से पहले ही पायलट को यह खराबी दिखी। इसके बाद उन्हें जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए संभाजीनगर से लातूर तक की अपनी तय हेलीकॉप्टर यात्रा कैंसिल करनी पड़ी। इस अचानक खराबी के कारण पंकजा मुंडे की लातूर में होने वाली सभाओं का समय भी बदल दिया गया है। हालांकि, इस हेलीकॉप्टर के साथ असल में क्या हुआ है, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। जिला परिषद चुनाव के लिए पंकजा मुंडे लगातार प्रचार कर रही हैं। सोमवार को उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर के बजाजनगर में भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। उन्होंने बजाजनगर जिला परिषद ग्रुप नंबर 50 और 51, जबकि ग्रुप

नंबर 49, दौलताबाद जिला परिषद ग्रुप के मतदाता से पब्लिक मीटिंग में बातचीत की। आपको बता दें कि एक हफ्ते पहले 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इस हादसे में उनका निधन हो गया। अन्य 4 लोग भी विमान दुर्घटना में मारे गए थे।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत समिति की बैठक 6 फरवरी को

कौआकोल। प्रखण्ड कार्यालय भवन के सभागार कक्ष में 06 फरवरी को पंचायत समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी,पंचायत समिति डॉ० अखिलेश कुमार ने बताया कि प्रखण्ड प्रमुख रीना राय की सहमति से वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में योजनाओं को अनुमोदित करने एवं अन्यान्य विषयों चर्चा के लिए दिनांक-06.02.2026,दिन शुक्रवार को दोपहर 2 बजे से पंचायत समिति की बैठक प्रखंड सभागार,कौआकोल में आहुत की गयी है। उन्होंने बताया कि बैठक की सूचना सभी सम्बंधित अधिकारियों को पत्राचार के माध्यम से दिया जा रहा है।

सेवा निवृत शिक्षक के निधन पर डी गयी श्रद्धांजलि

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित पेंशनर भवन में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। इस अवसर पर कोसला निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक महेश्वरी प्रसाद सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की । अध्यक्षता पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। कहा गया उनके निधन होने से परिवार के साथ समाज व परिवार को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। जिसकी भरपाई भी सम्भव नहीं है। मौके पर सचिव श्रीकांत सिंह,सियाशरण दास,सुखदेव प्रसाद,कामता प्रसाद सिंह,नरेश कुमार,रामाधीन सिंह समेत अन्य रहे। इसके पहले इसी भवन में पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद की अध्यक्षता में संत शिरोमणि रैदास जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। लोगों ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

बिहार में महिला राज्य कबड्डी लीग का आयोजन, 6 फरवरी से ट्रायल, 16 से शुरू होगा कैंप

नालंदा। बिहार में महिला कबड्डी को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य खेल प्राधिकरण और एसोसिएशन ने पहल की है। संयुक्त रूप से दूसरी महिला राज्य कबड्डी लीग का आयोजन किया जा रहा है। पिछले वर्ष आयोजित पहली लीग की सफलता के बाद इस बार भी खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रन शंकरण ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के चयन के लिए 6 फरवरी को पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इस लीग की खास बात यह है कि इसमें हर वर्ग की महिला खिलाड़ियों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। चाहे वे सीनियर खिलाड़ी, नौकरीपेशा, सेवानिवृत्त खिलाड़ी हो या फिर नई उभरती हुई प्रतिभाएं। सभी को ट्रायल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। कुल छह टीमों का गठन किया जाएगा, जिनमें खिलाड़ियों का समान वितरण किया जाएगा। यह व्यवस्था प्रतिस्पर्धा को संतुलित और रोमांचक बनाने के उद्देश्य से की गई है। चयनित खिलाड़ियों के लिए 16 फरवरी से विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण और रणनीतिक तैयारी कराई जाएगी, ताकि वे लीग मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मुख्य लीग का आयोजन 6 मार्च से 12 मार्च तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम में होगा। एक सप्ताह तक चलने वाले इस आयोजन में रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद है। इस लीग की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि मैचों के दौरान बिहार कबड्डी एसोसिएशन और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से विशेष स्काउटर्स मौजूद रहेंगे। ये स्काउटर्स प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करेंगे और बिहार की सीनियर महिला तथा जूनियर गर्ल्स की टीमों का चयन करेंगे। रवीन्द्रन शंकरण ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य चयनित टीमों को निरंतर प्रशिक्षण शिविरों में रखना है, ताकि आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप, राष्ट्रीय खेल या खेलो इंडिया गेम्स में बिहार की महिला कबड्डी टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए पदक जीत सके।

विश्व सूर्य नमस्कार दिवस मनाया, खिलाड़ियों-युवाओं ने भाग लिया, कहा- स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित कर रहे हैं

नालंदा। क्रीड़ा भारती नालंदा के देखरेख में बिहार शरीफ स्थित वैभव फिजिकल ट्रेनिंग सेंटर में विश्व सूर्य नमस्कार दिवस (सूर्य सप्तमी) का आयोजन किया गया। "खेल से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का" के प्रेरक स्लोगन के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों और युवाओं ने भाग लिया। माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि, जिसे सूर्य सप्तमी के नाम से जाना जाता है। इस शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्रीड़ा भारती नालंदा के जिलाध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि क्रीड़ा भारती सभी खेलों और खिलाड़ियों के लिए समर्पित संस्थान है। आज हम सूर्य नमस्कार के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित कर रहे हैं। विभाग संयोजक दक्षिण बिहार प्रांत कार्यानंद शर्मा ने बताया कि नालंदा में दो केंद्रों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार को तेलहरा प्रखंड में और रविवार को बिहार शरीफ में सूर्य नमस्कार का आयोजन हुआ। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार योग का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक ऊर्जा और शारीरिक ऊर्जा प्राप्त करने का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि सभी का सहयोग मिलने से ही कोई भी संस्थान आगे बढ़ती है। क्रीड़ा भारती को आगे बढ़ाने के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती नालंदा के मंत्री शंकर कुमार पाठक, समाज सेवी ललन कुमार, पिंटू जी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मशरूम की खेती के लिए किसानों में रुचि नहीं, वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद भी मशरूम हट का निर्माण अधूरा

नालंदा। नालंदा जिले में सरकारी योजनाओं और अनुदान के बावजूद मशरूम की खेती को लेकर किसानों का उत्साह कम नजर आ रहा है। बांस की झोपड़ी (मशरूम हट) में खेती की इस अभिनव योजना में अपेक्षित रुचि न मिलने से विभाग चिंतित है। जिले के 15 किसानों को खेती शुरू करने का अवसर दिया गया था। दो माह पहले आवेदन प्रक्रिया पूरा होने और चयनित किसानों को वर्क ऑर्डर (स्वीकृति पत्र) जारी करने के बावजूद अब तक केवल दो किसानों ने ही झोपड़ी का निर्माण पूरा किया है। शेष 13 किसान अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं कर पाए हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार प्रति यूनिट 89 हजार 750 रुपए का अनुदान दे रही है। कुल एक लाख 79 हजार 500 रुपए की लागत में से 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है। उद्यान विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगर फसल की उचित देखभाल और अनुकूल मौसम मिले तो झोपड़ी में मशरूम की खेती से किसान एक वर्ष में ढाई लाख रुपए तक का मुनाफा कमा सकते हैं। इस योजना के तहत 50x30 फीट यानी 1500 वर्ग फीट जमीन पर झोपड़ी का निर्माण किया जाता है, जिसकी ऊंचाई 12 फीट रखी जाती है। झोपड़ी के भीतर मशरूम किट रखने के लिए विशेष रैक बनाए जाते हैं। बटन मशरूम की खेती केवल सर्दियों में संभव है, लेकिन ऑयस्टर मशरूम की खेती साल भर की जा सकती है।

किट वितरण की शुरुआतः इस बार उद्यान विभाग ने ऑयस्टर के साथ-साथ बटन मशरूम किट भी किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। जिले में 18,000 बटन मशरूम किट बांटने का लक्ष्य रखा गया है। 90 रुपए मूल्य की एक किट पर 90 प्रतिशत अनुदान देते हुए किसानों को मात्र 9 रुपए देने होंगे। इसी प्रकार 11,500 ऑयस्टर मशरूम किट का वितरण किया जाएगा। 75 रुपए मूल्य की इन किट्स पर 90 प्रतिशत अनुदान के बाद किसानों को केवल 7 रुपए 50 पैसे प्रति किट देने होंगे।

विभाग करेगा किसानों को प्रेरितः जिला उद्यान पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि कम जगह में बांस की झोपड़ी बनाकर साल भर मशरूम का उत्पादन किया जा सकता है। चयनित किसानों को स्वीकृति पत्र जारी कर दिए गए हैं, लेकिन अधिकांश किसानों ने अभी तक निर्माण कार्य पूरा नहीं किया है। अब विभाग ऐसे किसानों से मिलकर उन्हें प्रेरित करेगा ताकि वे इस योजना का लाभ उठा सकें और मशरूम की खेती से जुड़कर अच्छी आय अर्जित कर सकें।

जिले में सम्पूर्णता अभियान–2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर डीएम ने किया बैठक

निज संवाददाता। नवादा

डीआरडीए सभागार में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश की अध्यक्षता में नीति आयोग के सम्पूर्णता अभियान–2.0 का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करते हुए अंतिम लाभार्थी तक प्रभावी पहुँच बनाना है। उन्होंने सभी विकास सूचकांकों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं कृषि क्षेत्रों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP) के अंतर्गत निर्धारित 05 सूचकांकों एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम (ABP) के अंतर्गत निर्धारित 06 सूचकांकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर संतृप्त किया जाना है। इसके लिए विशेष दिवसों का आयोजन कर जन सहभागिता बढ़ाते हुए योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल 2026 तक सभी चयनित इंडिकेटर्स को पूर्ण रूप से सेचुरेट करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि जिले में एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) के अंतर्गत 06 माह से 06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को नियमित रूप से पूरक पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार करना, कुपोषण को कम करना तथा उनके शारीरिक

एवं मानसिक विकास को सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने सिविल सर्जन, नवादा को निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गर्भवती महिलाओं की जांच हेतु आवश्यक उपकरणों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए हीमोग्लोबिन, वजन एवं अन्य जांचों के उपरांत प्रतिवेदन मुख्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

वहीं डीपीओ, शिक्षा को विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला पशुपालन पदाधिकारी को गोवंशीय पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग (FMD) के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार लाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सम्पूर्णता अभियान-2.0 का संचालन 28 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में आगामी 10 फरवरी 2026 से सर्वजन दवा सेवन अभियान संचालित किया जाएगा।इसके अन्तर्गत नवादा जिले के छह प्रखंडों (मेंसकौर ,गोविंदपुर ,कौआकोल, काशीचक, नवादा सदर और अकबरपुर)में दवा का वितरण किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि ग्रामसभाओं में फाइलेरिया विषय पर चर्चा कर पंचायती राज जनप्रतिनिधियों को दवा सेवन के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (जीविका) अपने-अपने प्रखंडों में जीविका दीदियों को स्वयं दवा सेवन के लिए प्रेरित करें, ताकि ग्रामीणों के बीच दवा सेवन के प्रति सकारात्मक माहौल बन सके।

बैठक में डॉ. आफताब कलीम ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए नियमित दवा सेवन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि शरीर में मौजूद माइक्रोफाइलेरिया को केवल दवा सेवन से ही समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक अवस्था में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते, लेकिन आगे चलकर हाथीपांव जैसी गंभीर बीमारी उत्पन्न हो सकती है। आज की बैठक में गोपनीय शाखा प्रभारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, डीपीएम (स्वास्थ्य) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य प्रशिक्षक अरसद इमाम हुए सेवानिवृत्त, दी गई विदाई

विदाई समारोह में उपस्थित डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मी

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरहट में कार्यरत स्वास्थ्य प्रशिक्षक मो अरसद इमाम को सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार को अस्पताल प्रशासन द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ओम प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में मो अरसद इमाम को चिकित्सको एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने फूलमाला पहनाकर एवं अंग वस्त्र, गुलदस्ता, बुके देकर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विदाई दी। प्रभारी ने सेवानिवृत्त स्वास्थ्य प्रशिक्षक की कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अरसद इमाम अच्छे व्यक्तिव और सरल स्वभाव के मिलन सार व्यक्ति हैं। आपकी निष्ठा, समर्पण एवं सेवाएं हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कई चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी ने सेवानिवृत्त अरसद इमाम की कार्यकाल की सराहना की और कहा कि आपका मार्गदर्शन और योगदान हमेशा ससमान स्मरणीय रहेगा।

अपने सम्बोधन में अरसद इमाम ने भावुक होते हुए कहा कि हमारे कार्यकाल के दौरान आप सभी का भरपूर सहयोग मिला इसके लिए हम आप सभी के प्रति आभार प्रकट करते हैं। इस मौके पर डॉ फिरोज अख्तर, प्रधान लिपिक हिमांषु कुमार समेत अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

वाहन पंजीकरण एवं HSRP लंबित मामलों पर सख्त निर्देश

डीलरों को 7 दिनों में अनुपालन सुनिश्चित करने का अल्टीमेटम

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पांडेय द्वारा वाहन पंजीकरण एवं हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की गई, जिसमें यह पाया गया कि जिले के विभिन्न वाहन विक्रेताओं (डीलरों) के स्तर से बड़ी संख्या में मामले अनावश्यक रूप से लंबित हैं।समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वाहन विक्रय के उपरांत बीमा प्रमाण-पत्र, बिक्री प्रमाण-पत्र, चालान, पता प्रमाण, फॉर्म-20, फॉर्म-21 आदि अनिवार्य दस्तावेज डीलरों द्वारा ससमय वाहन पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जा रहे हैं, जिसके कारण वाहन पंजीकरण से जुड़े कई प्रकरण डीलर अथवा एजेंसी स्तर पर लंबित पड़े हैं।

दिनांक 02.02.2026 तक डीलरों के स्तर से लगभग 2900 वाहनों का HSRP लंबित पाया गया है। इस संबंध में जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि यह स्थिति आम नागरिकों के वैधानिक अधिकारों का हनन होने के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम, 1988 एवं केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 का स्पष्ट उल्लंघन है।

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 39 एवं 41 के अंतर्गत प्रत्येक वाहन का विधिवत पंजीकरण अनिवार्य है तथा धारा 192 के अंतर्गत अपंजीकृत वाहन के संचालन पर दंड का प्रावधान है। वहीं केंद्रीय मोटरयान नियमावली के नियम 47 एवं 48 के अनुसार वाहन विक्रय के पश्चात निर्धारित अवधि के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेजों का अपलोड किया जाना डीलर की कानूनी जिम्मेदारी है।

जिले के सभी वाहन विक्रेताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने डीलर लॉग-इन आईडी के माध्यम से लंबित सभी RC-संबंधित दस्तावेजों को 7 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से अपलोड करना सुनिश्चित करें। निर्धारित समय-सीमा में अनुपालन नहीं होने की स्थिति में बिना किसी अतिरिक्त सूचना के संबंधित डीलर का लॉग-इन आईडी निलंबित अथवा ब्लॉक कर दिया जाएगा तथा धारा 192, 177 सहित अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, डीलरशिप के निलंबन अथवा रद्दीकरण हेतु राज्य परिवहन आयुक्त, बिहार को अनुशंसा भेजी जाएगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने यह भी बताया कि केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 के नियम 50 एवं 51 के अंतर्गत वाहन पर निबंधन संख्या का प्रदर्शन अनिवार्य है, जिसके लिए HSRP लगाया जाना आवश्यक है। साथ ही धारा 41 एवं नियम 42 के आलोक में किसी भी नए वाहन की सुपुर्दगी HSRP के बिना वाहन क्रेता को नहीं की जानी है।

जांच अभियान के दौरान यह पाया गया है कि कई वाहन, विशेषकर ई-रिक्शा, ट्रैक्टर इत्यादि, बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के सड़कों पर परिचालित हो रहे हैं। सभी डीलरों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि HSRP लगे बिना किसी भी वाहन की डिलीवरी नहीं करें। आदेश की अवहेलना की स्थिति में संबंधित डीलर को निर्गत User ID एवं Password तत्काल प्रभाव से ब्लॉक किए जाएंगे तथा वाहनों के व्यापार हेतु निर्गत व्यापार प्रमाण-पत्र को केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 के नियम 44 के अंतर्गत निलंबित करने की कार्रवाई की जाएगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने आम वाहन स्वामियों से भी अपील की है कि वाहन क्रय करते समय यह सुनिश्चित करें कि उनके वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज डीलर द्वारा समय पर पोर्टल पर अपलोड किए गए हों तथा वाहन पर HSRP अनिवार्य रूप से लगी हो।उन्होंने स्पष्ट किया कि वाहन पर नंबर प्लेट नहीं होने की स्थिति में अपराध, सड़क दुर्घटना, चोरी या अन्य घटनाओं के दौरान वाहन मालिक की पहचान कठिन हो जाती है। ऐसे में सड़कों पर बिना नंबर प्लेट के चलने वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा तथा पकड़े जाने पर जुर्माना के साथ-साथ वाहन जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

रजौली में खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव हेतु एफएमडी राउंड-6 टीकाकरण अभियान शुरू

50 हजार मवेशियों का होगा टीकाकरण

निज संवाददाता। रजौली

रजौली प्रखंड क्षेत्र में खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) जैसे संक्रामक रोग से पशुओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एफएमडी राउंड-6 टीकाकरण अभियान की शुरुआत मंगलवार से की गई है। इस अभियान के तहत रजौली प्रखंड क्षेत्र में चार माह से अधिक आयु के लगभग 50 हजार से अधिक गाय एवं भैंसों का टीकाकरण किया जाएगा।अभियान के सफल संचालन हेतु भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रेषु कुमार को प्रखंड का नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है,जबकि डॉ. नीरज कुमार सिंह एवं डॉ. अभय कुमार को सहायक नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। नोडल पदाधिकारी ने बताया कि जिला पशुपालन विभाग,नवादा द्वारा रजौली प्रखंड को पर्याप्त मात्रा में एफएमडी वैक्सीन के साथ सिरिंज एवं निडिल

अभियान के दौरान पशु चिकित्सक व अन्य

की आपूर्ति की गई है। उपलब्ध टीकों में से 90 प्रतिशत टीकों का उपयोग प्राथमिक टीकाकरण के लिए तथा 10 प्रतिशत टीकों का उपयोग बूस्टर डोज के रूप में किया जाएगा। सभी पशुओं को 2 एमएल वैक्सीन मांसपेशी (आईएम) में दी जाएगी।

साथ ही बताया कि प्रखंड के सभी पंचायतों में टीकाकरण कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए निजी टीकाकर्मियों की सेवाएं भी ली जा रही हैं। पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराकर अभियान को सफल बनाएं।

रजौली में दूसरे दिन इंटरमीडिएट की परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त रूप से सम्पन्न

दोनों पालियों में 31 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

निज संवाददाता। रजौली

रजौली प्रखंड क्षेत्र के 8 केन्द्रों पर संचालित हो रहे इंटरमीडिएट की परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को दोनों पालियों में 3828 छात्र-छात्राओं में 3797 परीक्षार्थी शामिल हुए एवं 31 लोग अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन व एसडीपीओ गुलशन कुमार द्वारा निरंतर सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों पालियों में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त रूप से दूसरे दिन की परीक्षा सम्पन्न हुई। सप्तऋषि डिग्री कॉलेज में पहली पाली में 1171 में 3 अनुपस्थित व द्वितीय पाली में 459 में 7 परीक्षार्थी अनुपस्थित,मथुरासिनी इंटर स्कूल में पहली पाली 176 में 1 अनुपस्थित व द्वितीय पाली में 61 में 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित,रजौली इंटर स्कूल में पहली पाली में 291 व दूसरे 254 में 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित,मिडिल

केन्द्र का निरीक्षण करते एसडीएम व एसडीपीओ

स्कूल में पहली पाली में 178 व द्वितीय पाली में 188 में 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित,कन्या मध्य विद्यालय में पहली पाली में 97 व द्वितीय पाली में 77 परीक्षार्थी उपस्थित,प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में पहली पाली में 165 व द्वितीय पाली में 109 परीक्षार्थी उपस्थित,उत्क्रमित उच्च विद्यालय करिगांव में पहली पाली में 120 में 1 अनुपस्थित व द्वितीय पाली में 76 परीक्षार्थी उपस्थित एवं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चिरैला में पहली पाली में 292 में 4 अनुपस्थित व द्वितीय पाली में 114 में 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। एसडीएम ने परीक्षार्थियों व उनके परिजनों से अपील किया कि वे अपने निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचे,ताकि अफरा-तफरी के माहौल से बचा जा सके।

विकसित भारत – रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम की चर्चा

निज संवाददाता। नवादा

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) में एक बड़ा सुधार है, जो ग्रामीण रोजगार को वर्ष 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप बनाता है। इसके अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिए गारंटीकृत वेतनयुक्त रोजगार की अवधि 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी। रोजगार को टिकाऊ एवं उत्पादक परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा जाएगा। विकास योजनाएँ ग्राम पंचायतों द्वारा विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से तैयार की जाएँगी। सभी परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में समेकित किया जाएगा, जिससे पीएम गति-शक्ति जैसी राष्ट्रीय प्रणालियों के साथ जोड़कर एक एकीकृत एवं समन्वित राष्ट्रीय विकास रणनीति सुनिश्चित की जा सकेगी।

उच्च रोजगार गारंटीः प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिए गारंटीकृत मजदूरी रोजगार को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है, जिससे आय की सुरक्षा और स्थिरता में वृद्धि होगी। ग्राम पंचायतें पीएम गति-शक्ति जैसे राष्ट्रीय स्थानिक प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत स्थानीय विकास योजनाएँ तैयार करेंगी, जिससे बेहतर समन्वय और प्रभावी योजना सुनिश्चित होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभः यह कार्यक्रम केवल मजदूरी पर सीमित न होकर टिकाऊ और उत्पादक परिसंपत्तियों के निर्माण को प्राथमिकता देता है। मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत 68,000 से अधिक जल निकायों के पुनरुद्धार सहित जल संबंधी कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादकता और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। सड़क, संपर्क, भंडारण और बाजार अवसंरचना में निवेश से आय विविधीकरण, मूल्य संवर्धन और बेहतर बाजार पहुँच संभव होगी। बेहतर रोजगार गारंटी से ग्रामीण आय एवं उपभोग में वृद्धि होगी तथा स्थानीय आजीविका के सशक्त अवसर संकट-जनित पलायन को कम करने में सहायक होंगे। डिजिटल उपस्थिति प्रणाली, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा डेटा-आधारित नियोजन से परिचालन दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व में सुधार होगा।

MGNREGA की तुलना में नया क्या है

- बुनियादी ढाँचे पर सशक्त ध्यान
- अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी आधारित रोजगार चार प्रमुख क्षेत्रों में दिया जाएगा—
- जल सुरक्षा
- ग्रामीण बुनियादी ढाँचे का मूल आधार
- आजीविका सहायक परिसंपत्तियाँ
- जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु उपयुक्त परियोजनाएँ

कृषकों को होने वाले लाभः बेहतर सिंचाई व्यवस्था, जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढाँचा, फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी तथा बाजारों तक बेहतर पहुँच से किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। राज्यों को बुआई एवं कटाई के व्यस्ततम समय के दौरान 60 दिनों तक योजना की गतिविधियाँ अस्थायी रूप से रोकने की अनुमति होगी, जिससे कृषि कार्यों हेतु पर्याप्त श्रम उपलब्ध रहेगा। आधार-आधारित पंजीकरण के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक वेतन भुगतान से देरी कम होगी, धन की हेराफेरी घटेगी तथा पारदर्शिता बढ़ेगी। निर्धारित समय सीमा में रोजगार उपलब्ध न कराए जाने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का वैधानिक प्रावधान श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा।

मजदूरों को होने वाले लाभः 125 दिनों के रोजगार की गारंटी से संभावित आय में लगभग 25 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव होगी। हाइपर-लोकल विकसित ग्राम पंचायत योजनाएँ रोजगार तक अधिक सुनिश्चित पहुँच प्रदान करेंगी। बायोमेट्रिक एवं आधार-आधारित सत्यापन के साथ वेतन भुगतान पूर्णतः इलेक्ट्रॉनिक होगा (वर्ष 2024-25 में 99.94 प्रतिशत), जिससे वेतन में देरी और गबन की समस्या समाप्त होगी।

पारदर्शिता, जवाबदेही एवं उत्तरदायित्वः धोखाधड़ी की पहचान एवं रोकथाम हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित प्रणालियाँ अपनाई जाएँगी। केंद्रीय एवं राज्य संचालन समितियों के माध्यम से नीति अनुपालन और प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी सुदृढ़ की गई है। वास्तविक-समय एमआईएस डैशबोर्ड से समर्थित जीपीएस एवं मोबाइल-आधारित निगरानी प्रणाली पारदर्शिता और जमीनी सत्यापन को बढ़ावा देगी। साप्ताहिक सार्वजनिक खुलासे जवाबदेही एवं हितधारकों की सूचित भागीदारी को प्रोत्साहित करेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर अनिवार्य द्विवार्षिक सामाजिक लेखा परीक्षाएँ सामुदायिक निगरानी एवं सहभागी शासन को सुदृढ़ करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

दहेज हत्या में पति को 12 वर्ष की कैद

मसौढ़ी। मसौढ़ी व्यवहार न्यायालय में दहेज हत्या के दोषी पति को बारह वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई।अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।एडीजे वन शंकेश चंद्रा ने सुनवाई के बाद आरोपित मसौढ़ी थाना क्षेत्र के खरांट गांव निवासी रामानंद बिंद के पुत्र निरंजन कुमार को12वर्ष की सजा और बीस हजार की आर्थिक दंड लगाया है।जहानाबाद जिले के कलपा थाना क्षेत्र के धनधर बिगहा गांव निवासी स्वर्गीय राजाराम बिंद के पुत्र दिनेश कुमार ने अपने पुत्री की हत्या के विरुद्ध में मसौढ़ी थाना क्षेत्र के खरांट गांव निवासी रामानंद बिंद के पुत्र निरंजन कुमार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था,रिपोर्ट के मुताबिक उसने अपनी पुत्र की शादी विपक्षी रामानंद बिंद के पुत्र निरंजन कुमार के साथ की थी।वह उसकी पुत्री को दहेज के लिए प्रताडित करता था।इसकी मांग पूरी न होने पर 21मार्च 2021 को मार डाला और घर से फरार हो गया।पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस सुनी तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के पश्चात अभियुक्त को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उसे बारह वर्ष की कद व पचीस हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सरसों के खेत से युवक का शव बरामद, एक गिरफ्तार

दुल्हिन बाजार, पटना। पटना जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। देवरिया भगवानगंज गांव के पास सरसों के खेत में युवक का शव पड़ा होने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान देवरिया भगवानगंज निवासी रौशन कुमार, पिता जय लाल रविदास के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला है कि रौशन कुमार की हत्या बीते शुक्रवार को की गई थी और शव को पहचान छिपाने के उद्देश्य से सुनसान सरसों के खेत में फेंक दिया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। देवरिया भगवानगंज निवासी सुरेश चौधरी, पिता स्वर्गीय प्रेम चौधरी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी सोनु कुमार ने बताया कि आरोपी को मंगलवार, 3 फरवरी को गिरफ्तार किया गया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि हत्या के पीछे आपसी रंजिश या पूर्व विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका भी तलाश रही है। शव का पोस्टमार्टम कर रिपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है।

बेऊर जेल से एंबुलेंस में विधानसभा पहुंचे अनंत सिंह, कड़ी सुरक्षा के बीच ली विधायक पद की शपथ

पटना। बाहुबली नेता अनंत सिंह ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में विधायक पद की शपथ ली। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्हें बेऊर जेल से एंबुलेंस के माध्यम से विधानसभा लाया गया। शपथ ग्रहण को लेकर विधानसभा परिसर और उसके आसपास अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही और पूरे घटनाक्रम पर प्रशासन की कड़ी निगरानी बनी रही। किसी भी तरह की भीड़ या समर्थकों के जमावड़े की अनुमति नहीं दी गई। गौरतलब है कि अनंत सिंह पिछले करीब तीन महीनों से बेऊर जेल में बंद हैं। सिविल कोर्ट से उनकी जमानत याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। इसके बाद 24 दिसंबर को उन्होंने पटना हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी। जिस पीठ में मामले की सुनवाई सूचीबद्ध हुई थी, उस कोर्ट के जज ने सुनवाई से इनकार कर दिया। फिलहाल मामला दूसरी पीठ में सूचीबद्ध कराने की प्रक्रिया में है और जमानत पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

संविधान के अनुच्छेद 188 के तहत विधायक के रूप में पदभार संभालने से पहले शपथ लेना अनिवार्य होता है। शपथ के बिना कोई भी विधायक सदन की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकता और न ही वेतन एवं भत्ते का हकदार होता है। अनुच्छेद 193 के तहत बिना शपथ सदन में भाग लेने पर जुर्माने का प्रावधान भी है। इसी संवैधानिक बाध्यता के कारण अनंत सिंह के लिए शपथ लेना आवश्यक था। शपथ के साथ ही उनकी विधायक सदस्यता औपचारिक रूप से पूरी हो गई।

बिहार पुलिस में 51 हजार से अधिक पदों पर होगी बहाली, एसआईएसएफ और नए पुलिस ढांचे पर जोर

निज संवाददाता। पटना

बिहार पुलिस को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाने का ऐलान किया है। राज्य में 51 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की बहाली की जाएगी। इनमें 26 हजार 859 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पहले से चल रही है, जबकि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में 25 हजार 134 नए पदों पर बहाली का प्रस्ताव रखा गया है। गृह विभाग के बजट में पुलिस बल की संख्या बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष फोकस किया गया है। इसके साथ ही पटना मेट्रो, औद्योगिक क्षेत्रों और प्रस्तावित नए हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए बिहार राज्य औद्योगिक सुरक्षा बटालियन (एसआईएसएफ) की स्थापना की जाएगी। जानकारी के अनुसार नवादा में एसआईएसएफ-3 और मोतिहारी में एसआईएसएफ-4 की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है।

राज्य में बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की नई इकाइयों के लिए भी जमीन हस्तांतरण का काम जारी है। मोकामा में बीसैप-16, बेतिया राज की भूमि पर बीसैप-18, छपरा में बीसैप-14 और भागलपुर में बीसैप-15 की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा बेतिया में प्रस्तावित सिपाही प्रशिक्षण

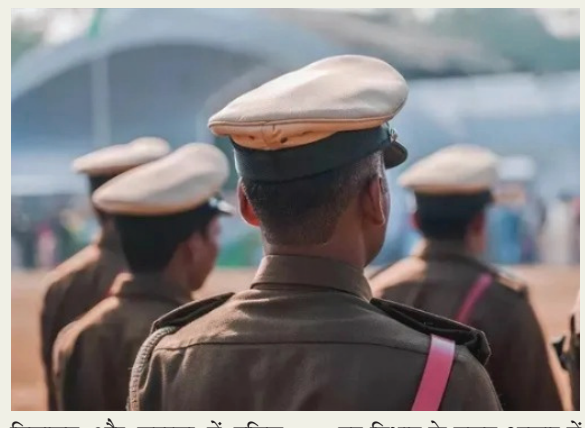

विद्यालय और सहरसा में पुलिस केंद्र के लिए भी भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

गृह विभाग के बजट आकार में इस वर्ष करीब 2300 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जहां गृह विभाग का बजट 17,831.21 करोड़ रुपये था, वहीं अब यह बढ़कर 20,132.53 करोड़ रुपये हो गया है। स्थापना मद के साथ-साथ योजना मद में भी 479 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे पुलिस के कई नए भवनों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

पुलिस आधुनिकीकरण पर भी सरकार बड़े पैमाने पर खर्च करने जा रही है। पटना में डायल-112 भवन, एसएसपी आवास, साइबर अपराध इकाई, विशेष शाखा और आईपीएस मेस भवन के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। गर्दनीबाग में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बिहार मानवाधिकार आयोग का कार्यालय भवन बनाया जाएगा, जबकि लोदीपुर में एसटीएफ मुख्यालय भवन के निर्माण पर लगभग 63 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा राज्य में नौ अतिरिक्त क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं के भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से पांच का काम पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के ऑफ-कैंपस की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है। वहीं डायल-112 सेवा के माध्यम से अब तक 52 लाख से अधिक लोगों को सहायता पहुंचाई जा चुकी है, जिसे सरकार अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर देख रही है।

बिहटा: किसान सम्मान योजना के तहत विशेष शिविर, बीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

निज संवाददाता। बिहटा

बिहटा प्रखंड की सिकंदरपुर ग्राम पंचायत में किसान सम्मान योजना के तहत फार्मर आईडी बनाने के लिए मंगलवार को एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का औचक निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सह प्रभारी अंचल अधिकारी शिवजन्म राम ने किया।

निरीक्षण के दौरान बीडीओ शिवजन्म राम ने किसानों को योजना के लाभों और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस विशेष शिविर में लगभग 30 से 35 किसानों ने ई-केवाईसी, परिमार्जन और किसान पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की।

यह शिविर केवल सिकंदरपुर ग्राम पंचायत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे बिहटा प्रखंड में ऐसे शिविर लगाए जा रहे हैं। मौके पर मौजूद पंचायत समिति सदस्य और बिहटा के उप प्रमुख वरुण कुमार ने कहा कि सरकार की यह योजना किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगी। उन्होंने सिकंदरपुर ग्राम पंचायत के निवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाएं। शिविर के दौरान कई किसान भी उपस्थित रहे और पंजीकरण करवा कर योजना का लाभ लेने में रुचि दिखाई।

छपरा में फर्जी आईएएस का भंडाफोड़, डीएम से मिलने पहुंचा युवक, शक होते ही गिरफ्तार

निज संवाददाता। छपरा

बिहार के छपरा जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक खुद को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का अधिकारी बताकर सीधे जिलाधिकारी से मिलने समाहरणालय पहुंच गया। सूट-बूट में सजे युवक ने खुद को उत्तर प्रदेश कैडर का आईएएस अधिकारी बताकर ऐसा आत्मविश्वास दिखाया कि शुरुआती तौर पर किसी को शक नहीं हुआ। लेकिन जिलाधिकारी की सतर्कता ने कुछ ही देर में फर्जीवाड़े का पर्दाफाश कर दिया।

यह घटना सोमवार 2 फरवरी की दोपहर की है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे एक व्यक्ति छपरा समाहरणालय पहुंचा और आदेशपाल से अपना नाम रीतेश कुमार बताया। उसने खुद को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसाढ़ी गांव का निवासी बताते हुए दावा किया कि वह उत्तर प्रदेश के मेरठ में आईएएस पद पर कार्यरत है और सारण के जिलाधिकारी से मुलाकात करना चाहता है। उसकी बातों और हाव-भाव से आदेशपाल को कोई संदेह नहीं हुआ और उसे जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के कार्यालय में भेज दिया गया।

- **खुद को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसाढ़ी गांव का निवासी बताते हुए दावा किया कि वह उत्तर प्रदेश के मेरठ में आईएएस पद पर कार्यरत है**

कार्यालय के अंदर बातचीत के दौरान जिलाधिकारी को युवक की बातों में असंगति महसूस हुई। संदेह होने पर डीएम ने उससे पहचान पत्र दिखाने को कहा। इस पर युवक घबरा गया और स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। पूछताछ कड़ी होने पर उसने स्वीकार कर लिया कि वह न तो आईएएस अधिकारी है और न ही किसी सरकारी पद पर कार्यरत है।

पूछताछ में युवक ने खुलासा किया कि वह खुद को आईएएस अधिकारी बताकर विभिन्न सरकारी कार्यालयों में जाता था और अधिकारियों पर रौब झाड़ता था। इस तरीके से वह लोगों के काम निकलवाता और बदले में उनसे मोटी रकम वसूल करता था। आरोपी ने माना कि अफसरों जैसी वेशभूषा और आत्मविश्वास के सहारे वह लोगों को आसानी से भ्रमित कर लेता था।

मामले की सूचना मिलते ही डीएम के निर्देश पर छपरा नगर थाना की पुलिस समाहरणालय पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फर्जी अधिकारी बनकर लोगों को गुमराह करना और उनसे पैसे वसूलना गंभीर अपराध है। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा खुद को अधिकारी बताने पर उसकी पहचान और प्रमाण पत्र की जांच अवश्य करें, ताकि इस तरह के ठगों से बचा जा सके।

मसौढ़ी के पुराने डाक बंगले पर सियासी–प्रशासनिक खींचतान

अधिकार को लेकर नगर परिषद और जिला परिषद आमने-सामने

निज संवाददाता। मसौढ़ी

मसौढ़ी शहर के बीचोबीच स्थित पुराने डाक बंगले को लेकर इन दिनों प्रशासनिक विवाद गहराता जा रहा है। डाक बंगले के अधिकार क्षेत्र को लेकर नगर परिषद और जिला परिषद के बीच तनातनी की स्थिति बन गई है। दोनों ही संस्थाएं इस भूमि पर अपना दावा जता रही हैं, जिसके चलते मामला अब पटना स्तर तक पहुंच गया है। जिला परिषद का दावा है कि संबंधित डाक बंगला उसकी सीमा और अधिकार क्षेत्र में आता है। परिषद के अनुसार, उक्त स्थल पर पूर्व में ही सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जा चुका है और अब शेष भूमि की सुरक्षा के लिए चारदीवारी कराई जा रही थी। जिला परिषद का कहना है कि यह कार्य विधिसम्मत तरीके से और पदाधिकारियों के निर्देश पर कराया जा रहा था।

वहीं दूसरी ओर नगर परिषद ने इस निर्माण कार्य पर आपत्ति जताते हुए चारदीवारी के काम को रोक दिया। नगर परिषद का तर्क है कि डाक बंगला क्षेत्र नगर परिषद के अंतर्गत आता है और बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण नियमों के खिलाफ है। नगर परिषद द्वारा निर्माण रोके जाने के बाद जिला परिषद ने इसकी शिकायत उच्च पदाधिकारियों से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए अब यह विवाद पटना के अधिकारियों के संज्ञान में आ गया है। मंगलवार को पटना के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) स्वयं मसौढ़ी पहुंचे और डाक बंगला परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थल की स्थिति, सीमांकन और पूर्व में किए गए निर्माण कार्यों की जानकारी ली।

डीडीसी ने निरीक्षण के बाद नगर परिषद और जिला परिषद, दोनों पक्षों को पटना कार्यालय बुलाया है। वहां संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों के आधार पर पूरे मामले की जांच की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि डाक बंगला किस संस्था के अधिकार क्षेत्र में आता है।

फिलहाल इस विवाद को लेकर शहर में चर्चाओं का दौर जारी है। लोगों की निगाहें अब प्रशासनिक जांच के नतीजों पर टिकी हैं, जिससे यह तय हो सके कि मसौढ़ी का पुराना डाक बंगला आखिरकार किसका है।

सबलपुर सिक्स लेन ओवर ब्रिज पर गांजा तस्करी का भंडाफोड़

822 पुड़िया के साथ युवक गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत सबलपुर सिक्स लेन ओवर ब्रिज पर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए एक युवक को भारी मात्रा में गांजा के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिससे इलाके में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की प्रभावशीलता सामने आई है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक बैग में गांजा भरकर इलाके से गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही नदी थाना पुलिस ने सिक्स लेन ओवर ब्रिज पर सघन निगरानी शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी, जो पीठ पर बैग टांगे हुए तेज़ी से आगे बढ़ रहा था। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, तो वह घबरा गया और संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

संदेह होने पर जब पुलिस ने बैग की तलाशी ली, तो उसके अंदर गांजे की सैकड़ों छोटी-छोटी पुड़िया बरामद हुईं। प्रत्येक पुड़िया पर 60 रुपये कीमत अंकित थी। गिनती करने पर कुल 822 पुड़िया गांजा बरामद किया गया, जिसका कुल वजन करीब 3 किलो 600 ग्राम आंका गया है। पुलिस के अनुसार जब्त गांजे की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 50 हजार रुपये है।

गिरफ्तार युवक की पहचान वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मलिकपुर गांव निवासी पंजाबी दास के

26 वर्षीय पुत्र पवन दास के रूप में की गई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह गांजे की इन पुड़ियों को पटना सिटी के विभिन्न इलाकों में दुकानदारों तक पहुंचाने जा रहा था।

नदी थाना अध्यक्ष शंकर झा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। साथ ही पुलिस अब इस अवैध नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छानबीन में जुट गई है।

आर.पी.एस. पब्लिक स्कूल में शिल्पकला-सह-विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, बच्चों की रचनात्मकता ने मोहा मन

निज संवाददाता। पटना

आर.पी.एस. पब्लिक स्कूल परिसर में शिल्पकला-सह-विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक समझ देखने को मिली। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो प्रधान दुर्गा प्रसाद, विद्यालय की निर्देशिका विभा शर्मा तथा प्राचार्य शिशिर कुमार राहुल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्रों ने शिल्पकला, विज्ञान और समाजोपयोगी विषयों पर आधारित कई आकर्षक एवं क्रियात्मक मॉडल प्रस्तुत किए। बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल न केवल देखने में रोचक थे, बल्कि उनमें वैज्ञानिक सिद्धांतों की स्पष्ट झलक भी दिखाई दी। भौतिक विज्ञान से संबंधित विंड टनल, हाइड्रोलिक ब्रिज और प्लाज्मा कैनन जैसे मॉडलों ने विशेष रूप से सभी का ध्यान आकर्षित किया और खूब सराहे गए।

प्रदर्शनी में पहुंचे अभिभावकों ने विद्यार्थियों की मेहनत, कल्पनाशीलता और प्रस्तुति कौशल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विद्यालय निरंतर कार्य कर रहा है। प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों को नवाचार, प्रयोग और समाजोपयोगी सोच की ओर प्रेरित करना रहा, जिसमें विद्यालय पूरी तरह सफल रहा।

बिक्रम नगर पंचायत कार्यालय में किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्रेशन शुरू, 6 फरवरी तक मिलेगा लाभ

पटना। पटना जिले के बिक्रम नगर पंचायत कार्यालय परिसर में किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्रेशन की सुविधा मंगलवार से शुरू कर दी गई है। इस पहल से क्षेत्र के किसानों को कृषि से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और सहज रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। नगर पंचायत कार्यालय के लिपिक संतोष कुमार ने बताया कि यह सुविधा केवल बिक्रम नगर पंचायत के किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे बिक्रम प्रखंड के सभी पात्र किसान इस रजिस्ट्रेशन शिविर में अपना पंजीकरण करा सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम 6 फरवरी 2026 तक चलेगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इस सुविधा का लाभ उठा सकें। इस पंजीकरण के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा योजना, बीज अनुदान, कृषि यंत्र अनुदान सहित केंद्र और राज्य सरकार की कई महत्वपूर्ण कृषि योजनाओं से जोड़ा जाएगा। नगर पंचायत कार्यालय परिसर में बनाए गए निर्धारित काउंटर पर किसानों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पंजीकरण के समय आधार कार्ड, किसान के नाम पर जमाबंदी से संबंधित भूमि दस्तावेज और सक्रिय मोबाइल नंबर साथ लेकर आएं, ताकि प्रक्रिया में किसी तरह की परेशानी न हो।

COMFED
SHAHABAD DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD.
शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0
आरा डेयरी, आरा, कंतीरा, आरा–802301, ई–मेल–aradairyara@gmail.com

शादुसं:अभि0:420 निविदा सूचना दिनांक:–02.02.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए वैसे संवेदक जिनका निबंधन बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग/ग्रामीण कार्य विभाग/जल संसाधन विभाग या कॉम्फेड के समुचित श्रेणी में है, से मुहरबन्द निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कॉम्फेड को छोड़कर अन्य विभागों में निबंधित संवेदकों को परिमाण विपत्र के क्रय के समय यह साक्ष्य जमा करना होगा कि उनके द्वारा विगत चार वर्षों में नीचे उल्लिखित कार्यों के लागत का जिसके लिए निविदा दे रहे है या उससे अधिक का कम से कम दो अलग–अलग समान प्रकृति का कार्य अवश्य पूरा किया गया हो। इस साक्ष्य के अभाव में परिमाण विपत्र निर्गत नही किया जाएगा।

परिमाण विपत्र अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय/शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, आरा के वेव साइट (www.smusudhaara.com) से दिनांक 24.02.2026 के 3.00 बजे अपराह्न तक क्रय किया जा सकता है। वेव साइट से डाउनलोड किये गए परिमाण विपत्र का मूल्य डिमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, आरा के नाम से देय होगा। निविदा निबंधित डाक या कुरियर द्वारा भेजे जाने पर ही स्वीकार की जाएगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 26.02.2026 के 3.00 बजे अपराह्न तक होगी। प्राप्त निविदाएँ निविदादाता या उनके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 26.02.2026 को 3.30 बजे अपराह्न मे खोली जाएगी। विलम्ब से प्राप्त निविदा के लिए शाहाबाद जिम्मेवार नहीं होगा। कॉम्फेड के संवेदकों को छोड़कर अन्य संवेदको को निविदा प्रपत्र के साथ सभी कागजात यथा जी0एस0टी0, पैन निबंधन, भुगतान प्रमाण–पत्र, राजपत्रित पदाधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित प्रति संलग्न करना होगा अन्यथा इसके अभाव में निविदा पर विचार नही किया जाएगा। निविदा की तिथि बढ़ाने या रद्द करने का अधिकार शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, आरा को सुरक्षित रहेगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का (मूल्य रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
01	Construction of Extension of Milk Packing Room, Crate Washer Platform & Extension of Height of Boundary Wall at SMU, Ara.	9,92,922.00	19,858.00	1,250.00	03 (Three) Month

प्रबंध निदेशक

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी बधाई संदेश आना चालू

नासरीगंज/रोहतास। राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार प्रदेश किसान प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव गुड्डू उपाध्याय ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामना देते हुए कहा कि जननायक उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में बिहार फर्स्ट बिहार फर्स्ट के उद्देश्य से संगठन को मजबूत करने हेतु नियुक्ति की गई है राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर मदन चौधरी को जिम्मेवारी मिली है जिससे पूरे देश में हम मजबूत होंगे हमारी पार्टी मजबूत होगी तो वही दिनारा विधायक आलोक कुमार सिंह को बिहार प्रदेश अध्यक्ष बना करके बिहार पार्टी को मजबूत करने का काम केंद्रीय नेतृत्व किया है साथ ही साथ करणी अध्यक्ष प्रशांत पंकज सुभाष चंद्रवंशी एवं प्रदेश प्रधान महासचिव हिमांशु पटेल का जिमवारी मिला है किसके लिए केंद्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व को बहुत-बहुत धन्यवाद इन सभी नेताओं के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक मोर्चा आगे बढ़ेगा तथा संगठन मजबूत होगा ऐसा विश्वास है

छेड़छाड़ मामले में एक प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज /रोहतास। छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने एक प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि नगर परिषद बिक्रमगंज वार्ड संख्या 26 निवासी चंदन यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 850/25 के आलोक में छेड़छाड़ का मामला दर्ज था ।

पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

सूर्यपुरा/रोहतास। सूर्यपुरा पुलिस ने न्यायालय से प्राप्त इश्तेहार को थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अलीगंज निवासी शंकर चौधरी एवं जगनारायण सिंह और ग्राम चौरासी मठिया निवासी छोटन गिरी के घर चिपकाया । इसकी जानकारी थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने दी ।

मारपीट और गुमशुदगी के मामले में प्राथमिकी दर्ज

अकोढी गोला (रोहतास)। जिले के अकोढी गोला थाने में मारपीट एवं गुमशुदगी के दो अलग-अलग मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना क्षेत्र के अंसार मोहल्ला अकोढी गोला निवासी मोहम्मद खुर्शीद अंसारी ने स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देते हुए घर के पास के ही रहने वाले राहुल कुमार और विशाल कुमार पर अपने बेटे रेहान अंसारी के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। वहीं, एक अन्य मामले में थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल्हाई वरना निवासी लाल बहादुर सिंह ने स्थानीय थाने में अपने बेटे की गुमशुदगी का आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि मामूली विवाद में उन्होंने अपने बेटे को डांट दिया, जिसके बाद उनका बेटा अविनाश कुमार उम्र 19 वर्ष बुधवार के दिन घर से निकला और वापस नहीं लौटा। खोज बिन करने के बाद रिश्तेदारों से पूछताछ के बाद आज थाने में आवेदन दे रहा हूं। अकोढी गोला थाना अध्यक्ष राकेश गोसाई ने बताया कि मारपीट के मामले में कांड संख्या 46/26 दर्ज कर ली गई है, वहीं गुमशुदगी के मामले में कांड संख्या 45/26 दर्ज करते हुए दोनों मामलों में संबंधित कार्रवाई की जा रही है।

अवैध बालू खनन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त, दो गिरफ्तार

नौहट्टा, रोहतास। रोहतास जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र अंतर्गत नवारा सोन घाट पर पुलिस ने अवैध बालू खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बीती रात छापेमारी की। इस दौरान अवैध बालू से लदे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया, जबकि दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी दिवाकर कुमार ने बताया कि देर रात उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अमरखा पहाड़ी के समीप नवारा सोन नदी से ट्रैक्टरों के माध्यम से अवैध रूप से बालू का खनन और परिवहन किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को मौके पर आता देख ट्रैक्टर चालक भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने पीछा कर दो ट्रैक्टरों को कब्जे में ले लिया। हालांकि एक चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा, जबकि एक चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टरों को थाने लाया गया है। गिरफ्तार चालक की पहचान प्रवीण कुमार के रूप में हुई है। वहीं, इस मामले से जुड़े एक गैर-जमानती वारंटी राज वर्मा को भी मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अवैध बालू खनन में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

नालंदा में एग्जाम हॉल में बिगड़ी छात्र की तबीयत, गणित का पेपर देने पहुंचा था, अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा

नालंदा। नालंदा जिले में मंगलवार को इंटर परीक्षा के दूसरे दिन एग्जाम हॉल में अचानक एक छात्र की हालत बिगड़ गई। बेहोश होकर गिर पड़ा। हालांकि वीक्षकों की सूझबूझ से छात्र को समय पर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा सकी। घटना पीसीपी इंटर कॉलेज, सोहसराय परीक्षा केंद्र की है। छबीलापुर निवासी रामदेव चौधरी के बेटे अंकित कुमार पहली पाली में गणित की परीक्षा देने पहुंचे थे। प्रश्न पत्र वितरण के कुछ ही मिनट बाद अचानक छात्र को घबराहट महसूस हुई। इसके बाद वह अपनी सीट पर ही चक्कर खाकर गिर पड़ा और बेहोश हो गए। एग्जाम हॉल में मौजूद अन्य छात्रों के बीच हड़कंप मच गया, लेकिन वीक्षकों ने स्थिति को संभाला। घटना की सूचना तुरंत परीक्षा नियंत्रक को दी गई। बिना देर किए एंबुलेंस बुलाई गई और अचेत अवस्था में छात्र को बिहार शरीफ सदर अस्पताल (मॉडल अस्पताल) भेजा गया। अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद चिकित्सकों ने तुरंत उपचार शुरू किया। अंकित कुमार की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि परीक्षा के दबाव, तनाव या शारीरिक कमजोरी के कारण यह घटना हो सकती है। परीक्षा के पहले दिन कुछ केंद्रों पर अव्यवस्था और हंगामे की सूचना मिली थी, लेकिन दूसरे दिन पूरे जिले में शांतिपूर्ण रहा। अंकित कुमार की इस घटना को छोड़कर मंगलवार को किसी भी केंद्र से कोई अप्रिय खबर नहीं आई। जिला प्रशासन ने कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रबंध किए हैं। नालंदा जिले में इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए कुल 40 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिनमें बिहार शरीफ में 31, हिलसा अनुमंडल में 05 और राजगीर अनुमंडल में 04 केंद्र शामिल है।

करगहर बाजार में दिनदहाड़े बाइक चोरी की कोशिश नाकाम

निज संवाददाता। करगहर, (रोहतास)

आरोपी बाइक समेत गिरफ्तार

करगहर बाजार के थाना मोड़ क्षेत्र में सोमवार देर शाम को दिनदहाड़े उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक दवा दुकानदार की मोटरसाइकिल चोरी करने की कोशिश कर रहे युवक को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। वाहन मालिक की सतर्कता और लोगों की तत्परता से चोरी की वारदात नाकाम हो गई और एक बड़ी घटना होने से बचाव हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मोड़ के समीप स्थित सूर्यकांत निराला मेडिकल हॉल के सामने दवा दुकानदार की हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में वहां पहुंचा और बाइक का लॉक तोड़कर उसे पैदल ही लेकर भागने लगा। कुछ दूरी पर पहुंचते ही वाहन मालिक की नजर बाइक पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया।

शोर सुनते ही आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और घेराबंदी कर युवक को बाइक समेत पकड़ लिया। घटना के बाद कुछ देर के लिए बाजार क्षेत्र में हड़कंप का माहौल बन गया।

सूचना मिलने पर पुलिस को मामले से अवगत कराया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को अपने कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू की। इस संबंध में थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि बाइक के साथ पकड़ा गया आरोपी गौरी गांव निवासी शिवनारायण सिंह का पुत्र रोशन कुमार है। उन्होंने कहा कि आरोपी बाइक चोरी कर उसे लेकर भाग रहा था, जिसे लोगों की मदद से पकड़ लिया गया। पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों में नाराजगी देखी गई। लोगों ने करगहर बाजार में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से नियमित गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है।

बड़की खराड़ी में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी, शराब के बड़े जखीरे का भंडाफोड़

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

करगहर थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने बड़की खराड़ी गांव में ताबड़तोड़ छापेमारी कर शराब के बड़े जखीरे का खुलासा किया है। गुप्त सूचना पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने एक घर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद कर शराब माफिया की कमर तोड़ दी है। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने कुल 44.2 लीटर अवैध शराब जब्त की, जिसमें 34.2 लीटर अंग्रेजी शराब एवं 10 लीटर देसी महुआ शराब शामिल है। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से इलाके में अफरा-तफरी मच गई, वहीं शराब के अवैध कारोबार से जुड़ा व्यक्ति पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने तत्काल पूरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। फरार आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। इस मामले में उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

करगहर थाना अध्यक्ष कमल नयन पांडे ने बताया कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में शराब कारोबारियों में खलबली मची हुई है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि लगातार कार्रवाई से अवैध शराब पर प्रभावी रोक लगेगी।

आरपीएफ डेहरी ऑन सोन की बड़ी कार्रवाई

शातिर चोर को किया गिरफ्तार 3 मोबाइल और 2 पर्स बरामद

निज संवाददाता। डेहरी (रोहतास)

डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर आरपीएफ ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। अरविंद कुमार नाम के इस चोर के पास से 3 मोबाइल और 2 पर्स बरामद किए गए हैं। आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी रामविलास राम के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक हरेराम कुमार, जयप्रकाश चतुर्वेदी और आरक्षी उमेश कुमार सिंह शामिल थे। पूछताछ में अरविंद कुमार ने बताया कि उसने ये मोबाइल और पर्स अलग-अलग गाड़ियों में यात्रियों से चोरी किए थे।

अरविंद कुमार के पास से बरामद मोबाइल और पर्स की कीमत लगभग 50,000 रुपये बताई जा रही है। आरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि अरविंद कुमार एक शातिर चोर है और पहले भी कई बार चोरी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है।

आरपीएफ ने अरविंद कुमार को रेल थाना डेहरी ऑन सोन को सुपुर्द कर दिया है, जहां आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि वे यात्रियों की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर हैं और चोरों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगे।

नीतीश सरकार के पेश बजट से बिहार में विकास की होगी नई उड़ान : अरुणा देवी

निज संवाददाता। बिक्रमगंज (रोहतास)

सीएम के नेतृत्व में बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने मंगलवार को 2026-27 का बजट सदन के पटल पर रख विकास को दिया नया रफ्तार। जो पेश संपन्न बिहार,समृद्ध बिहार' की थीम पर आधारित इस बजट में विकास, रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है।

इसके पेश बजट के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जदयू राज्य परिषद सदस्य सह तरारी विधानसभा प्रभारी अरुणा देवी ने पेश बजट पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उदेश्य से हाट-बाजार विकास को भी बजट में खास ध्यान रखा गया है। बिहार के बजट का कुल आकार 3.44 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। साथ ही उद्योग और रोजगार को रफ्तार मिलेगी। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में औद्योगिक विकास पर विशेष फोकस किया है। उद्योग और रोजगार को गति देने के लिए सरकार ने बजट में उद्योग क्षेत्र के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे नए उद्योगों को प्रोत्साहन, निवेश आकर्षित करने के साथ साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित का लक्ष्य रखा गया है। बजट में स्टार्टअप और लघु उद्योगों को भी प्रोत्साहन देने की व्यवस्था किया गया है। इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी बजट में विशेष रूप से प्रवधान किया गया है। इसके लिए सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हाट-बाजार विकास योजना को पर जोर देगी। ताकि हाट-बाजार सुदृढ़ हो। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय उत्पादों को सीधा लाभ मिलेगा।

साथ ही किसानों पर भी विशेष रूप से फोकस करते हुए कृषि रोड मैप के तहत किसानों को प्रोत्साहन देने पर जोर,कृषि उत्पादन,सिंचाई,भंडारण और विपणन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नई योजनाएं भी लागू होगी। जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी भी होगी। जबकि सरकार का दावा है कि यह बजट राज्य को आर्थिक रूप से मजबूत करने और हर वर्ग को विकास से जोड़ने की दिशा में अहम भूमिका अदा करेगा और आत्मनिर्भर और समृद्ध बिहार का निर्माण होगा।

अकबरपुर बस स्टैंड पर भीषण जाम, इंटर परीक्षा देने जा रहे छात्र हुए परेशान

निज संवाददाता। रोहतास

रोहतास जिले के अकबरपुर नगर पंचायत क्षेत्र के बस स्टैंड पर मंगलवार को घंटों भीषण जाम लगा रहा। इस जाम की चपेट में आम लोग ही नहीं, बल्कि बिहार बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा देने जा रहे छात्र-छात्राएं भी आ गए। जाम के कारण कई परीक्षार्थी समय पर अपने परीक्षा केंद्रों तक नहीं पहुंच सके, जिससे उन्हें भारी मानसिक तनाव झेलना पड़ा।

स्थानीय लोगों के मुताबिक नगर पंचायत क्षेत्र में अब तक स्थायी बस स्टैंड की व्यवस्था नहीं हो सकी है। बसें मुख्य सड़क पर ही रुककर सवारियां उतारती और चढ़ाती हैं, जिससे सड़क पर वाहनों की कतार लग जाती है। हालात तब और बिगड़ जाते हैं, जब सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से मोटरसाइकिल खड़ी कर दी जाती हैं और ठेला-खोमचा लगाने वाले सड़क की जगह घेर लेते हैं। इससे यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है और घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है।

मंगलवार को इंटरमीडिएट परीक्षा का दूसरा दिन था, ऐसे में सुबह से ही छात्रों की आवाजाही बढ़ गई थी। जाम में फंसने के कारण कई छात्र-छात्राएं घबराहट में इधर-उधर रास्ता तलाशते नजर आए। कुछ परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक समय से नहीं पहुंच पाए, जिससे उनके भविष्य को लेकर चिंता और बढ़ गई। इस पूरे मामले को लेकर समाजसेवी और भाजपा नेता विशाल देव ने प्रशासन से कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अकबरपुर बस स्टैंड क्षेत्र में जाम की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि छात्रों और आम लोगों की परेशानी को देखते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की अव्यवस्था दोबारा न हो।

डेहरी एसडीएम निलेश कुमार की बड़ी कार्रवाई

अवैध बालू परिवहन के खिलाफ जोरदार प्रहार!

निज संवाददाता। अकोढीगोला (रोहतास)

जिले के डेहरी एसडीएम निलेश कुमार ने अवैध बालू परिवहन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दरिहट से एक और आयरकोठा थाना क्षेत्र से दो कुल मिलाकर तीन अवैध बालू लदे वाहनों को जप्त किया है। ये वाहन बिना चालान के अवैध बालू परिवहन कर रहे थे।

डेहरी एसडीएम निलेश कुमार दलबल के साथ सड़कों पर उतरकर अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान कई जगहों सड़को पर अवैध बालू गिराकर गाड़िया लेकर वाहन चालक भाग गए

डेहरी एसडीएम ने आज मंगलवार को बताया कि सोमवार की रात बालू लदे वाहनों की जांच की गई। तीन गाड़ियां बिना चालान की थीं। दरिहट थाना क्षेत्र से एक हाईवा और आयरकोठा थाना क्षेत्र से एक हाईवा और एक ट्रक को जप्त किया गया है।इन्हें संबंधित विभाग को सूचना देते हुए कार्रवाई हेतु स्थानीय थाने को सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। अचानक हुए इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबारियों में हडकंप मच गया।

काराकाट में कृषि उन्नति योजना के तहत रवि फसल पर किसान गोष्ठी आयोजित

निज संवाददाता। काराकाट / रोहतास

प्रखंड मुख्यालय स्थित किसान भवन में मंगलवार को कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना के तहत रवि फसल की उन्नत खेती पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 3 फरवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।गोष्ठी का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी दिलीप कुमार पटेल, आत्मा अध्यक्ष रामनंद पासवान तथा प्रबंधक अजीत सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी दिलीप कुमार पटेल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को फूल-पौधा भेंट कर स्वागत किया।गोष्ठी में प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर लाल बाबू सिंह ने रवि फसल की उन्नत खेती पर विस्तृत चर्चा की। वहीं, आत्मा के सहायक तकनीकी प्रबंधक रविकांत कुमार ने आत्मा योजना के लाभों और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि 2 से 6 फरवरी तक प्रत्येक पंचायत में फार्मर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाए गए हैं। वंचित किसान इन कैंपों में जाकर अपना पंजीकरण करा लें, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।इस अवसर पर बाबू धन सिंह, गर्जन सिंह, अशोक सिंह, संजू कुमार सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। गोष्ठी में किसानों ने विभिन्न कृषि समस्याओं पर विचार-विमर्श किया तथा उन्नत तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया। यह आयोजन किसानों को प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक खेती की दिशा में प्रेरित करने वाला सिद्ध हुआ।

कैमूर पहाड़ी के बंडा गांव में रूद्र महायज्ञ से पूर्व भव्य जलयात्रा, गूंजा हर-हर महादेव

निज संवाददाता। नौहट्टा, रोहतास

रोहतास जिले के नौहट्टा प्रखंड अंतर्गत कैमूर पहाड़ी पर बसे बंडा गांव में रूद्र महायज्ञ के शुभारंभ से पूर्व भव्य जलयात्रा निकाली गई। इस दौरान पूरा पहाड़ी क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में डूब गया। जलयात्रा का नेतृत्व यज्ञ समिति के अध्यक्ष सुग्रीव सिंह खरवार ने किया, जबकि जंगलीया बाबा के सानिध्य में ग्यारह दिवसीय रूद्र महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया गया, जो 12 फरवरी तक चलेगा।

दोपहर में शुरू हुई जलयात्रा में पहाड़ी क्षेत्र के करीब दो दर्जन गांवों से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने लगभग चार किलोमीटर दूर स्थित पहाड़ी नदी से संकल्पित जल लिया और गाजे-बाजे तथा हर-हर महादेव के जयघोष के साथ देर शाम यज्ञ मंडप पहुंचे। वहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से जल की स्थापना की गई। जलयात्रा के दौरान पूरा इलाका धार्मिक उत्साह और आस्था के रंग में रंगा नजर आया।

यज्ञ के दौरान प्रतिदिन महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। साथ ही रात्रि में प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आसपास के गांवों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। यज्ञ समिति अध्यक्ष सुग्रीव सिंह खरवार ने बताया कि 12 फरवरी को यज्ञ के समापन के अवसर पर पहाड़ी क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु सामूहिक रूप से महाप्रसाद ग्रहण करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था और यज्ञ से जुड़े अन्य प्रबंधन की जिम्मेदारी बंडा नवयुवक संघ को सौंपी गई है। इस मौके पर राम नगीना सिंह यादव, ओम प्रकाश यादव, राज बलम सिंह, विंध्याचल सिंह, रामचंद्र यादव, राजकुमार राम, शिव यादव, राजेश यादव, बलीचरण यादव, विनोद सिंह खरवार, जयराम सिंह खरवार, रवि शंकर भारती, सुरेंद्र सिंह, चंदन यादव, तुलसी यादव, भरोसा सिंह, शंकर, संजय वार्ड, सतनारायण सिंह, ग्राम पांडो के सुदामा यादव सहित बंडा और पंडो गांव के बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं यज्ञ समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बेलागंज हत्याकांडः फरार आरोपियों के घर पुलिस ने चस्पाए इश्तेहार, कुर्की-जब्ती की चेतावनी

बेलागंज, गयाजी। गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में हुए हत्याकांड के फरार आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के आवासों पर इश्तेहार चस्पा किया है, ताकि उन्हें शीघ्र आत्मसमर्पण के लिए बाध्य किया जा सके। थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने बताया कि बेलागंज थाना कांड संख्या 720/25 के तहत दर्ज मामले में फरार चल रहे इरफान उर्फ फनी मियां, नूर मुजस्सिम उर्फ जुगनू मियां और शेर मियां के घरों पर इश्तेहार लगाए गए हैं। यह हत्याकांड छोटी मस्जिद के पास हुआ था, जिसमें पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि आरोपी एक माह के भीतर न्यायालय या थाना में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और पुलिस हर स्तर पर दबाव बना रही है। पुलिस का कहना है कि कानून से बचने की कोशिश कर रहे आरोपियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

नालंदा में निगरानी विभाग ने राजस्व कर्मचारी को किया गिरफ्तार, 45 हजार घुस लेते रंगे हाथों पकड़ा

नालंदा। नालंदा में आज निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने एक राजस्व कर्मचारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जमीन के दस्तावेजों में परिमार्जन के नाम पर चल रहे इस घूसखोरी के खेल का पर्दाफाश करते हुए विभाग ने सख्त संदेश दिया है कि भ्रष्ट लोक सेवकों को बख्शा नहीं जाएगा। नालंदा के राजगीर अंचल कार्यालय में तैनात राजस्व कर्मचारी अखिलेश साह को निगरानी दल ने 45,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए धर दबोचा। छबीलापुर थाना क्षेत्र के रटना निवासी परिवादी राजीव कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी जमीन का परिमार्जन कराने के लिए कर्मचारी मोटी रकम की मांग कर रहा है। इस मामले में 2 फरवरी को एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए निगरानी ब्यूरो ने तत्काल सत्यापन शुरू किया। जब आरोप सही पाए गए, तो डीएसपी अखिलेश कुमार के नेतृत्व में विशेष धावादल गठित किया गया। टीम ने मंगलवार को सुनियोजित तरीके से जाल बिछाया और छबीलापुर रोड स्थित लेदुवा पुल के पास आरोपी कर्मचारी को पैसे लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2026 में अब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ कुल 14 प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। मंगलवार की यह कार्रवाई इस साल का 11वां और 12वां 'ट्रैप केस' है। चौंकाने वाली बात यह है कि महज एक महीने में ही 9 अभियुक्तों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया जा चुका है। इस दौरान कुल 1,65,000 रुपये की रिश्वत की राशि बरामद की गई है।

मां समेत 2 बेटियों की मौत, ससुराल वालों पर जहर देकर हत्या करने का आरोप, दादा बोले- 6 दिन से खाना नहीं दे रहे थे

नालंदा। नालंदा में मां और दो बेटीयों की आज मौत हो गई है। आरोप है कि महिला के ससुराल वालों ने जहर पिलाकर तीनों की हत्या कर दी है। मामला रहुई थाना क्षेत्र के जगनंदनपुर गांव का है। मृतकों में जगनंदनपुर गांव की रहने वाली पिंटू यादव की पत्नी कविता देवी (28) और उनकी दो बेटियां (05) सपना कुमारी और डेढ़ साल की गुंजन कुमारी शामिल है। घटना के संबंध में मायके वाले बिहार थाना क्षेत्र के बासवान विगहा निवासी मृतका के (दादा) सूबे यादव ने बताया कि पिछले 6 दिनों से ससुराल के लोग परेशान कर रहे थे। घर में खाना पीना नहीं दिया जा रहा था। पड़ोसी के घर में जाकर लिट्टी बना कर खा रही थी। बच्चे के मामा पीयूष कुमार ने बताया कि ससुराल वालों ने बहन और भांजे को जहर खिला दिया। जब तबीयत बिगड़ने लगी, तो उन्हें पावापुरी मेडिकल अस्पताल में भर्ती करा दिया गया और वहां से फरार हो गए। रहुई थाना अध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि प्रथम दृष्टिया जांच में यह बात सामने आई है कि घरेलू कलह में महिला ने अपने दो बच्चों के साथ जहर खाकर खुदकुशी कर ली है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ससुराल के लोग महिला और बच्चों को एडमिट करा कर फरार हो गए है। फिलहाल एफएसएल की टीम को भी साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया है।

आंठवी के छात्रा की मौत, 10 साल से रिश्तेदार के घर में रहती थी, मौसा बोले- स्कूल में ही कुछ हुआ

नालंदा। नालंदा में स्कूली छात्रा की आज मौत हो गई है। ये मौसा के घर पर रह कर पढ़ती थी। मौसा का कहना है कि बच्ची स्कूल जाने से पहले ठीक थी। स्कूल से उन्हें फोन आया कि उसकी तबीयत बिगड़ गई। जब वो अस्पताल पहुंचे, तो उसकी मौत हो चुकी थी। स्कूल वाले ही बताएंगे कि उसे क्या हुआ है। मौसा ने आगे कहा कि स्कूल के गार्ड ने ही उसे अस्पताल पहुंचाया है। हेड मास्टर आए भी नहीं थे। स्कूल में ही उसके साथ कुछ हुआ है। मामला पावापुरी ओपी थाना क्षेत्र के टीएमवीएम स्कूल का है। मृतका की पहचान गया के सरबहदा डीह गांव की रहने वाले मुन्ना कुमार की बेटी कीर्ति कुमारी (14) के रूप में की गई है। कृति अपने मौसा, जो राजगीर थाना क्षेत्र के बड़ाकर गांव के रहने वाले यदुनंदन प्रसाद हैं। उनके घर में 10 साल से रहकर पढ़ाई कर रही थी। यदुनंदन प्रसाद ने बताया कि सुबह कृति पूजा पाठ करने के बाद स्कूल के लिए निकली थी। स्कूल की बस पर वह सवार होकर स्कूल पहुंची और स्कूल जाने के करीब 2 घंटे बाद उन्हें फोन आया की कृति की तबीयत खराब है। उन्होंने स्कूल प्रशासन से रिक्वेस्ट किया कि जो पैसा लगेगा वो पे करेंगे। उन्हें पावापुरी मेडिकल कॉलेज बुलाया गया। इसके बाद जब वह मेडिकल कॉलेज पहुंचे, तो कीर्ति की मौत हो चुकी थी। यदुनंदन प्रसाद ने बताया कि कृति बिल्कुल स्वस्थ थी। अचानक से यह घटना कैसे हुई उन्हें भी पता नहीं चल पा रहा है। कृति 8वीं क्लास की छात्रा थी। कृति के पिता मुंबई में परिवार के साथ रहते हैं और निजी कम्पनी में काम करते हैं। घटना की सूचना पर पावापुरी ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। पावापुरी ओपी के प्रभारी गौरव सिंह ने बताया कि एफएसल की टीम को भी साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया था। फिलहाल परिजनों की ओर से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जांच में यह बात सामने आई है कि छात्रा बस में भी उल्टी करते हुए आ रही थी। अचानक से उसकी तबीयत बिगड़ गई।

गयाजी पुलिस को बड़ी कामयाबी

50 हजार का इनामी कुख्यात वकील मांझी साथी समेत गिरफ्तार

निज संवाददाता। गयाजी

कानून से लंबे समय से आंख-मिचौली खेल रहे कुख्यात अपराधी वकील मांझी को आखिरकार गयाजी पुलिस ने धर दबोचा है। हत्या और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश वकील मांझी और उसके सहयोगी विक्की मांझी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों की गिरफ्तारी को डेल्हा थाना क्षेत्र में हुए एक सनसनीखेज हत्या कांड की गुत्थी सुलझाने में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र भारती ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में पुलिस उपाधीक्षक नगर-2 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में डेल्हा थाना पुलिस और तकनीकी शाखा को शामिल किया गया, जो पारंपरिक और तकनीकी दोनों माध्यमों से लगातार सूचनाएं एकत्र कर रही थी।

जांच के दौरान पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि 50 हजार रुपये का इनामी अपराधी वकील मांझी जहानाबाद जिले में छिपा हुआ है। सूचना का सत्यापन करने के बाद विशेष टीम ने जहानाबाद में छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक संदिग्ध व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन सशस्त्र बल की तत्परता से उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान वकील मांझी, निवासी अंदर बैरागी भुईंटोली, थाना डेल्हा, जिला गया के रूप में की।

पूछताछ के दौरान वकील मांझी की निशानदेही पर उसके साथी विक्की मांझी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी 3 अगस्त 2025 को डेल्हा थाना क्षेत्र में हुई हत्या की घटना में सीधे तौर पर शामिल थे। वादिनी के फर्द बयान के अनुसार, नवनिर्मित मकान के पास गाली-गलौज और मारपीट के बाद आरोपियों ने एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी थी। डेल्हा थाना कांड संख्या 170/25 में दोनों की संलिप्तता की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने इस हत्याकांड में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली है। इस मामले में इससे पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

डीएसपी धर्मेंद्र भारती ने बताया कि वकील मांझी और विक्की मांझी का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। दोनों के खिलाफ डेल्हा थाना सहित अन्य थानों में हत्या, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। क्षेत्र में दोनों का इतना खौफ था कि कई लोग डर के कारण अपना इलाका छोड़कर दूसरी जगह शरण लेने को मजबूर हो गए थे। हालांकि इनकी गिरफ्तारी के बाद लोग धीरे-धीरे अपने घरों में लौटने लगे हैं। फिलहाल दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य फरार अपराधियों की तलाश में पुलिस ने छापेमारी तेज कर दी है। डीएसपी ने बताया कि इस बड़ी सफलता में शामिल पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की अनुशंसा की जाएगी।

बाराचट्टी पुलिस ने पकड़ी प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली की बड़ी खेप

पिकअप वाहन जब्त, चालक गिरफ्तार

निज संवाददाता। बाराचट्टी, गयाजी

♦ हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर की

गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र में पुलिस ने प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार को नेशनल हाईवे पर भगहर के पास छापेमारी कर पुलिस ने थाई मांगुर मछली से लदा एक पिकअप वाहन जब्त किया और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चालक की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के रहने वाले आकिब हुसैन के रूप में हुई है, जो आबिद हुसैन का पुत्र बताया गया है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है ताकि इस अवैध तस्करी से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके।

थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अमरेंद्र किशोर ने बताया कि पुलिस को लगातार गुप्त सूचना मिल रही थी कि थाना क्षेत्र से होकर प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली से लदे वाहन गुजर रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर मंगलवार शाम करीब पांच बजे भगहर के पास एक पिकअप वैन को रोका गया। जब वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें भारी मात्रा में थाई मांगुर मछली बरामद हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि थाई मांगुर मछली पर पूरी तरह से प्रतिबंध है, इसके बावजूद इसे पश्चिम बंगाल, खासकर कोलकाता और आसपास के इलाकों से अवैध रूप से लाकर गया जिले और आसपास के क्षेत्रों में गुपचुप तरीके से सप्लाई किया जा रहा था। इस कार्रवाई से अवैध मछली कारोबार से जुड़े नेटवर्क पर करारा प्रहार हुआ है। मामले की जानकारी मत्स्य विभाग को दे दी गई है। विभागीय टीम के मौके पर पहुंचने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस का कहना है कि इस तरह के अवैध कारोबार पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गुरारू प्रखंड में डाक जीवन बीमा को लेकर चला जागरूकता अभियान

निज संवाददाता। गयाजी

योजनाओं के लाभ बताए गए

गया जिले के गुरारू प्रखंड में भारतीय डाक विभाग की ओर से डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजनाओं को लेकर एक व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को इन बीमा योजनाओं की जानकारी देना और उनके आर्थिक लाभों से अवगत कराना था। डाक विभाग के कर्मियों ने बताया कि डाक जीवन बीमा (पीएलआई) विशेष रूप से सरकारी कर्मचारियों, लोक उपक्रमों और राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यरत कर्मियों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद बीमा योजना है। इस योजना में कम प्रीमियम पर बेहतर बोनस और आकर्षक रिटर्न की सुविधा मिलती है, जिससे यह अन्य बीमा योजनाओं की तुलना में अधिक लाभकारी साबित होती है।

वहीं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) को ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस योजना में आयकर में छूट, बोनस की सुविधा और किसी भी नजदीकी डाकघर में आसानी से प्रीमियम जमा करने की सुविधा उपलब्ध है, जिससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को खासा लाभ मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान ओएस संतोष कुमार के मार्गदर्शन में डाक निरीक्षक पिंडू कुमार एवं अन्य डाक कर्मियों ने चिल्ड्रन पॉलिसी, सुविधा, युगल सुरक्षा, सुरक्षा और संतोष जैसी विभिन्न बीमा योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। डाक कर्मियों ने लोगों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और उनके सवालों का समाधान भी किया। इस मौके पर जितेंद्र त्रिवेदी, अंजय कुमार, सुधामा सिंह, रविंद्र सिंह, आकाश कुमार, रवि, राजीव, रंजन, रघुवंश, मणि प्रसाद, उदय सिंह, अरविंद कुमार, रामाशीष प्रसाद, शंभू शरण सिंह, कुटार सिंह और सोनू कुमार सहित दर्जनों डाक कर्मचारी मौजूद रहे।

शेरघाटी में इंटर परीक्षा के दौरान प्रतिरूपण का खुलासा

दूसरे के बदले परीक्षा दे रही युवती पकड़ी गई

निज संवाददाता। शेरघाटी

बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के दौरान शेरघाटी में कदाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है। मंगलवार को दूसरी पाली की परीक्षा के दौरान शेरघाटी स्थित विजय शंकर राय कॉलेज परीक्षा केंद्र पर अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने सतर्कता दिखाते हुए एक युवती को दूसरे परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि जांच के दौरान यह सामने आया कि ऐश्वर्या कुमारी नामक छात्रा के स्थान पर चांदनी कुमारी नाम की युवती परीक्षा दे रही थी। परीक्षा कक्ष में निरीक्षण के दौरान युवती की गतिविधियों और पहचान को लेकर संदेह हुआ, जिसके बाद कागजात और पहचान पत्र की गहन जांच की गई। जांच में स्पष्ट हुआ कि यह प्रतिरूपण का मामला है। इसके तुरंत बाद युवती को परीक्षा कक्ष से बाहर निकाल दिया गया।

एसडीओ मनीष कुमार ने कहा कि बिहार बोर्ड परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर लगातार सघन निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार के कदाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना के बाद कुछ देर के लिए परीक्षा केंद्र परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि प्रशासन की तत्परता से स्थिति को जल्द ही सामान्य कर लिया गया।

इस कार्रवाई के बाद अन्य परीक्षार्थियों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने इस घटना के माध्यम से साफ संदेश दिया है कि परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी करने या अनुचित साधनों का सहारा लेने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डोभी थाना में सीटी एसपी का जनता दरबार, जमीनी विवादों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के डोभी थाना परिसर में मंगलवार को सीटी एसपी कोटा किरण कुमार ने जनता दरबार का आयोजन कर आम लोगों की समस्याएं सीधे सुनीं। इस दौरान डोभी और बहेरा थाना क्षेत्र से पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीटी एसपी के समक्ष रखीं। जनता दरबार में आए अधिकांश मामले जमीन से जुड़े विवादों के थे।

दोनों थानों से कुल 12 फरियादी अपनी समस्याएं लेकर जनता दरबार में पहुंचे। सीटी एसपी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों और विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता दरबार का उद्देश्य लोगों को थाने के चक्कर लगाने से राहत दिलाना और मौके पर ही समस्याओं का प्रभावी निस्तारण करना है।

सीटी एसपी कोटा किरण कुमार ने बताया कि मुख्यालय के निर्देशानुसार अब प्रत्येक माह सभी थानों में नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किया जाएगा। इससे आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने डोभी थाना प्रभारी मुकेश कुमार को जनता दरबार के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। गश्ती वाहनों पर माइक लगाकर क्षेत्र में माइकिंग कराने और लोगों को जनता दरबार की तिथि, समय और लाभ की जानकारी देने को कहा गया, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पहल से जुड़ सकें।

सीटी एसपी ने यह भी कहा कि इस बार प्रचार सीमित रहने के कारण फरियादियों की संख्या कम रही, लेकिन आगे व्यापक प्रचार के माध्यम से लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। जनता दरबार के दौरान उन्होंने डोभी और बहेरा थाना क्षेत्र में लंबित मामलों की भी समीक्षा की और उन्हें शीघ्र निष्पादित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएसपी शेरघाटी-2 अजय कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर मोहम्मद नेयाज अहमद, बहेरा थाना प्रभारी रविरंजन कुमार सहित डोभी थाना के पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

लंबित मांगों को लेकर बोधगया में शिक्षक-कर्मचारियों का महाधरना

विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिया समाधान का आश्वासन

निज संवाददाता। बोधगया, गया

बोधगया में मंगलवार को बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ के बैनर तले विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के समीप एक महाधरना आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में बिहार के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी शामिल हुए, जिससे पूरा परिसर आंदोलनमय नजर आया।

महाधरना का मुख्य कारण लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर शिक्षकों और कर्मचारियों में व्याप्त नाराजगी रही। प्रदर्शनकारियों ने कॉपी मूल्यांकन के लिए शीघ्र शिक्षक कोड जारी करने, पूर्व में कराए गए कॉपी मूल्यांकन का पारिश्रमिक भुगतान, बकाया राशि और टी.ए. होल्टेज सहित अन्य लंबित भुगतानों को तुरंत जारी करने की मांग की। इसके साथ ही महासंघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार के बीच हुए समझौता पत्र को शीघ्र संबंधित शिक्षाकर्मियों और महाविद्यालयों तक पहुंचाने की मांग भी उठाई।

धरने के दौरान शिक्षकों ने संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों में कनिष्ठ शिक्षकों को प्रभारी प्राचार्य बनाए जाने का विरोध किया। उनका कहना था कि इससे प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों में मनमानी बढ़ रही है, जिसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है। महासंघ ने स्पष्ट मांग की कि केवल वरिष्ठ शिक्षकों को ही प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया जाए। इसके अलावा महाविद्यालयों के आंतरिक स्रोतों से होने वाले वित्तीय लेन-देन की जांच सरकारी लेखा परीक्षक से कराने की भी मांग रखी गई।

शिक्षकों ने 2007 के बाद नियुक्त शिक्षकों की जांच के लिए शीघ्र समिति गठित करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। महाधरना का नेतृत्व महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश कानन ने किया। इस दौरान प्रदेश सचिव बाके बिहारी शर्मा, सचिव प्रो. संजय कुमार पांडे, डॉ. अरुण प्रसाद सिंह सहित कई विश्वविद्यालय प्रतिनिधि और विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य भी मौजूद रहे। धरना-प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ हुई वार्ता में शिक्षकों और कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और जल्द समाधान निकालने का आश्वासन दिया गया। आश्वासन के बाद प्रदर्शन शांत हुआ, लेकिन महासंघ ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय में मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शिलान्यास के बाद भी पुल निर्माण का काम शुरू नहीं, नालंदा में नदी में उतरकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

निज संवाददाता। नालंदा

बिहारशरीफ के गंगा विगहा में पंचाने नदी पर बनने वाले पुल का निर्माण कार्य शिलान्यास के सात महीने बाद भी शुरू नहीं हो सका है। स्थिति यह है कि अब कार्य स्थल पर लगा योजना बोर्ड भी गायब हो गया है, जिससे ग्रामीणों का धैर्य का बांध टूट गया।

नदी में उतरकर किया प्रदर्शनः मंगलवार को सैकड़ों महिला-पुरुष पंचाने नदी में उतर गए। प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत 20 जून 2025 को बड़े धूमधाम से इस पुल का शिलान्यास किया गया था, लेकिन अब तक काम शुरू भी नहीं हो सका है। करीब 6.62 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह एनएल पुल वास्तु विहार के पास प्रस्तावित है। पैकेज संख्या L-M6S-24-25 के तहत पटना की प्राइवेट कंपनी को यह ठेका दिया गया था। 19 जून 2027 तक इसे पूरा किया जाना है।

अब तो बोर्ड भी चोरी हो गयाः प्रदर्शन में शामिल ललिता कुमारी ने कहा कि साहब, हमारी दिक्कतें कोई नहीं समझता। बच्चों को स्कूल भेजना हो या बाजार जाना हो, हर रोज जान हथेली पर रखनी पड़ती है। बारिश में नदी में पानी भर जाता है तो हमें रेलवे पटरी के ऊपर से जाना पड़ता है। वहां कितने हादसे हो चुके हैं। लोग कट गए, घायल हुए। जब बोर्ड लगा था तो लगा कि अब तो पुल बनेगा, लेकिन अब वो भी गायब है। हम डरे हुए हैं। ग्रामीण जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह पुल नवादा और गंगा विगहा होते हुए राजगीर रोड को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। बारिश में तो हमारी हालत बद से बदतर हो जाती है। सात महीने पहले जब बोर्ड लगा तो उम्मीद बंधी थी, लेकिन अब समझ नहीं आता कि काम क्यों नहीं शुरू हो रहा। क्या यह भी सिर्फ एक और खानापूर्ति थी।

अधिकारियों को दिया अल्टीमेटमः आक्रोशित ग्रामीणों ने अधीक्षण अभियंता (ग्रामीण कार्य विभाग) को सामूहिक रूप से हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा है। इसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, सांसद और जिलाधिकारी को भी भेजी गई है। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द कार्यस्थल पर दोबारा बोर्ड लगाकर काम शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

संक्षिप्त समाचार

जमालपुर के पड़हम पंचायत में स्वच्छता कर्मियों की हड़ताल

मुंगेर। मुंगेर में जमालपुर प्रखंड की पड़हम पंचायत में स्वच्छता कर्मियों ने पिछले 7 महीने से वेतन नहीं मिलने के विरोध में हड़ताल शुरू कर दी है। इस हड़ताल के कारण पंचायत क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। सफाई व्यवस्था ठप होने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्वच्छता कर्मियों का कहना है कि लगातार सात महीने से भुगतान नहीं होने के कारण उनके सामने भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।

विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए डस्टबिन जर्जर और टूटेः कर्मियों ने यह भी बताया कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए डस्टबिन जर्जर और टूटे हुए हैं। इसके चलते कचरा रास्तों में गिरता रहता है, जिससे गंदगी बढ़ रही है और लोगों की नाराजगी भी कर्मियों को झेलनी पड़ रही है।

मांग के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस पहल नहींः हड़ताल पर बैठे कर्मियों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत और मांग के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उनका कहना है कि जब तक लंबित वेतन का भुगतान नहीं किया जाता और आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाते, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। मौके पर स्वच्छता कर्मी सोनू कुमार, किशोर साव सहित अन्य कर्मी मौजूद थे। इन कर्मियों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर भुगतान सुनिश्चित कराने और सफाई व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है।

अतिथि शिक्षकों का डिस्टेंस कॉलेजों में ट्रांस्फर

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के 17 अंगीभूत कॉलेजों में कार्यरत 88 अतिथि शिक्षकों को 19 जनवरी को 11 महीने का सेवा विस्तार दिया गया है। विश्वविद्यालय चयन समिति ने 18 विषयों के इन शिक्षकों को प्राचार्यों से प्राप्त सीसीआर (कॉन्फिडेंशियल कैरेक्टर रोल) के आधार पर यह विस्तार दिया। इन शिक्षकों का कार्यकाल दिसंबर में समाप्त हो गया था। हालांकि, सेवा विस्तार के साथ ही कई अतिथि शिक्षकों को उनके पूर्व के कॉलेजों से काफी दूर स्थित अन्य कॉलेजों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे परेशान होकर कई शिक्षक विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुंचे और कुलसचिव प्रो. घनश्याम राय से मुलाकात की। उन्होंने कुलसचिव के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। कुलसचिव ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे उनकी बात कुलपति के सामने रखेंगे।

कई शिक्षकों का किया गया ट्रांस्फरः स्थानांतरित किए गए शिक्षकों में इतिहास की शिक्षिका डॉ. कुमारी अलका चौधरी शामिल हैं, जिन्हें आरएस कॉलेज तारापुर से आरडी कॉलेज शेखपुरा भेजा गया है। इसी तरह, गृह विज्ञान की डॉ. बेबी कुमारी को महिला कॉलेज खगड़िया से राजकीय महिला कॉलेज जमुई, और हिंदी की डॉ. मोनिका कुमारी को महिला कॉलेज खगड़िया से एसकेआर कॉलेज बरबीघा स्थानांतरित किया गया है। अन्य स्थानांतरित शिक्षकों में प्रियदर्शिनी जूही सिन्हा (एसकेआर कॉलेज बरबीघा से महिला कॉलेज खगड़िया), डॉ. नीता कुमारी (बीएनएम कॉलेज बड़हिया से जमालपुर कॉलेज जमालपुर) और विनय भारती (आरडी एंड डीजे कॉलेज से एसकेआर कॉलेज बरबीघा) शामिल हैं।

सेवा विस्तार प्रक्रिया में कई त्रुटियांः शिक्षकों का कहना है कि सेवा विस्तार प्रक्रिया में कई त्रुटियां हैं। उन्होंने बताया कि जो अतिथि शिक्षक तीन वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत थे, उन्हें अचानक काफी दूर के कॉलेजों में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस संबंध में, कुलसचिव प्रो. घनश्याम राय ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रहित में यह निर्णय लिया है। उनका उद्देश्य प्रत्येक कॉलेज में विषयवार कम से कम एक शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षकों का स्थानांतरण कॉलेज और छात्रहित को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

सड़क दुर्घटना में दिवंगत चिकित्सक दंपती को दी गई श्रद्धांजलि

अररिया। सदर अस्पताल में कार्यरत प्रख्यात सर्जन डॉ. जितेंद्र प्रसाद एवं उनकी पत्नी के सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन पर समाहरणालय स्थित परमान सभागार में मंगलवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता अपर समाहर्ता अनिल कुमार झा ने की। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि डॉ. जितेंद्र प्रसाद चिकित्सा क्षेत्र में समर्पित सेवा भाव के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने घने कोहरे के दौरान वाहन चालकों से अत्यधिक सावधानी बरतने, धीमी गति से वाहन चलाने एवं यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। शोक सभा में उप विकास आयुक्त रोजी कुमारी, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन नवनील कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी मनीष कुमार, सभी वरीय उप समाहर्ता, सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई, निदेशक डीआरडीए सहित समाहरणालय अररिया के सभी कर्मी उपस्थित थे।

दुष्कर्म के आरोपी कोचिंग संचालक को कोर्ट ने दस साल के सश्रम कारावास की सुनाई सजा

अररिया। अररिया एडीजे षष्ठम सह विशेष न्यायाधीश पॉस्को कोर्ट ने कोचिंग संचालक अमित कुमार अमन को दस साल की सश्रम कारावास के साथ 90 हजार रूपये के अर्थ दंड की सजा सुनाई।अमित कुमार अमन को आधार कार्ड में त्रुटि बताकर रानीगंज ले जाकर नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का दोषी करार दिया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश षष्ठम सह विशेष न्यायाधीश पोस्को कोर्ट अजय कुमार की अदालत ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। मामला कोंचिग संस्थान चलाने वाले बौसी थाना क्षेत्र के बसेटी मझुआ वार्ड संख्या चार के रहने वाले 30 वर्षीय अमित कुमार अमन पिता राजकिशोर ऋषिदेव से जुड़ा है। न्यायालय ने आरोपी को विशेष पोस्को वाद संख्या 7/2024 में सजा सुनाई,जो अररिया महिला थाना कांड संख्या 28/2023 से संबंधित है और इसके सूचक स्वयं पीड़िता है।

विकसित भारत के सपनों को साकार करेगा बिहार का समावेशी बजटः सांसद

अररिया। बिहार में अररिया लोकसभा से भाजपा सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने बिहार सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को राज्य के विकास की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम बताया। सांसद ने 3.47 लाख करोड़ रूपये के अब तक के सबसे बड़े बजट के लिए लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं वित्त मंत्री बिजेंद्र यादव का धन्यवाद व्यक्त किया। सांसद ने कहा कि यह बजट शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास और रोजगार जैसे मूलभूत क्षेत्रों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जिसका सीधा लाभ अररिया जिले और सीमांचल क्षेत्र को मिलेगा। शिक्षा के लिए 68,216 करोड़ रूपये का प्रावधान कर सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार के बच्चों और युवाओं का भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। इससे अररिया के सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी शिक्षण संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा।स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 21,270 करोड़ रूपये के प्रावधान से सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पतालों एवं ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। वहीं ग्रामीण विकास के लिए 23,701 करोड़ रूपये से गांवों में सड़क, आवास, पेयजल और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। किसानों के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 3 हजार रूपये की अतिरिक्त वार्षिक सहायता से अररिया के हजारों छोटे एवं सीमांत किसानों को सीधी राहत मिलेगी। साथ ही 2025 से 2030 के बीच 1 करोड़ रोजगार सृजन का लक्ष्य तय कर युवाओं के भविष्य को नई दिशा दी गई है।

दरोगा ने हाथ जोड़कर बचाई मां-बेटी की जान

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ भागलपुर में नदी में कूदने जा रही थी महिला, बच्ची को छीना, बोला- मरने नहीं दूंगा

भागलपुर के विक्रमशिला सेतु पर एक महिला अपनी 6 महीने की बच्ची के साथ सुसाइड करने पहुंची। वो पुल से नदी में छलांग लाने वाली थी, तभी ड्यूटी से घर लौट रहे दरोगा की नजर महिला पर पड़ी। दरोगा ने गाड़ी रोकी और महिला के पास पहुंचा। उसने सबसे पहले महिला के गोद से बच्चा लिया और हाथ जोड़कर समझाने लगा। दरोगा ने महिला से कहा- हम आपको मरने नहीं देंगे। आप ये क्या कर रहे हो। ये गलत है। ठीक नहीं है। इस दौरान सड़क से गुजर रहे लोगों की भीड़ जुट गई। घंटों समझाने के बाद महिला मान गई और पुलिस को सारी जानकारी दी। घटना मंगलवार सुबह करीब 11 बजे की है।

नदी में छलांग ही लगाने वाली थी महिलाः परबत्ता थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव के सौरव कुमार यादव की पत्नी हीरा देवी विक्रमशिला सेतु के रेलिंग के पास खड़ी थी। उसका एक पैर रेलिंग पर था और दूसरा नदी की ओर। वो कूदने ही वाली थी। इसी दौरान पुलिस जिला नवगछिया में डायल-112 टीम में तैनात दरोगा सिकंदर कुमार अपनी ड्यूटी खत्म कर भागलपुर लौट रहे थे। उन्होंने महिला की एक्टिविटी देख बाइक रोकी और दौड़कर महिला के पास पहंचे। दरोगा ने सबसे पहले महिला से बच्चा लिया और हाथ जोड़कर कहा- माता जी ये आप क्या कर रही है। दरोगा यह भी कह रहा है- जिंदगी से परेशान नहीं होना है, जिंदगी से लड़ना सीखिए। बाप...रे...बाप दीदी यह क्या करने जा रही थी। जान मत दीजिए दीदी। जान बहुत कीमती होती है। हालांकि, इस दौरान महिला सिर्फ रो रही थी।

काफी तनाव में दिख रही थी महिलाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दरोगा ने महिला को 10 से 20 मिनट समझाया। इस दौरान दरोगा ने महिला को परिवार, बच्चे के भविष्य और जीवन के महत्व के बारे में बताया। पुलिस को देखकर पुल से गुजर रहे लोग भी जमा हो गए। महिला काफी तनाव में दिख रही थी। वो किसी का जवाब नहीं दे रही थी, सिर्फ रो रही थी। हालांकि, दरोगा के समझाने के बाद महिला मान गई और पुल से कूदने का इरादा छोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलने पर पहुंची स्थानीय पुलिसः घटना की सूचना मिलने के बाद बरारी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो उसने बताया घरेलू विवाद से परेशान होकर आत्महत्या करने के इरादे से पहुंची थी। पुलिस महिला और बच्चे को अपने साथ लेकर चली गई। पुलिस ने बताया कि महिला के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। काउंसलिंग की व्यवस्था की जा रही है।

मंदिर से सोने की नथ और मुकुट चोरी

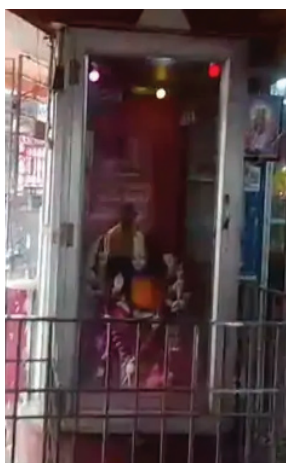

♦ ताला तोड़कर 3 लाख के गहने ले उड़े, पुलिस चेक पोस्ट के पास वारदात

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में मंदिर से सोने की मुकुट और नथ की चोरी हुई है। सुबह जब पुजारी पूजा करने पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मंदिर के छोटे दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि माता का मुकुट और नथ गायब है। तुरंत सीसीटीवी कैमरा खंगाला, लेकिन कोई संदिग्ध नहीं दिखा। घटना छोटी खंजरपुर स्थित हनुमान मंदिर की है। पुजारी सुभाष झा ने बताया कि सोमवार शाम करीब 6:30 बजे मंदिर बंद करके घर चला गया। मंगलवार सुबह पूजा करने पहुंचा तो चोरी का पता चला। चोरी की गई जेवरात की कीमत 3 लाख के करीब है। मामले की सूचना पर बरारी पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन की जा रही है।

दो कदम दूरी पर बरारी चेक पोस्टः घटनास्थल से महज दो कदम दूरी पर पुलिस चेक पोस्ट है। इसके बावजूद चोर आसानी से फरार हो गए। करीब डेढ़ महीने पहले भी इसी मंदिर से मुकुट चोरी की हुई थी। मंदिर प्रशासन की ओर से पुलिस को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आसपास कॉलेज और कोचिंग संस्थान होने के कारण सुरक्षा के लिए बरारी पुलिस ने हनुमान मंदिर के पास चेक पोस्ट बनाया है। इसके बाद भी चोरों के हौंसले बुलंद है।

इंटरमीडिएट एग्जाम का दूसरा दिन

निज संवाददाता। भागलपुर

बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा का आज दूसरा दिन है। पहली पाली में मैथ्स की परीक्षा हो रही है। भागलपुर में चेकिंग के बाद परीक्षार्थियों को एंट्री दी गई। 9 बजे सेंटर का गेट बंद कर दिया गया, इसके बाद किसी को एंट्री नहीं दी गई। सेंटर के बाहर छात्रों की घड़ी, बेल्ट, जूते उतरवाए गए। दूसरी पाली में व्यावसायिक संकाय के छात्रों के लिए फाउंडेशन कोर्स और कला संकाय के छात्रों के लिए राजनीति विज्ञान विषय की परीक्षा होगी। कुल 59 सेंटर्स पर 40,200 परीक्षार्थी एग्जाम दे रहे हैं। जिले में चार आदर्श परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें टीएनी कॉलेजिएट इंटर स्कूल, इंटर स्तरीय सरसहाय विद्यालय कहलगांव, श्याम सुंदर विद्या निकेतन और सीसी बालिका उच्च विद्यालय शामिल हैं।

सीसीटीवी से निगरानीः परीक्षा को कदाचार मुक्त रखने के लिए सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल तैनात किए गए हैं। केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू है। इसके अतिरिक्त, वीडियोग्राफी के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस और स्मार्ट घड़ी सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध है। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि असुविधा से बचा जा सके। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की देखरेख में यह परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रही है।

तीन लेयर में सुरक्षाः परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की तीन स्तर पर जांच की गई। केंद्र में प्रवेश के समय जांच और वीडियोग्राफी की गई। परीक्षा शुरू होने से पहले हॉल में भी जांच की गई। इसके बाद केंद्राधीक्षक और उड़नदस्ता दल की ओर से औचक जांच की गई। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने सभी केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया है कि परीक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। गड़बड़ी मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्लास्टिक मल्चिंग से बागवानी को बढ़ावा

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले के किसानों के लिए उद्यान विभाग लगातार नई-नई योजनाओं को धरातल पर उतार रहा है। इसी कड़ी में अब जिले में प्लास्टिक मल्चिंग (प्लास्टिक पलवार बिछाने) तकनीक के माध्यम से बागवानी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में सफल रही इस तकनीक को अब बांका जिले के सभी 11 प्रखंडों में लागू करने की तैयारी की जा रही है।

बागान मालिकों को किया जाएगा जागरूकः उद्यान विभाग द्वारा ग्राम स्तर पर किसानों और बागान मालिकों को इस तकनीक के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्लास्टिक मल्चिंग विधि से खेती करने पर किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त होता है। इस तकनीक से मिट्टी में नमी बनी रहती है, खरपतवार कम उगते हैं, कीट प्रकोप घटता है और फसलों की गुणवत्ता एवं पैदावार में वृद्धि होती है। बागवानी फसलों की खेती करने वाले किसानों को इस योजना के तहत बिहार सरकार के उद्यान निदेशालय (हॉर्टिकल्चर बिहार) के माध्यम से अनुदान भी दिया जाएगा।

किसानों को ऑनलाइन करना होगा आवेदनः योजना के अंतर्गत किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। बांका जिले को कुल 100 हेक्टेयर का लक्ष्य दिया गया है। इसमें एक किसान को न्यूनतम 50 डिसमिल तथा अधिकतम दो हेक्टेयर तक क्षेत्रफल के लिए लाभ मिलेगा। आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। प्लास्टिक मल्चिंग तकनीक विभिन्न मौसमों में अलग-अलग फसलों के लिए उपयोगी साबित होती है। रबी मौसम (अक्टूबर से फरवरी) में टमाटर, फूलगोभी,पत्तागोभी,ब्रोकली,मटर,गाजर, मूली, चुकंदर,प्याज और लहसुन की खेती में यह तकनीक काफी कारगर है। वहीं खरीफ मौसम (जून से सितंबर)में लौकी, नेनुआ, करैला, भिंडी, तोरई,परवल और मिर्च की खेती में इससे अच्छा लाभ मिलता है। जायद मौसम (फरवरी से मई) में खीरा, खरबूजा,तरबूज और ककड़ी जैसी फसलों में तेज गर्मी के दौरान नमी संरक्षण के लिए यह तकनीक बेहद उपयोगी मानी जाती है।

प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपए की लागत निर्धारितः सहायक निदेशक उद्यान दिवाकर भारती ने बताया कि प्लास्टिक मल्चिंग योजना के तहत प्रति हेक्टेयर कुल लागत 40 हजार रुपये निर्धारित की गई है। इसमें से 50 प्रतिशत यानी 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान राज्य सरकार की ओर से दिया जाएगा, जबकि शेष 20 हजार रुपये किसान को स्वयं खर्च करने होंगे।

नाला-सड़क निर्माण का काम शुरू

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ बारिश में नहीं होगी पानी जमने की समस्या, आवाजाही में होगी आसानी

भागलपुर के सुल्तानगंज नगर परिषद में आज विकास काम की शुरुआत हुई। नगर परिषद के दो अलग-अलग वार्डों में पीसीसी सड़क और नाला निर्माण काम का शिलान्यास किया गया। मुख्य पार्षद राज कुमार गुड्डू ने इन काम का शुभारंभ किया। वार्ड संख्या-26 में शिव मंदिर से बैचों मंडल के घर तक बनने वाली पीसीसी सड़क का शिलान्यास मुख्य पार्षद राज कुमार गुड्डू ने नारियल फोड़कर किया। इसी तरह, वार्ड संख्या 24 में भी पीसीसी सड़क और नाला निर्माण काम विधिवत रूप से शुरू किया गया।

स्थानीय ग्रामीणों में काफी उत्साह दिखाः शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने मुख्य पार्षद राज कुमार गुड्डू और संबंधित वार्ड पार्षदों को फूल-माला पहनाकर और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। लोगों ने उम्मीद जताई कि इन विकास काम से क्षेत्र की सालों पुरानी समस्याओं का समाधान होगा और आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य पार्षद राज कुमार गुड्डू ने कहा कि नगर परिषद के दक्षिणी क्षेत्र में जलजमाव की गंभीर समस्या को देखते हुए पीसीसी सड़क के साथ-साथ नाला निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सड़क और नाला बनने से बारिश के दिनों में होने वाली परेशानियों से लोगों को राहत मिलेगी और क्षेत्र का समुचित विकास होगा।

दिल्ली में मिले अवार्ड का भी जिक्र कियाः मुख्य पार्षद ने नगर परिषद सुल्तानगंज को दिल्ली में मिले अवार्ड का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे नगर परिषद और सभी जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी कृष्णा भूषण कुमार की सक्रिय भूमिका की सराहना की, जिसके कारण नगर परिषद विकास कार्यों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ा रही है। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद नवीन कुमार बन्नी, संजय चौधरी, सुभाष मंडल, वार्ड प्रतिनिधि सुभाष पोद्दार, पप्पू झा, शंकर दास सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने विकास काम को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने की मांग की।

मैरिज एनिवर्सरी से 4 दिन पहले पत्नी का मर्डर

निज संवाददाता। बेगूसराय

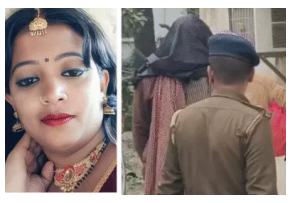

एक फरवरी को सुमन कुमारी (32) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पति ने हत्या का आरोप पड़ोसी पर लगाया था। पुलिस ने इस मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, सुमन रील्स बनाती थी। पति चंदन को शक था कि उसकी पत्नी का किसी से अवैध संबंध है। इसलिए पति ने सुमन की हत्या की साजिश रची और मैरिज एनिवर्सरी से 4 दिन पहले पत्नी का मर्डर कर दिया। पुलिस की पूछताछ में चंदन ने बताया, 'हमे अपनी पत्नी पर शक था। वो कई पुरुषों से बात करती थी। वो किसी से प्रेम भी करती थी। इसलिए उसे मार डाला।' चंदन और सुमन की शादी 15 साल पहले हुई थी। दोनों से 4 बच्चे भी हैं। सुमन रील्स बनाती थी। सुमन के फेसबुक पर 16 और इंस्टाग्राम पर 22 हजार फॉलोअर्स थे। पति को बार बार यह शक होता था कि सुमन किसी और से बात करती है। उसने प्लान बनाया और 1 फरवरी को मंदिर ले जाने के बहाने खेत में ले गया और पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के दौरान 12 साल की बेटी छोटी कुमार भी मौके पर मौजूद थी। वारदाज को अंजाम देने के बाद उसने अपनी बेटी से कहा- अगर किसी से कुछ कहा तो तुम्हें भी मार दूंगा।

कैसे खुला हत्या का राजः सुमन के ममेरे भाई रोशन कुमार ने बताया कि, 'मुझे फोन आया कि सुमन की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हत्या के दौरान छोटी बेटी भी उनके साथ थी। हमलोगों फिर पूरी कहानी पता लगाने में जुट गए। जानकारी मिली कि हत्या से एक दिन पहले घर में झगड़ा हुआ था और चंदन ने सुमन को जान से मारने की धमकी दी थी।' बहनोई को गांजा, स्मैक के साथ शराब की भी लत थी, नशे में धमकी देता था। पत्नी को कहता था कि जहां जाना है जाओ। काम करके मुझे पैसे दो। नहीं तो तुमको घर में नहीं रहने देंगे, मार देंगे। थाना प्रभारी को हमने कहा था कि सुमन के पति चंदन से पूछताछ कीजिए। क्योंकि वह संदिग्ध है। पूछताछ में उसने सब कुछ खोल दिया। बराबर पत्नी के साथ मारपीट किया करता था। उसके बाद पुलिस ने छोटी बेटी से पूछा तो उसने बताया कि, पापा ने धमकी दी थी कि किसी को कुछ कहा तो तुमको भी जान से मार दूंगा। मम्मी के मर्डर के बाद पापा ने पुलिस को फोन किया और तेघड़ा अस्पताल पहुंचे। रास्ते भर पापा मुझे धमकाते रहे। उन्होंने जैसा कहा, मैंने वैसा ही बयान पुलिस को दिया। बाद में पुलिस अंकल ने जब पूछताछ की तो सच्चाई बता दी।

नशा के लिए जमीन बेच रहा थाः गांव वालों के मुताबिक, चंदन ने नशे की लत पूरी करने के लिए अपनी ढेर सारी जमीन बेच दी थी। वो दिन भर नशे में गांव में घूमता था। वहीं सुमन देखने में काफी सुंदर थी। उसने शॉर्ट वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालना शुरू किया। धीरे-धीरे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उसके फॉलोवर्स की संख्या बढ़ी। लेकिन, सुमन का रील्स बनाना चंदन को पसंद नहीं था। वो अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। लड़ाई झगड़े से तंग आकर वो अहमदाबाद चली गई थी। करीब डेढ़ महीना पहले सुमन लौटी थी। इसके बाद पति-पत्नी में रोज झगड़ा होता था। पति आरोप लगाता था तुम्हारा एक लड़के से संपर्क है। इसी पर बराबर झगड़ा होता था। सुमने की हत्या से 2 दिन पहले भी जमकर मारपीट हुई थी।

पड़ोसी को फंसाना चाहता था चंदनः एसपी मनीष ने बताया कि, सुमन कुमारी (35) की हत्या की सूचना पुलिस को सबसे पहले पति चंदन कुमार चौधरी ने ही दी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों और सुमन के परिजनों से पूछताछ की। पुलिस ने चंदन को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वो पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करने लगा। वह पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगा रहा था।

राजधानी एक्सप्रेस से विदेशी सुपारी बरामद

निज संवाददाता। बेगूसराय

♦ दीमापुर से कानपुर भेजा जा रहा था, कस्टम विभाग और आरपीएफ की टीम ने बरौनी में उतारा

मुजफ्फरपुर कस्टम विभाग की टीम ने बरौनी आरपीएफ के सहयोग से ऑपरेशन सतर्क के राजधानी एक्सप्रेस की पार्सल बोगी से 35 क्विंटल विदेशी सुपारी बरामद किया है। बरामद सुपारी की कीमत करीब 35 लाख रुपए हैं। इस दौरान ट्रेन करीब 20 मिनट तक स्टेशन पर रुकी रही। डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के पार्सल बोगी में यह सुपारी दीमापुर से कानपुर के लिए बुक कराया गया था। लेकिन इनपुट मिलते ही बरौनी में उतार लिया गया। कस्टम विभाग की टीम बरामद सुपारी को लेकर मुजफ्फरपुर लेकर चली गई है। इसके बाद अब कस्टम विभाग और आरपीएफ की टीम छानबीन में जुटी है।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाईः मुजफ्फरपुर कस्टम विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि 12423 अप राजधानी एक्सप्रेस के पार्सल बोगी के माध्यम से भारी मात्रा में सुपारी की खेप भेजी जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने तत्काल आरपीएफ इंस्पेक्टर बरौनी से संपर्क किया। इसके बाद कस्टम अधीक्षक राजेश कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ बरौनी जंक्शन पहुंचे। यहां आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी लोकेश साव, अपराध शाखा निरीक्षक नरेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक दीपक कुमार दुबे, सहायक उप निरीक्षक कमलेश कुमार सिंह एवं अपराध शाखा गढ़हरा के सहायक उपनिरीक्षक अरविंद कुमार यादव की टीम बनाई गई।

घेराबंदी कर टीम ने पकड़ाः दोनों विभागों की संयुक्त टीम ने रणनीति बनाकर ट्रेन के बरौनी पहुंचने से पहले ही प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर घेराबंदी कर दी। ट्रेन के पहुंचते ही सबसे पीछे वाले पार्सल बोगी को खोलकर चेक किया गया। उसमें पीडब्ल्यू बिल संख्या-2025070267 के अनुसार दीमापुर से कानपुर स्टेशन के लिए बुक किए गए 40 जूट के बोरियों में विदेशी सुपारी बरामद हुआ। भेजने वाले का नाम-पता Vikaho T sumi, Rana Bazar, Dimapur-Rahul, N.Road, CNB Railway Mark-250-70267/02 Feb 26 पाया गया। टीम ने मौके पर ही सभी बोरियों को उतारकर जब्त कर लिया। अब दस्तावेजों की सत्यता और वैधता की जांच की जा रही है। कस्टम विभाग अब बुकिंग कराने वाले और कानपुर के प्राप्तकर्ता व्यवसायी की पहचान और जांच कर रहा है। पता लगाया जा रहा है कि कस्टम ड्यूटी, जीएसटी एवं अन्य आवश्यक टैक्स का भुगतान किया गया था या नहीं। बरौनी जंक्शन के रास्ते इन दिनों लगातार अवैध कारोबार किया जा रहा है। पूर्वोत्तर के राज्यों से आने वाली ट्रेन के माध्यम से विदेशी सिगरेट, विदेशी सुपारी और गांजा के साथ शराब की भी तस्करी होती है। जिसका बरौनी में पर्दाफाश हो जाता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

क्या संघीय ढांचे के लिए खतरा है भाषा का विवाद?

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि किसी मसले पर असहमति या विवाद की स्थिति है, तो उसे संवाद और सौहार्द के सहारे हल किया जाए और सहमति की हर संभावना को मजबूत किया जाए। मगर विडंबना यह है कि कई बार कुछ मुद्दों को इस हद तक संवेदनशील स्वरूप दे दिया जाता है कि उसके बाद विवाद नाहक ही जटिल होता चला जाता है।गौरतलब है कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम पार्टी ने चेन्नई में रविवार को 'भाषा शहीद दिवस' मनाया और इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने हिंदी भाषा पर बहस को एक बार फिर हवा दे दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि 'न तब, न अभी, न ही कभी हिंदी को यहां जगह मिलेगी।' इस मसले पर अतीत में कैसे मत-विरोध रहे हैं और कैसे यह एक समय हिंसक आंदोलन का कारण बना था, यह जानते हुए भी अगर आज एक बार फिर उसी तेवर में विवाद को तूल दिया जाता है, तो इसे किस रूप में देखा जाएगा? संवाद के बजाय आक्रामकता का सहारा लेकर किस समस्या का स्थायी हल निकाला जा सकता है?देश की संघीय भावना विविधता के सौंदर्य से ही शक्ति ग्रहण करती है। अलग-अलग भाषाएं इसका एक सबसे अहम हिस्सा हैं। हिंदी को देश को जोड़ने वाली एक भाषा की सबसे महत्त्वपूर्ण कड़ी के तौर पर देखा जाता है, तो इसके अपने आधार हैं। मगर इसमें कहीं भी तमिल या देश की किसी भी अन्य भाषा की अहमियत की अनदेखी करने या खुद को उन पर थोपे जाने का आग्रह नहीं है।हैरानी की बात यह है कि किसी भाषा को नुकसान पहुंचाए बिना कभी सिर्फ हिंदी पढ़ाने की बात की जाती है, तो उसे थोपने के तौर पर देख लिया जाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यही मानना है कि केंद्र सरकार राज्य में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। उनकी इस बात से शायद ही किसी को असहमति होगी कि तमिलनाडु अपनी भाषा से जीवनधारा की तरह प्यार करता है।मगर क्या किसी भी भाषा से प्यार को दूसरी भाषा के खिलाफ संघर्ष या टकराव का कारण बनना चाहिए?

तेजाब पर रोक, फिर भी हमले जारी?

जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है।तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है।यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा, अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया।ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है।

भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

(ललित गर्ग)

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

आवश्यक है जातिविहीन समाज की नवीन संरचना

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

देश को अस्थिर करने के लिए विदेशी ताकतों ने एक बार फिर प्रयास किया। यूजीसी के नये नियमों के माध्यम से जातिगत संघर्ष की स्थितियां पैदा कर दी। समूचे देश में आन्तरिक कलह का शंखनाद हो उठा। नेपाल, बांगलादेश जैसे देशों में भी इसी तरह से सरकार का तख्ता पलट करवाने की सफल कोशिशें की जा चुकीं हैं। देश के मीरजाफरों को चिन्हित करके उन्हें भौतिक सुविधाओं, संसाधनों और उज्जवल भविष्य की मृगतृष्णा के पीछे दौडा जाता रहा है। इस सोच से जकडे लोग अब मीरजाफर की तात्कालिक घटनाओं और उनकी कष्टप्रद परिणति को नजरंदाज करके अपने आकाओं की गुलामी करने में ही अपना, परिवार का और स्वजनों का भला देखने लगे हैं। इन भितरघाती मीरजाफरों की संख्या में निरंतर इजाफा होता जा रहा है। विदेशी खुफिया एजेन्सियों से लेकर डीपस्टेट के संचालकों तक ने भारत के कोने-कोने में अपने स्लीपर सेल तैयार कर रखे हैं। अभी तक विपक्ष के लोगों पर ही मीरजाफर होने के आरोप लगते रहे हैं परन्तु इस बार तो सत्ता पक्ष के भितरघातियों ने ही अपने गोरे आकाओं के इशारे पर देश का वातावरण रक्तरंजित करने हेतु आधार तैयार करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है। हालातों की समीक्षा करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत के अन्दर सभी प्रमुख क्षेत्रों में भितरघातियों की एक बडी संख्या मौजूद है जो अवसर मिलते ही राष्ट्र को गुलामी की बेडियों में जकडने हेतु चलाये जा रहे सीमापार के षडयंत्रों को अमली जामा पहनाने में जुट जाते हैं। विकास के पथ पर सरपट दौड रहे देश को आन्तरिक संघर्ष की आग में झौंकने हेतु जातिगत मुद्दे की आंधी चलाई गयी। उच्च शिक्षा में समानता लाने के दांत दिखाकर हाथी ने अन्दर के षडयंत्रकारी दांतों से देश को चबाने की शुरूआत कर दी है जिसे फिलहाल न्यायालय ने टाल दिया है मगर वह समाप्त नहीं हुआ है। इधर खाई उधर कुंआ जैसी स्थिति सुरसा का मुंह बनकर जस की तस खडी है। शंकाओं को बादल मडरा रहे हैं। शक्ति संकलन के प्रयास किये जा रहे हैं। जोर आजमाइस के दावपेंचों के प्रशिक्षण निरंतर चल रहे हैं। आतंक की नई परिभाषायें गढी जा रहीं हैं। हकीकत तो यह है कि पडोसी देशों की तर्ज पर जेन-जी को मोहरा बनाकर भारत की तेजी से बढती साख को तार-तार करने वाले अब इंशा अल्लाह के नारे नहीं लगवा रहे हैं बल्कि राम-राम और राधे-राधे में भेद पैदा करवाने के बाद अब भगवान और भीम के बीच खाई तैयार करने में जुट गये हैं। साम्प्रदायिक मुद्दे पर लडे गये बिहार चुनाव के परिणामों को देखते हुए निकट भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए जातिगत मुद्दों को हवा देने का काम शुरू हो गया है ताकि बटेंगे तो कटेंगे, जैसे नारों को निष्क्रिय किया जा सके। जातिगत संगठनों को सक्रिय करके वंशवाद की निष्ठा को तीव्रतम करने की कोशिशें होने लगीं हैं। सवर्ण बनाम अन्य की स्थितियां पैदा की गईं। दूसरी ओर प्रयागराज में कथित शंकराचार्य और वहां पर तैनात कुछ खास अधिकारियों के मध्य अनावश्यक विवाद पैदा करवाकर एक नयी समस्या को जन्म दे दिया गया ताकि सनातन परम्परा, हिन्दू व्यवस्था और शाश्वत दर्शन को अपभ्रंश की गई किताबों के माध्यम से एक बार पुनः विकृत किया जा सके। हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि चौराहों से लेकर चौपालों तक केवल और केवल सनातन के स्वरूप, उसके सिद्धान्त और वर्तमान मान्यताओं पर ही चर्चा होने लगी है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5993

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5992

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं में वृद्धि होगी। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव पैदा हो सकता है। इस समय आपको रुपए-पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतनी होगी। ससुराल पक्ष से भी आपको लाभ मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, वाहन के प्रयोग में आपको सावधानी रखनी होगी।

वृष

आज आपका मन शांत बना रहेगा। अष्टम भाव में बुध से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान किसी प्रकार का उपहार व सम्मान भी मिल सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। हालांकि, ससुराल पक्ष से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है। वहीं, मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

मिथुन

आज जीविका के क्षेत्र में चल रहे आपके प्रयास फलीभूत होंगे। इस दौरान आपको राजनीतिक सहयोग भी मिलेगा। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी विवाद से दूरी बनाकर रखना आपके हित में होगा।

तुला

आज का दिन शुभ व्यय में बढ़ोतरी होगी। इससे आपका मान-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने कार्यों में सफलता मिलेगी। हालांकि, आपको अपने खान-पान में संयम रखना होगा। इसके साथ ही अनावश्यक खर्चों को भी कंट्रोल करना होगा। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी।

वृश्चिक

आज एकादश भाव में चन्द्रमा के प्रभाव से राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आपको शासन और सत्ता का पूरा सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही कुछ लोगों के पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखेंगे तो आपके लिए लाभकारी रहेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा।

धनु

आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की प्रबल संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यापार बढ़ने की सोच रहे हैं तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से भी किसी तरह का लाभ मिल सकता है। हालांकि, झगड़े और विवाद से खुद को दूर रखें।

कर्क

आज आपके कोष में वृद्धि का संकेत दे रहा है। ऐसे में आपका दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा। इस दौरान धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि की प्रबल संभावना है। हालांकि, किसी शारीरिक व मानसिक समस्या से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी और परीक्षा की दिशा में किया गया प्रयास सार्थक होगा।

सिंह

आज का दिन घर में प्रभाव और प्रताप को बढ़ाने वाले हैं। ऐसे में रोजी और रोजगार की दिशा में आपको सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। इस दौरान आप दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। कोई रुका हुआ कार्य इस सहयोग से पूरा करने में सफल रहेंगे। यात्रा की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। लंबे समय बाद किसी प्रियजन से भेंट संभव है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए आर्थिक दिशा में सफलता दिलाने वाला रहेगा। वाणी की सौम्यता के कारण आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वहीं, ससुराल पक्ष से लाभ मिलता हुआ दिख रहा है। हालांकि, स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सचेत रहना होगा। फिलहाल अपने खान-पान में संयम बरतें।

मकर

आज पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। घर-परिवार के वरिष्ठ लोगों का आपको सहयोग मिलेगा। इसके अलावा शासन और सत्ता के सहयोग से कोई रुका हुआ कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि, आपको थोड़ा सतर्क भी रहना होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना दिख रही है। फिलहाल अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कुंभ

आज आपकी व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा अधिक सचेत रहना होगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपने विरोधियों पर जीत मिलेगी। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। वाणी पर संयम रखने से रिश्तों में मधुरता आएगी।

मीन

आज का दिन सुख और मित्र का भाव वाला है। इसके शुभ प्रभाव से आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल रहेंगे। राजनीतिक सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। वाणी पर संयम रखने से रिश्तों में मधुरता आएगी।

वर्ग पहेली 5993

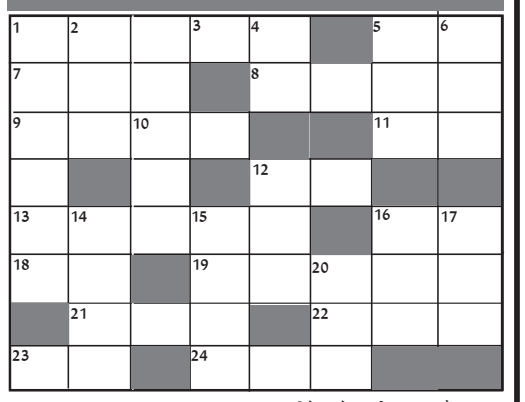

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत की इस प्रथम महिला आई.पी.एस.अधिकारी का जन्मदिवस है (09 जून 1949)(5)
5. सिर के बाल झड़ने का रोग (2)
7. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
8. गानवृंद, गायक दल (5)
9. वर्षा के समान गिरना, क्रुद्ध होना (4)
11. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
12. गेंहू, जौ आदि पौधे के डंठलों के छोटे टुकडे जो पशु भोजन के रूप में इस्ते माल होती है (2)
13. डायरी जिसमें दैनिक कार्यों का विवरण लिखा जाता है (5)
16. उम्मीद, वस्तु आदि पाने का अल्पनिश्चय (2)
18. मथुरापति कंस के मल्ल का एक नाम, भाला (3)
19. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
21. पगश्रृंगार, पायजेब (3)
22. पुनीता, पवित्रा (3)
23. दृश्य (2)
24. व्यतीत होना, फल (3)

ऊपर से नीचे
1. पुस्तक विक्रेता को यह भी कहा जाता है (3)
2. दौड़ने वाला (अंग्रेजी)(3)
3. पराया, गैर आदमी, अनजान (3)
4. दयनीय दशा या अवस्था वाला (2)
5. यह नदी गंगा की सहायक नदी है (3)
6. महान, पूज्य, मोहतरम (3)
10. अंदर भरना, गुंजाईश होना (3)
12. भूकंप, जलजला, भूडोल (3)
16. कलेवा, नाश्ता (4)
15. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
16. आने वाला, भविष्य में होने वाला (3)
17. दुर्गा, माता सरस्वती का एक नाम (3)
20. प्रवाहित होना, जल प्रवाह होना (3)

वर्ग पहेली 5992 का हल

ऑ	ल	इं	डि	या	रे	डि	यो
स्क		त		क	ज		ग
र	म	जा	न		गा	ज	
	ह	म		व	री	य	ता
त	त्व		अ	ली		कि	ला
	पू	ज	क			श	ब
पू	र्ण		ब	लि	दा	न	
जा		मौ	र		वा		सा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

झारखंड को मिलेगी नई दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

रांची, एजेंसी। केंद्रीय रेल बजट 2026 में झारखंड के लिए 7,536 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष से 234 करोड़ ज्यादा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बताया कि 2009-14 के दौरान झारखंड को औसतन 457 करोड़ मिलते थे, जबकि अब यह राशि करीब 16 गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में इस समय 63,470 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य चल रहे हैं। इनमें नए ट्रैक निर्माण, डबलिंग, स्टेशन पुनर्विकास और स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली कवच शामिल हैं। रेल मंत्री ने बताया कि राज्य को दो नई अमृत भारत ट्रेनें मिलने वाली हैं। इनमें से एक धनबाद-कोयंबटूर रूट पर जल्द शुरू होगी। इससे यात्रा समय घटेगा और यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। गोमो-गया-प्रयागराज के रास्ते कोयंबटूर जाएगी अमृत भारत ट्रेन : प्रस्तावित धनबाद-कोयंबटूर अमृत भारत एक्सप्रेस गोमो, गया, डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर, गोंदिया, विजयवाड़ा, पेरम्बूर और काटपाड़ी के रास्ते होगा। इससे दक्षिण भारत खासकर इलाज के लिए वेल्लोर जाने वालों को एक और ट्रेन मिलेगी। यह ट्रेन चलेगी तो झारखंड के कई क्षेत्रों के यात्रियों को दक्षिण भारत की यात्रा में बड़ी सुविधा मिलेगी। अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्देश्य आम यात्रियों को कम किराए में तेज, सुरक्षित और आधुनिक रेल सेवा उपलब्ध कराना है। झारखंड में 1,907 रूट किमी के लिए कवच सिस्टम स्वीकृत है, जिसमें से 917 किमी में काम चल रहा है। कवच भारतीय रेलवे का स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो लाल सिग्नल पार करने या अत्यधिक गति की स्थिति में अपने-आप ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं को रोकता है। यह ट्रेन, ट्रैक और सिग्नल के बीच डिजिटल संचार से काम करता है और मानवीय भूल से होने वाली घटनाओं को कम करता है। होली पर स्पेशल ट्रेनें : होली के अवसर पर पटना, जयनगर, समस्तीपुर और गोरखपुर के लिए होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

जी राम जी योजना का बजट 14,308 करोड़ कम, ग्रामीण रोजगार खतरे में : कांग्रेस

रांची, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा नेताओं की ओर से बजट 2026 और जीराम जी योजना को लेकर किए जा रहे दावों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत ठीक इसके विपरीत है। बजट के आंकड़ों के बाद अब मनरेगा बचाओ संग्राम पार्टी आंदोलन तेज करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में मनरेगा का बजट 88,000 करोड़ रु. था। वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने इसे बढ़ाकर जी राम जी योजना के तहत 95,692 करोड़ करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि पहली नजर में यह वृद्धि सकारात्मक दिखती है, लेकिन हकीकत कुछ अलग है। क्योंकि यदि 100 दिनों के रोजगार की गारंटी के लिए 88,000 करोड़ की आवश्यकता थी, तो मांग के अनुरूप इसे 125 दिन करने के लिए कम से कम 1,10,000 करोड़ के बजट की आवश्यकता होनी चाहिए। इस हिसाब से वर्तमान आवंटित बजट अभी से ही 14,308 करोड़ कम है।

पहली बार चुनावी ड्यूटी में ईवी, 4 पहिया से लेकर साइकिल तक का रेट तय

रांची, एजेंसी। नगर निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच प्रशासनिक स्तर पर व्यवस्थाएं तेज कर दी गई हैं। रांची जिला प्रशासन ने मतदान कर्मियों की आवाजाही, मतदान सामग्रियों के परिवहन और विभिन्न चुनावी कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए परिवहन व्यवस्था की तैयारी पूरी कर ली है। कुल 650 से अधिक वाहन चुनाव कार्य में लगाए जाएंगे। इसमें बस, मिनी बस, कार, जीप, ट्रक, ऑटो, टेंपो, बाइक, साइकिल और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। प्रशासन ने इन वाहनों के लिए दैनिक भाड़े की दरें भी निर्धारित कर दी हैं। यात्री बसों की दरें उनकी सीट क्षमता के आधार पर तय की गई हैं। 49 या उससे अधिक सीटों वाली बस के लिए प्रतिदिन 3530 रुपए, 33 से 48 सीटों वाली बस के लिए 2980 रुपए और 23 से 32 सीटों वाली बस के लिए 2520 रुपए प्रतिदिन का भुगतान तय किया गया है। 14 से 22 सीटों वाली मिनी बस के लिए 1800 रुपए तथा 8 से 13 सीटों वाली मिनी बस के लिए 800 से 1400 रुपए प्रतिदिन की दर तय की गई है। पहली बार चुनाव कार्य में ईवी का इस्तेमाल किया जाएगा। महिंद्रा एक्सयूवी 400 इवी, टाटा नेक्सन इवी और टाटा टिगोर इवी के लिए एसी में 1470 रुपए और बिना एसी के 1280 रुपए प्रतिदिन दिए जाएंगे। टाटा पंच इवी और टाटा टियागो इवी के लिए एसी में 1340 रुपए तथा नॉन-एसी में 1170 रुपए तय किए गए हैं। इलेक्ट्रिक ऑटो को 620 रुपए और ई-रिक्शा व ई-कार्ट को 400 रुपए प्रतिदिन का भुगतान किया जाएगा।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी ने मेयर चुनाव के लिए भरा पर्चा, जमशेदपुर के मानगो से करेंगी फाइट

रांची, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर में मानगो नगर निगम के मेयर पद के लिए राजनीतिक सरगर्मी उस वक्त अपने चरम पर पहुंच गई, जब क्षेत्र की 'हेवीवेट' प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। झारखंड की सियासत में एक कद्दावर पहचान रखने वाली सुधा गुप्ता का नामांकन महज एक औपचारिकता नहीं, बल्कि शक्ति प्रदर्शन और सादगी का अनूठा संगम रहा। राज्य के पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक बन्ना गुप्ता की धर्मपत्नी होने के नाते सुधा गुप्ता के पास लंबा राजनीतिक अनुभव और गहरा जनसंपर्क है, जो इस चुनाव में उनकी स्थिति को बेहद मजबूत बनाता है।

पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता का नामांकन केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि बरसों का राजनीतिक अनुभव, जमीनी पकड़ और गहरा जनसंपर्क उन्हें इस चुनाव में एक मजबूत दावेदार बनाता है। मानगो क्षेत्र में उनकी सक्रियता पहले से चर्चा में रही है।

नामांकन के लिए निकलने से पहले उनके आवास पर भावुक दृश्य देखने को मिला। पति बन्ना गुप्ता ने स्वयं कार का गेट खोलकर उन्हें विदा किया। यह पल उनके साझा राजनीतिक संघर्ष और विश्वास को दर्शाता है। इसके बाद सुधा गुप्ता ने कदमा स्थित रंकनी मंदिर और मानगो बड़ा हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया।

सुधा गुप्ता ने नामांकन के दौरान भीड़ और रैली से दूरी बनाकर संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने कहा कि मानगो में फ्लाईओवर निर्माण के कारण सड़कें संकरी हैं।

रांची में टीबी इलाज की हकीकत

12 महीनों में 155 मौतें, सिर्फ 89 प्रतिशत मरीज हुए ठीक

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची जिले में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (टीबी) के तहत किए जा रहे प्रयासों के बावजूद टीबी मरीजों का शत-प्रतिशत इलाज अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

जिला स्वास्थ्य समिति और जिला टीबी केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार बीते 12 महीनों में जिले में टीबी से पीड़ित मरीजों में से केवल 89 प्रतिशत ही पूरी तरह स्वस्थ हो सके, जबकि इलाज के दौरान 155 मरीजों की मौत हो गई। जिले के विभिन्न प्रखंडों में इलाज की सफलता दर में भारी असमानता देखने को मिली है।

नामकुम प्रखंड की स्थिति सबसे खराब पाई गई, जहां टीबी इलाज की सफलता दर महज 71 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार नामकुम में इस समय 752 टीबी मरीज इलाज पर हैं, जिनमें से 639 मरीजों ने इलाज व पोषण सहायता दी गई है, जबकि 46 मरीज इससे दूर हैं।

दूरी रहने से इन मरीजों को पोषण सहायता और नियमित सामाजिक सहयोग नहीं मिल पा रहा है, जिसका असर इलाज की निरंतरता पर पड़ रहा है। डाक्टरों का कहना है कि केवल दवा

से टीबी का उन्मूलन संभव नहीं है।

इलाज के साथ पोषण, नियमित काउंसलिंग और सामाजिक सहयोग बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार इलाज बीच में छोड़ने की प्रवृत्ति और सहमति प्रक्रिया में देरी से दवा प्रतिरोधी टीबी का खतरा भी बढ़ रहा है।

जिला टीबी केंद्र के आंकड़ों के अनुसार पब्लिक हेल्थ सिस्टम में इलाज की सफलता दर 87 प्रतिशत दर्ज की गई है, जबकि प्राइवेट हेल्थ सेक्टर में यह दर 92 प्रतिशत रही। हालांकि कुल टीबी मरीजों का बड़ा बोझ पब्लिक हेल्थ सिस्टम पर ही है।

रांची के सिविल सर्जन डा। प्रभात कुमार का मानना है कि प्राइवेट सेक्टर में इलाज का प्रतिशत अधिक दिखने के पीछे सीमित संख्या में मरीज, बेहतर फालोअप और आर्थिक क्षमता जैसे कारण हैं।

वहीं, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (निक्षय मित्र योजना) के तहत जिले में इस समय कुल 4569 टीबी मरीज इलाज पर हैं। इनमें से 3317 मरीजों ने योजना के तहत अपने इलाज की सहमति दी है, जबकि 549 मरीजों की सहमति अब भी लंबित है।

सहमति न होने के कारण इन मरीजों को नियमित पोषण किट और सामाजिक सहयोग नहीं मिल पा रहा है, जिससे इलाज की सफलता दर प्रभावित हो रही है। जिले में अब तक कुल 6073 पोषण किट वितरित किए गए हैं, लेकिन वितरण में भी असमानता सामने आई है।

जहां नामकुम में सबसे अधिक 2105 पोषण किट वितरित हुए हैं, वहीं रातू (53), लापुंग (32) और बुढ़मू (55) जैसे प्रखंडों में किट की संख्या बेहद कम रही। जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रयास तो किया जा रहा हैं, लेकिन इलाज, पोषण और सामाजिक सहयोग इन तीनों के समन्वय के बिना शत-प्रतिशत सफलता हासिल करना अब भी दूर की चुनौती बना हुआ है।

जिला स्वास्थ्य समिति ने वर्ष 2026 के लिए नई रणनीति तैयार की है, जिसमें नामकुम जैसे कमजोर प्रखंडों पर विशेष फोकस, सहमति लंबित मरीजों को योजना से जोड़ना, हाई रिस्क क्षेत्रों में सक्रिय मरीज खोज अभियान और इलाज छोड़ने वाले मरीजों की सख्त मानिटरिंग शामिल है।

जमशेदपुर में खलासी की सड़क हादसे में मौत

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के टेल्को थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइजर इंटरप्राइजेज में कार्यरत खलासी मंटू यादव की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा टाटा मोटर्स गेट के समीप हुआ, जहां एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि मंटू यादव को संभलने का मौका तक नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंटू यादव पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन का पहिया उनके सिर पर चढ़ गया, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की भयावहता को देखकर वहां मौजूद लोग सहम गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वाहन की गति काफी तेज थी और चालक ने न तो ब्रेक लगाया और न ही रुकने की कोशिश की। घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। मृतक के साथ कार्यरत ट्रक चालक प्रमोद चौबे ने बताया कि टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन दुर्घटना के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना टेल्को थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि फरार वाहन और चालक का पता लगाया जा सके।

बताया जा रहा है कि मंटू यादव मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे और जमशेदपुर में रहकर साइजर इंटरप्राइजेज में खलासी का काम करते थे। हादसे की खबर मिलते ही उनके परिचित और सहकर्मी अस्पताल और थाना पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश शुरू कर दी है। टेल्को थाना पुलिस का कहना है कि जल्द ही वाहन और चालक की पहचान कर ली जाएगी। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्थानीय लोग तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम लगाने की मांग कर रहे हैं।

सेल्फी लेने के दौरान ट्रेन से किशोर कटा, कलश यात्रा से लौटते समय हुआ हादसा

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गड़गी गांव के पास कलश यात्रा से लौट रहे एक 13 वर्षीय किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पांडू गांव निवासी मुंशी सिंह के पुत्र सन्नी कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार तेतरौंन पंचायत के नावाडीह गांव में नौ दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया गया है। इसी को लेकर सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई थी। नावाडीह गांव की महिलाएं चलकुस्सा थाना क्षेत्र के बडानो स्थित उत्तरवाहिनी बराकर घाट से मिट्टी के कलश में जल भरकर यज्ञ स्थल की ओर लौट रही थीं। इसी दौरान सन्नी कुमार भी अपने दो दोस्तों के साथ कलश यात्रा से वापस आ रहा था।

कलश यात्रा से लौटते समय सन्नी अपने दोस्तों के साथ नदी पर बने रेलवे

ओवरब्रिज पर चढ़ गया। बताया गया कि इसके बाद वह धनबाद-गया रेलवे लाइन पर खड़ा होकर मोबाइल फोन से सेल्फी लेने लगा। उसी समय अप लाइन से आ रही 12802 नई दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से वहां पहुंच गई। ट्रेन को आते देख सन्नी संभल नहीं पाया और उसकी चपेट में आ गया।

ट्रेन की जोरदार टक्कर से सन्नी कुमार का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथ मौजूद दो अन्य दोस्त किसी तरह ट्रैक से भागने में सफल रहे, जिससे उनकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। बाद में पुलिस को भी जानकारी दी गई। हादसे के बाद पांडू गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में मातम पसर गया है।

बोकारो से लापता महिला का शव 13 दिन बाद मिला:अर्धनग्न अवस्था में मिला शव

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के सेक्टर-2ए से 20 जनवरी 2026 को सुबह की सैर के दौरान लापता हुई 52 वर्षीय नमिता देवी का शव चंदनकियारी सीएचसी के पास एक सुनसान तालाब के किनारे बरामद किया गया। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

मृतका की पहचान उनके पुत्र अमर गोप ने दांतों और हाथ में पहनी चूड़ियों के आधार पर की। नमिता देवी के लापता होने के बाद से ही परिजन उनकी तलाश में जुटे थे। परिजनों ने उसी दिन सिटी थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी, लेकिन इतने दिनों बाद शव मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

शव मिलने की सूचना पर बोकारो एसपी हरविंदर सिंह, चंदनकियारी थाना सहित जिले के कई थानों के पुलिस अधिकारी और पुलिस बल इंदटांड़ तालाब के पास पहुंचे। मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में था।

शरीर के कुछ हिस्से जले हुए पाए गए हैं। प्रथम दृष्टया मामला बेहद गंभीर प्रतीत हो रहा है। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि किसी तरह की अहम जानकारी मिल सके।

एसपी हरविंदर सिंह ने आशंका जताई है कि महिला

के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई हो सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और डॉग स्क्वायड टीम की रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो पाएगी।

पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महिला को अगवा कर यहां तक कैसे लाया गया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने चंदनकियारी क्षेत्र के एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उससे लगातार पूछताछ की जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी उसकी पहचान उजागर नहीं की है। मृतका के पति सेल में कर्मचारी बताए जाते हैं, जबकि उनका मायका पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के पाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोड़ासिड़ी में है। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

बेटियों की शादी में लाखों का दान, अभिनंदन ट्रस्ट ने उठाया बीड़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड में बेटियों की शादी को लेकर अभिभावकों की आर्थिक चिंता को कम करने की दिशा में अभिनंदन ट्रस्ट ने एक अहम पहल की है। ट्रस्ट बेटियों की शादी में लाखों रुपये मूल्य का सामान फ्री में उपलब्ध करा रहा है। अभिनंदन ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ। विवेकानंद कुमार ने कहा कि अब माता-पिता को बेटी के विवाह के लिए कर्ज लेने की मजबूरी नहीं रहेगी।

डॉ। विवेकानंद कुमार ने बताया कि झारखंड की प्रगति और सामाजिक विकास को ध्यान में रखते हुए रांची स्थित रोस्पा टावर कार्यालय में अभिनंदन ट्रस्ट द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि राज्य के अधिक से अधिक लोग ट्रस्ट की योजनाओं से जुड़ें और जरूरतमंद परिवारों तक इनका लाभ पहुंच सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष रूप से कन्या विवाह उपहार योजना पर चर्चा की जा रही है। इस योजना के तहत नवविवाहित बेटियों को ट्रस्ट की ओर से विवाह से जुड़ी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। डॉ। विवेकानंद कुमार ने बताया कि इस योजना से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है।

ट्रस्ट की ओर से विवाह के लिए कुल 122 प्रकार की सामग्री निःशुल्क प्रदान की जाती है। इनमें गोदरेज, टीवी, बर्तन सहित अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। खास बात यह है कि मोटरसाइकिल की कीमत में ही मोटरसाइकिल भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे नवदंपती को जीवन की शुरुआत में सहूलियत मिल सके।

डॉ। विवेकानंद कुमार ने बताया कि यह सेवा कार्य अभिनंदन ट्रस्ट द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है। ट्रस्ट का उद्देश्य केवल सामग्री देना ही नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करना भी है।

रांची में मेयर पद पर दो महिलाओं के बीच चुनावी जंग

रांची, एजेंसी। रांची मेयर पद के लिए कांग्रेस और भाजपा समर्थित प्रत्याशी का एलान हो गया है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मेयर रमा खलखो को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं भाजपा ने दो टर्म की पार्षद रहीं और भाजपा एसटी मोर्चा मोर्चा की प्रदेश मंत्री रौशनी खलखो को पार्टी समर्थित प्रत्याशी बनाया है। दो महिला उम्मीदवारों के उतरने से रांची मेयर पद के लिए चुनाव इस बार खासा दिलचस्प मोड़ ले चुका है। दो प्रमुख महिला उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से मुकाबला न सिर्फ कड़ा हुआ है, बल्कि चुनावी चर्चा का केंद्र भी बदल गया है।

अब यह चुनाव केवल विकास के वादों तक सीमित नहीं, बल्कि नेतृत्व की नई सोच, प्रशासनिक शैली और महिला भागीदारी के बढ़ते प्रभाव का भी प्रतीक बन गया है। इस मुकाबले को लेकर मतदाताओं के बीच उत्सुकता भी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें इस बार पारंपरिक समीकरणों से अलग एक अलग तरह की टक्कर देखने को मिल रही है। इधर, लोगों को झामुमो के पत्ते खोलने का इंतजार है। अब सारा कुछ झामुमो के अगले कदम पर बहुत हद तक निर्भर करेगा कि मुकाबला आमने-सामने का होगा या त्रिकोणीय और बहुकोणीय। झामुमो की बात करें तो सोमवार को

एक और झामुमो नेता अंतु तिर्की ने मेयर पद के लिए पर्चा खरीदा। इससे पूर्व झामुमो की ओर से कतरीना तिर्की, वीरू तिर्की, सुजीत कुमार कुजूर, रामशरण तिर्की आदि ने पर्चा खरीदा है। इस हिसाब से झामुमो की ओर से अब तक पांच नेताओं ने पर्चा खरीद लिया है। सोमवार को पर्चा खरीदने वाले अंतु तिर्की ने बताया कि सभी चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। हमने भी पर्चा खरीदा है। मगर अभी समय है, नाम वापसी तक भी अंतिम निर्णय हो सकता है। हमलोग पार्टी के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

इधर सोमवार को आजसू पार्टी के महानगर संयोजक सुरेंद्र लिंडा ने भी पर्चा खरीदा। सुरेंद्र लिंडा ने बताया कि वे पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। इस लिहाज से उनका हक बनता है। पर्चा खरीद लिया है। अब पार्टी केंद्रीय अध्यक्ष एवं अन्य नेताओं से बातचीत करेंगे। बुधवार तक मेयर पद के लिए पर्चा खरीदने वालों की संख्या 21 पहुंच गई है। सोमवार को झामुमो की ओर से अंतु तिर्की, भाजपा की ओर से अजय मुंडा, आजसू की ओर से सुरेंद्र लिंडा, सुजीत विजय आंनद कुजूर, सेनेन डेंजी सुरीन आदि ने पर्चा खरीदा। इससे पूर्व 16 लोगों ने पर्चा खरीदा है। जिसमें किरण कुमारी, संजय कुमार टोप्पो, रामशरण तिर्की, सुजीत कुमार कुजूर और प्रवीण कच्छप, रमा खलखो, विनोद कुमार बड़ाइक, तनुत तुलियो तिग्गा, बीरू तिर्की, देवी दयाल मुंडा, आरती देवी, सोनू खलखो, राजेंद्र मुंडा, सुनील फकीरा कच्छप, कतरीना तिर्की और सुजाता मिंज शामिल हैं।

राष्ट्रपिता की पदचाप से झरिया के कोयला खदानों से लौह नगरी तक जागी आजादी की लौ

रांची, एजेंसी। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पूरा देश बापू को याद कर रहा है। झारखंड में भी राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राष्ट्रपिता को नमन किया।

सोरेन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बापू का सत्य, अहिंसा और न्याय का मार्ग हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है,' जबकि मरांडी ने शत-शत नमन करते हुए उनकी विरासत को याद किया।

इस मौके पर गांधीजी की झारखंड यात्राओं को याद करना प्रासंगिक है। एक ऐसी भूमि जहां कोयला की कालिमा और किसानों की पीड़ा के बीच उन्होंने अहिंसा की मशाल जलाई। तत्कालीन बिहार के हिस्से रहे झारखंड में गांधीजी की कम से कम छह प्रमुख यात्राएं दर्ज हैं, जो चंपारण सत्याग्रह से लेकर रामगढ़ कांग्रेस तक फैली हैं। इनमें रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, देवघर, झरिया (धनबाद) और

डालटनगंज जैसे इलाकों में उन्होंने मजदूरों, किसानों और हरिजनों से संवाद किया, फंड संग्रह किया और सामाजिक सुधारों को गति दी। कोयला उद्योगपतियों से मिले दान से लेकर हिंसक विरोध तक, ये यात्राएं गांधीजी की विरासत का जीवंत हिस्सा हैं। आइए, क्रमवार इन ऐतिहासिक पड़ावों पर नजर डालते हैं। गांधीजी की झारखंड से पहली मुलाकात 4 जून 1917 को हुई, जब वे वर्धा आश्रम से चंपारण जा रहे थे। रांची पहुंचकर उन्होंने स्थानीय नेताओं से चर्चा की और चंपारण के नील किसानों के शोषण पर रणनीति बनाई।

इसी साल जमशेदपुर (तत्कालीन कालिमाटी) से गुजरते हुए उन्होंने किसानों की दुर्दशा पर ध्यान केंद्रित किया। यह यात्रा सत्याग्रह की नींव रखने वाली थी, जिसने गांधीजी को राष्ट्रीय पहचान दिलाई।

1921 में असहयोग आंदोलन के सिलसिले में गांधीजी झरिया (धनबाद) पहुंचे, जहां कोयला मजदूरों की समस्याओं पर फोकस किया। उन्होंने सार्वजनिक सभाओं में अहिंसा और स्वदेशी का प्रचार किया, जिससे मजदूरों में जागृति आई।

इसी साल नवंबर में झरिया में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का दूसरा सत्र हुआ, जो गांधीजी के प्रभाव से प्रेरित था। हालांकि फंड संग्रह अपेक्षाकृत कम रहा, लेकिन यह दौरा झारखंड के औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने वाला साबित हुआ। सितंबर 1925 में गांधीजी रांची पहुंचे, जहां खादी और ग्रामोद्योग जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया। हजारीबाग में सरस्वती देवी और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। जमशेदपुर में उन्होंने टाटा वर्कर्स यूनियन की नींव रखी, मजदूरों की समस्याएं सुनीं और यूनाइटेड क्लब में सभा को संबोधित किया।टाटा परिवार की सराहना की और देवघर में हरिजनों को मंदिर प्रवेश की परंपरा की प्रशंसा की। राजेंद्र प्रसाद और फ्रंटियर गांधी उनके साथ थे। 1927 में गांधीजी डालटनगंज (पलामू) पहुंचे, जहां राजेंद्र प्रसाद के साथ दलित उत्थान पर फोकस किया। ग्रामीण समुदायों से बातचीत की और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया। यह यात्रा झारखंड के पिछड़े इलाकों में गांधीवादी विचारों को फैलाने में सहायक रही। 1934 में गांधीजी झरिया (धनबाद) पहुंचे, जहां हरिजन उत्थान और राष्ट्रीय शिक्षा के लिए फंड संग्रह किया। स्थानीय लोगों ने 60 हजार रुपये दान दिए, जिसमें कोयला उद्योगपतियों और मारवाड़ी व्यापारियों का बड़ा योगदान था।

जमशेदपुर में जवाहरलाल नेहरू के साथ स्टील वर्क्स का दौरा किया और हरिजन बस्तियों में धन संग्रह किया। लेकिन देवघर में 25 अप्रैल को जसीडीह स्टेशन पर पंडों ने लाठियों से हमला किया, कारण था हरिजन मंदिर प्रवेश अभियान। 1940 में गांधीजी की अंतिम प्रमुख यात्रा रांची में हुई, जहां रामगढ़ कांग्रेस अधिवेशन में भाग लिया। कोकर में जायसवाल परिवार के घर रुके। कार से रामगढ़ गए।

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन-चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है। पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

संक्षिप्त समाचार

ठाणे की 18 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, दो लोग झुलसे; 70 को बचाया गया

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में तड़के सुबह एक 18 मंजिला इमारत आग की चपेट में आ गई। आग की लपटों के बीच 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना में 2 लोग घायल हैं। ये घटना ठाणे के शास्त्री नगर स्थित मिलान हिल का है। आज (मंगलवार) सुबह लगभग 4 बजे बिजली की पाइप से चिंगारी उठी और पलक झपकते ही पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आ गई। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन ताडवी के अनुसार, हमें सुबह 4.14 बजे आग लगने की सूचना मिली। आग

10वीं और 13वीं मंजिल के बीच में स्थित बिजली की पाइप में लगी थी, जिससे इमारत के अंदर भारी धुआं भर गया था। यासीन ने बताया कि धुएं के कारण लगभग 70 से ज्यादा लोग अंदर फंस गए थे। दमकल कर्मियों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। हालांकि, इस घटना में 62 वर्षीय और 74 वर्षीय दो लोग बुरी तरह से झुलस गए। दोनों घायलों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारी के अनुसार, दमकल कर्मियों ने सुबह लगभग 5.30 बजे तक आग पर काबू पा लिया था। आग लगने का सटीक कारण अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गुरुग्राम में संदिग्ध हालात में 14वीं मंजिल से गिरकर बच्चे की मौत

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप वॉलेट सोसाइटी में 14वीं मंजिल से गिरकर 13 साल के एक बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक आरव घटनास्थल से करीब ढाई किलोमीटर दूर सेक्टर-70ए स्थित बीपीटीपी एस्टेयर गार्डन सोसाइटी में रहता था। वह टावर पर से खुद कूदा या घटना के पीछे कोई और वजह है, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। आरव घर का इकलौता बेटा था। पुलिस ने आरव का मोबाइल जब्त कर लिया है। घटना रविवार शाम करीब 4 बजकर 20 मिनट की है। बीपीटीपी एस्टेयर गार्डन सोसाइटी की पहली मंजिल पर रहने वाला 13 साल का आरव शाम करीब 4 बजे अपनी सोसाइटी से निकला था। थोड़ी देर में वह सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप वॉलेट सोसाइटी में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि सोसाइटी में प्रवेश के बाद यह टावर नंबर बी-11 की लिफ्ट में गया। वहां से छत पर चला गया। फिर कुछ नीचे गिरने की आवाज होने पर सुरक्षाकर्मियों ने जाकर देखा तो पाया कि एक बच्चा जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़ा था। सुरक्षाकर्मियों ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी और एंबुलेंस बुलाई गई। जांच में पता चला कि यह बच्चा इस सोसाइटी का नहीं था। बाद में परिजनों ने मृतक बच्चे की पहचान आरव के रूप में की। सोमवार शाम को बच्चे का दाह संस्कार किया गया। आरव के पिता अतुल सक्सेना एक टेलीकॉम कंपनी में काम करते हैं, जबकि उसकी मां चैतन्य टेक्नो स्कूल में टीचर हैं। आरव सेंट एंजेल स्कूल में पढ़ता था। उसकी मौसी की बेटी भी इस स्कूल में उसके साथ जाती है। स्थानीय निवासी के मुताबिक, जब आरव घर से निकला, जो उसके माता-पिता फ्लैट में थे। परिजनों ने समझा कि आरव खेलने के लिए बाहर जा रहा है। आरव अपना मोबाइल घर छोड़कर गया था। जब आरव बीपीटीपी सोसाइटी से बाहर निकल रहा था तो बार-बार पीछे मुड़कर देख रहा था।

यात्रियों से भरी हिमाचल की बस उत्तराखंड में खाई में गिरी

शिमला/देहरादून, एजेंसी। शिमला जिले के चौपाल उपमंडल से सिरमौर जिला के पांवटा साहिब जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस उत्तराखंड में दुर्घटना का शिकार हो गई। यह हादसा सुबह उत्तराखंड के कालसी क्षेत्र अंतर्गत कुआनु, मीनाक रोड पर हुआ, जब बस एक अन्य वाहन को पास देते समय अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 31 अन्य यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हिमाचल व उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाके में हादसा हुआ है।

दुर्घटनाग्रस्त बस एचआरटीसी के नेरवा डिपो की थी, जिसका नंबर एचपी-66ए-2588 है। बस में कुल 34 यात्री सवार थे। बस चौपाल से पांवटा साहिब के लिए निर्धारित समय पर रवाना हुई थी। इसमें चालक दिनेश शर्मा और परिचालक जगदीश चंद तैनात थे। एचआरटीसी के एक अधिकारी ने हादसे की पुष्टि की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सड़क संकरी होने के कारण बस को सामने से आ रहे वाहन को पास देने की कोशिश की जा रही थी।

इसी दौरान चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम देहरादून द्वारा संबंधित एजेंसियों को अवगत कराया गया। इसके बाद उत्तराखंड राज्य आपदा प्रतिवादन बल को अलर्ट किया गया। सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी के निर्देश पर पोस्ट डाकपत्थर, चकराता, मोरी और त्यूणी से एसडीआरएफ की टीमें तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। एसडीआरएफ, उत्तराखंड पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। गहरी खाई होने और दुर्गम क्षेत्र के कारण रेस्क्यू कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। घायलों को खाई से निकालकर एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एचआरटीसी की ओर से भी अधिकारियों की एक टीम मौके के लिए रवाना कर दी गई है ताकि घायलों और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता दी जा सके। परिचालक जगदीश चंद से दूरभाष पर हुई बातचीत में बताया गया कि हादसे के समय बस में करीब 31 से 34 यात्री सवार थे। फिलहाल मृतकों की पहचान और उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने कहा है कि हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

गुरुग्राम की 6 मुख्य सड़कों पर बनेंगे सर्विस रोड, 3 के लिए निकाले गए टेंडर

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने मिलेनियम सिटी की 6 मुख्य सड़कों पर यातायात को व्यवस्थित करने के लिए सर्विस रोड के निर्माण की योजना तैयार की है। इस सिलसिले में तीन मुख्य सड़कों पर सर्विस रोड निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि सर्विस रोड के बनने के बाद मुख्य सड़कों पर यातायात दबाव कम हो जाएगा। जीएमडीए ने सेक्टर-51-57, सेक्टर-52-57, सेक्टर-51-52 को विभाजित करने वाली करीब साढ़े सात किमी लंबी सड़कों पर सर्विस रोड के निर्माण और मरम्मत की योजना बनाई है। इसके ऊपर 19.83 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सर्विस रोड की लंबाई करीब साढ़े 7 किमी है। चार फरवरी को इन तीनों सर्विस रोड के निर्माण और मरम्मत को लेकर टेंडर खोला जाएगा। सर्विस रोड के निर्माण के साथ-साथ हरित क्षेत्र को नीचे किया जाएगा। पैदल यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा जीएमडीए की तरफ से सेक्टर-30-31, सेक्टर-49-50 और आरडी सिटी से लेकर सोहना रोड

तक जा रही मुख्य सड़क पर सर्विस रोड का निर्माण करने की योजना तैयार की जा रही है। इनमें से दो सड़कों पर सर्विस रोड का आधा अधूरा निर्माण है। अतिक्रमण की वजह से सर्विस रोड का निर्माण नहीं हो सका है।

जीएमडीए के मुताबिक सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-80 तक 100 किमी लंबी सड़कों पर थर्मोप्लास्टिक पेंट से लेन डिवाइडिंग की जाएगी। जेब्रा क्रॉसिंग का इंतजाम किया जाएगा। सड़क सुरक्षा चिन्हों को तैयार किया जाएगा। इस सिलसिले में जीएमडीए ने एक कंपनी के साथ अनुबंध किया है। लेन डिवाइडिंग होने के बाद वाहन निर्धारित लेन में चलेंगे।

जीएमडीए की तरफ से करीब एक किमी लंबे दौलताबाद रेलवे ओवर ब्रिज की मरम्मत की जाएगी। इस सिलसिले में टेंडर जारी किया है। रेलवे स्टेशन को जोड़ रही सड़कों में सुधार करने की दिशा में इस टेंडर को जारी किया है। बता दें कि कुछ दिन पहले शहरी विकास के प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी ने बैठक करके दिशा-निर्देश जारी किए थे।

अमित गोदारा, कार्यकारी अभियंता, जीएमडीए, ''मुख्य सड़कों पर सफर को सुरक्षित करने के उद्देश्य से सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा। जहां पर सर्विस रोड है, वहां मरम्मत की जाएगी। जेब्रा क्रॉसिंग, लेन डिवाइडिंग का इंतजाम किया जाएगा।''

जीएमडीए के टाउन प्लानर्स को गुरुग्राम की 7 मुख्य सड़कों पर मिलीं खामियां

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के नगर योजनाकारों को मिलेनियम सिटी की सात मुख्य सड़कों पर निरीक्षण में खामियां मिलीं हैं। इन खामियों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उनकी तरफ से यातायात सफर को सुरक्षित करने के लिए सुझाव दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वजीत चौधरी ने कार्यकारी अभियंताओं को इन खामियों को दूर करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने वरिष्ठ नगर योजनाकार वेद प्रकाश सहरावत, धर्मबीर खत्री और जिला नगर योजनाकार प्रेरणा सिहाग को आदेश जारी किए हैं कि वे सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-115 तक की सभी मुख्य सड़कों का निरीक्षण करें। हर सप्ताह में दो सड़कों के बारे में जानकारी दी जाए कि उनमें क्या कमियां हैं और कैसे उन्हें दुरुस्त किया जा सकता है। वरिष्ठ नगर योजनाकार धर्मबीर खत्री ने सेक्टर-38-39 और सेक्टर-46-47 को विभाजित कर रही मुख्य सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण में पाया कि हरित क्षेत्र और फुटपाथ पर कब्जा है। कई जगहों पर हरित क्षेत्र और फुटपाथ क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं। फुटपाथ पर अवैध रूप से वाहनों को खड़ा किया जा रहा है। सड़कों पर अवैध कट बने हुए हैं, जिनकी वजह से हादसा होने का खतरा रहता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सेक्टर-46 और 47 की मुख्य सड़क से बख्तावर चौक की तरफ की मुख्य सड़क को ट्रैफिक पुलिस ने बंद किया हुआ है।

दिल्ली से प्रयागराज अब सिर्फ 3 घंटे दूर, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

प्रयागराज, एजेंसी। दिल्ली से प्रयागराज और वाराणसी तक बुलेट ट्रेन का सपना अब पूरा होता नजर आ रहा है। वर्ष 2021 में जमीन सर्वे से शुरू हुई यह महत्वाकांक्षी परियोजना अब पांच साल के लक्ष्य के साथ अगले चरण में प्रवेश करती दिख रही है। सोमवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनसीआर मुख्यालय व डीआरएम कार्यालय से जुड़कर साफ संकेत दिया कि आने वाले समय में दिल्ली से वाराणसी की दूरी महज साढ़े तीन घंटे में तय की जा सकेगी। दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए प्रयागराज समेत कई जिलों में 2021 में जमीन सर्वे का काम शुरू किया गया था। उस समय स्पष्ट किया गया था कि नई दिल्ली से वाराणसी तक चलने वाली बुलेट ट्रेन मथुरा, आगरा, लखनऊ, अयोध्या और प्रयागराज जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। सर्वे के दौरान गांवों और किसानों में जमीन को लेकर चर्चाएं तेज हुई थीं। रेल मंत्री ने साफ किया है कि इस कॉरिडोर के लिए डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। रेल मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई स्पीड प्रोजेक्ट सरकार की प्राथमिकता में हैं। बुलेट ट्रेन से दिल्ली एक दिन में आना व जाना आसान हो जाएगा। यह कॉरिडोर न केवल कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, बल्कि कुम्भ और माघ मेला जैसे बड़े आयोजनों के दौरान यातायात के दबाव को भी कम करेगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद प्रयागराज की पहचान केवल धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह एक आधुनिक हाई स्पीड ट्रांसपोर्ट हब के रूप में भी उभरेगा। अगले पांच वर्षों के भीतर इस परियोजना के धरातल पर उतरने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे उत्तर प्रदेश के विकास को नई रफ्तार मिलेगी। कांफ्रेंस में एनसीआर जीएम नरेंद्र सिंह पाल व सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी तो मंडल में डीआरएम रजनीश अग्रवाल व एडीआरएम दीपक कुमार मौजूद रहे।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में फिर से फॉर्मूला वन रेस कराने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना सिटी के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (बीआईसी) में फॉर्मूला-1 रेस कराने की तैयारी तेज हो गई है। जापान समेत कई देशों की कंपनियों ने यहां रेस कराने के लिए इच्छा जाहिर की है। वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी बीआईसी में व्यवस्था परख चुके हैं। बीते महीने केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यमुना सिटी के सेक्टर-25 स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट का जायजा लिया था। उन्होंने यहां पर व्यवस्थाओं और सुविधाओं को परखा था। उनके भ्रमण का मुख्य कारण बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजनों की अनुमति लेना रहा। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर खराब न होने और यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के रेसिंग आयोजन कराने पर बल दिया। अब खेल मंत्रालय ने यहां दोबारा से रेस कराने की योजना तैयार की है।

बताया जाता है कि अडानी ग्रुप जेपी ग्रुप को खरीदने की दौड़ में है और अगर ऐसा हो गया तो भारत में रेस को वापस लाने की कोशिशों को बल मिलेगा। अब खेल मंत्रालय ने भी इसमें रुचि दिखाई है, तो संभावनाएं और बढ़ गई हैं। बता दें कि बीआईसी में वर्ष 2011 से वर्ष 2013 से कोई फॉर्मूला-1 रेस नहीं हुई। हालांकि, वर्ष 2023 में मोटो जीपी रेस हुई थी, इसे लगातार तीन वर्षों तक आयोजित कराना था, लेकिन कंपनी की धांधली के चलते इस रेस पर भी ब्रेक लगा हुआ है। राह आसान नहीं

= वैसे फॉर्मूला वन को भारत में लाने की राह आसान नहीं है। अभी कैलेंडर में 24 रेस हैं और दुनियाभर के देशों ने इसकी मेजबानी की इच्छा जताई है। एक फॉर्मूला वन रेस के आयोजन में दो करोड़ से छह करोड़ डॉलर सालाना खर्च होते हैं। हालांकि, भारत में हुई तीनों रेस बेहद कामयाब रहीं थीं। जापान की प्रतिष्ठित सुपर फॉर्मूला रेस कराने को लेकर पिछले माह जापान रेस प्रमोशन कॉरपरेरेशन (जीआरसी) का प्रतिनिधिमंडल भी बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (बीआईसी) का दौरा कर चुका है। यह रोमांचक रेस सिर्फ जापान में होती आई है, जिसे पहली बार भारत में कराने की योजना बन रही है। जापान सुपर फॉर्मूला ने 2023 में अपनी 50वीं वर्षगांठ मनाई थी। यह फॉर्मूला वन जैसी ही प्रतियोगिता है, जो दुनिया भर के बेहतरीन रेसर्स को एक मंच पर लाती है। यमुना सिटी के बीआईसी में पूर्व में दो फॉर्मूला वन रेस का आयोजन हो चुका है। यहां तक वर्ष 2023 में मोटो जीपी जैसे वैश्विक रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ है। यदि अब जापान सुपर फॉर्मूला रेस पर भी अधिकारियों के बीच सहमति बनती है, तो इससे एक ओर भारतीय मोटरस्पोर्ट्स को बड़ा अवसर मिलेगा। साथ ही यमुना सिटी को भी वैश्विक पहचान मिलेगी।

नाबालिग ने मर्सिडीज से दो वाहनों को मारी टक्कर, तीन लोग घायल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की कोस्टल रोड टनल में रात के अंधेरे में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने टक्कर मार दी। 17 साल के नाबालिग लड़के के हाथों लग्जरी कार अनियंत्रित हो गई और पीछे से एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए, जिसमें एक बुजुर्ग महिला भी शामिल है। हादसा इतना भीषण था कि मर्सिडीज पहले कार से टकराई, फिर उसकी वजह से दूसरी कार भी जा टकराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों में एक परिवार के तीन लोग शामिल हैं, जिनमें एक बुजुर्ग महिला भी है। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसे की वजह तेज रफ्तार और टनल के अंदर कंट्रोल खोना बताया जा रहा है। जांच में सामने आया कि लग्जरी मर्सिडीज कार एक 17 साल का लड़का चला रहा था। वह नाबालिग है। पुलिस का कहना है कि उसने टनल के अंदर गाड़ी पर कंट्रोल खो दिया, जिससे यह सिलसिलेवार टक्कर हुई। कार दक्षिण मुंबई की ओर जा रही थी और काफी तेज चल रही थी। डी बी मार्ग पुलिस ने इस मामले में कार के मालिक, जो अग्रिपाडा इलाके का एक कारोबारी है, उसके खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके अलावा कारोबारी की 18 साल की पोती और उस 17 साल के लड़के पर भी केस है, जिसने कार चलाई।

आदिवासी परिवारों के 66 लोगों ने फिर से सनातन धर्म में 'घर वापसी' कर ली

छत्तीसगढ़ में 66 आदिवासियों ने की 'घर वापसी'

कवर्धा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के दमगढ़ गांव में पंडरिया विधानसभा से भाजपा विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से प्रेरित होकर सोमवार को आदिवासी परिवारों के 66 लोगों ने फिर से सनातन धर्म में 'घर वापसी' कर ली। इस मौके पर विधायक भावना बोहरा ने खुद इन लोगों के चरण धोकर 'घर वापसी' कराई।

दमगढ़ गांव में सोमवार को आयोजित आदिवासी गौरव सम्मेलन और सम्मान समारोह में, भाजपा विधायक भावना बोहरा ने 'घर वापसी' करने वाले आदिवासी परिवारों के लोगों का स्वागत किया और पारंपरिक ढंग से चरण धोने के साथ उन्हें सम्मानित किया।

बयान के अनुसार, इस अवसर पर उन्होंने विधायक विकास निधि से वित्त पोषित दो बाइक एम्बुलेंस का भी उद्घाटन किया, ताकि वन क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा सकें। इन बाइक एम्बुलेंस से छिड़पानी और कुई-कुकदुर क्षेत्र सहित दर्जनों दूरदराज और दुर्गम वन गांवों को लाभ होगा। यहां रहने वाले लोग मेडिकल इमरजेंसी के दौरान अस्पतालों तक समय पर पहुंच सकेंगे, जिससे सैकड़ों परिवारों को तुरंत इलाज मिल सकेगा।

विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों के चलते पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी और वन में रहने वाले समुदाय तेजी से अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहे हैं - जो धर्मांतरण में शामिल लोगों के इरादों पर एक करारा प्रहार है।

खास बात यह है कि पहले भी, वन क्षेत्रों में नेउर के आस-पास के गांवों के 115 आदिवासी लोग और कुई-कुकदुर इलाके से 70 लोग विधायक की पहल से अपनी जड़ों की ओर लौट आए थे। इन लगातार कोशिशों ने आदिवासी समुदाय में नई उम्मीद और आत्मविश्वास जगाया है।

आदिवासी समुदाय भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षक

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आदिवासी समुदाय भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षक रहा है। प्रकृति पूजा, लोक देवताओं के प्रति श्रद्धा और समुदाय-केंद्रित जीवन शैली हमारी सनातन विरासत के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व प्रलोभनों के माध्यम से निर्दोष आदिवासी भाई-बहनों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, लेकिन आदिवासी समाज अब अपनी पहचान और विरासत को पहचान रहा है।

'घर वापसी' दबाव का परिणाम नहीं है, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान की पुष्टि करने का एक स्वैच्छिक निर्णय है, जो भारतीय लोकाचार की रक्षा से निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने विधायक निधि से दो बाइक एम्बुलेंस आदिवासी और वन क्षेत्रों के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कीं। दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में जहां सड़क संपर्क सीमित है, बाइक एम्बुलेंस समय पर मेडिकल सहायता पहुंचाने में अत्यंत प्रभावी साबित होंगी। इससे इमरजेंसी में मरीजों तक तेजी से पहुंचा जा सकेगा, जिससे कीमती समय बचेगा।

नोएडा एयरपोर्ट तैयार, इसी महीने मोदी कर सकते हैं उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए अच्छी खबर है। जेवर में बन रहे नोएडा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि एयरपोर्ट पूरी तरह से तैयार है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने इसका उद्घाटन कर सकते हैं।

केंद्रीय बजट पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम योगी ने बताया कि एयरपोर्ट के लिए जरूरी एरोड्रोम लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा, मुझे लगता है कि इस महीने प्रधानमंत्री द्वारा एयरपोर्ट का उद्घाटन कर दिया जाएगा। जहां सीएम योगी फरवरी में उद्घाटन की उम्मीद जता रहे हैं, वहीं परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि डीजीसीए से लाइसेंस मिलना अभी बाकी है, जो सबसे अहम है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारियों ने बताया कि अगर सभी लंबित मुद्दे सुलझ जाते हैं, तो मार्च के अंत तक एयरपोर्ट का उद्घाटन हो सकता है। इस सप्ताह केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और सुरक्षा एजेंसियों के बीच एक अहम समीक्षा बैठक भी होने वाली है।

एक बार शुरू होने के बाद, यह एनसीआर का दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। इससे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ कम करने में बड़ी मदद मिलेगी। पहले चरण में इस एयरपोर्ट की क्षमता सालाना 1.2 करोड़ (12 मिलियन) यात्रियों को संभालने की है। इसके साथ ही, यह लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और अयोध्या के बाद उत्तर प्रदेश का पांचवां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन जाएगा। एयरपोर्ट की तैयारियों को परखने के लिए 31 अक्टूबर 2025 को एक कैलिब्रेशन फ्लाइट सफलतापूर्वक लैंड कराई गई थी। एयर इंडिया के विमान ने यहां लैंडिंग की और नेविगेशन सिस्टम की जांच की, जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।

हरमनप्रीत, मंधाना और दिव्या '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन अवार्ड्स' के लिए नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत की सूत्रधार कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और शतरंज की युवा स्टार दिव्या देशमुख को '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इनके अलावा पिस्टल निशानेबाजी की उभरती स्टार सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी भी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार की दावेदार हैं।

बीबीसी की प्रतिक्रिया- महिला खिलाड़ियों के जश्न का मंच - बीबीसी न्यूज की अंतरिम वैश्विक निदेशक फियोना ब्रैक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार भारत भर की महिला खिलाड़ियों की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रतीक है।

हरमनप्रीत कौर- विश्व कप जीत की नायिका

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नवंबर 2025 में भारत को आईसीसी महिला विश्व कप का पहला खिताब दिलाया। घरेलू सरजमीं पर खेले गए इस विश्व कप में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 339 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 88 गेंदों में 89 रनों की शानदार पारी खेली। 2017 विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 171 रनों की नाबाद पारी आज भी महिला क्रिकेट की महानतम पारियों में गिनी जाती है।

सुरुचि सिंह- निशानेबाजी की नई सनसनी

हरियाणा की 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में तेजी से पहचान बनाई है। उन्होंने 2024 राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीते और 2025 में ब्यूनस आयर्स, लीमा और म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप सीरीज में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल किए। साथ ही उन्होंने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता।

ज्योति याराजी-बाधाओं को पार करती उड़ान

ज्योति याराजी 2024 पेरिस ओलंपिक में 100 मीटर बाधा दौड़ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 2022 में 13.23 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और कई बार अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। याराजी ने एशियाई खेलों में रजत, विश्व विश्वविद्यालय खेलों में कांस्य और एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर खुद को एशिया की शीर्ष बाधा दौड़ एथलीट के रूप में स्थापित किया।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में कामिंडु मेंडिस की वापसी

- इंजर्ड ईशान मलिंगा भी शामिल, धनंजय डी सिल्वा को जगह नहीं; दासुन शनाका कप्तान

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए फाइनल स्क्वॉड रिलीज कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 खेलने वाले धनंजय डी सिल्वा को बाहर कर कामिंडु मेंडिस की वापसी हो गई। इंजर्ड पेसर ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर दासुन शनाका टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

आउट ऑफ फॉर्म हैं कामिंडु- कामिंडु मेंडिस इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वे 2025 में 19.87 के औसत से 159 रन ही बना सके। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 130.32 का ही रहा। वे 12 मुकाबलों में महज 6 ओवर ही बॉलिंग भी कर सके। कामिंडु की खासियत यह है कि वे दोनों हाथों से स्पिन गेंदबाजी कर लेते हैं।

प्लेइंग-11 में आ सकते हैं वेल्लालागे- धनंजय डी सिल्वा को बाहर करने के बाद टीम अब 23 साल के लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे को भी प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है। हालांकि, वे श्रीलंका के लिए 6 ही टी-20 खेल सके हैं। वे वनडे टीम में जरूर रेगुलर रहते हैं, लेकिन टी-20 में अपनी जगह फिक्स नहीं कर पाए। वेल्लालागे को फ्रेंचाइजी लीग में जरूर टी-20 खेलने का अनुभव है। उन्होंने एमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका-ए की कप्तानी भी की थी।

पवन रत्नायके को भी जगह- इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक लगाने वाले बैटर पवन रत्नायके को भी वर्ल्ड कप टीम में जगह मिल गई। वे 4 टी-20 में 45 रन ही बना पाए हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 145 से ज्यादा का रहा। वहीं तेज गेंदबाज प्रमोद मदुषन को बाहर कर दिया।

8 फरवरी को पहला मैच खेलेगी श्रीलंका- श्रीलंका ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है। टीम ग्रुप स्टेज में अपने सभी मैच होम ग्राउंड पर ही खेलेगी। श्रीलंका 8 फरवरी को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। टीम 12 फरवरी को ओमान, 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 19 फरवरी को जिम्बाब्वे से भिड़ने वाली है। 2 मुकाबले कोलंबो और 2 पल्लेकेले में खेले जाएंगे।

श्रीलंका का स्क्वॉड

दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, कमिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, चरिथ असलंका, कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, वनिंदू हसरंगा, महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, मथीश पथिराना और ईशान मलिंगा।

आज 19 वर्ल्ड कप अजेय भारत की नजर छठे खिताब पर

हरारे (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अजेय भारतीय टीम बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की टीम इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही है और उसकी नजरें रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर होंगी। भारत -19 वर्ल्ड कप के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में खिताब जीता है। अब टीम बुधवार को छठी बार चैंपियन बनने की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी।

अब तक अजेय भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले गए अपने सभी पांच मुकाबले काफी सहजता से जीते हैं। सुपर सिक्स चरण में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 58 रन से हराना टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत करता है।

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से टक्कर

- **अफगानिस्तान का सफर भी प्रभावशाली -** अफगानिस्तान ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच में से चार मैच जीते, जबकि उसकी इकलौती हार श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से हुई। हालांकि मौजूदा फॉर्म और टीम संयोजन को देखते हुए नॉकआउट मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।
- **अभिज्ञान, सूर्यवंशी भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज -** विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भारत के लिए अब तक सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 मैचों में 199 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने भी शानदार फॉर्म दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 196 रन बनाए हैं और 2 अर्धशतक जड़े हैं। हालांकि टीम प्रबंधन उनसे नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक को शतक में बदलने की उम्मीद करेगा।

टीमें

भारत -19- एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हर्वंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद इनान, उधव मोहन, किशन सिंह

अफगानिस्तान -19- महबूब खान (कप्तान), अज़ीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोज़ादा, खालिद अहमदज़ई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाज़ई, अब्दुल अज़ीज़, अकील खान, खतिर स्तानिकज़ई, नज़ीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी ओमरज़ई, रूउल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह ज़दरान, ज़ैतुल्लाह शाहीन

कप्तान आयुष म्हात्रे पर दोहरी जिम्मेदारी

कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए हैं, हालांकि बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। अब तक उनके नाम 99 रन हैं, जिसमें 53 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है।

गेंदबाजी में हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश की अगुआई

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथों में है। दोनों ने शुरुआती ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमश: 11-11 विकेट झटके हैं।

स्पिन विभाग में खिलान पटेल की चमक

बाएं हाथ के स्पिनर खिलान पटेल ने भी टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने 5 मैचों में 8 विकेट लेकर विपक्षी टीमों को परेशान किया है। इसके अलावा कप्तान म्हात्रे और विहान मल्होत्रा भी अपनी ऑफ ब्रेक गेंदबाजी से योगदान देने को तैयार हैं।

मैच का समय

यह सेमीफाइनल मुकाबला बुधवार को दोपहर 1:00 बजे (आईएसटी) शुरू होगा।

विहान मल्होत्रा का ऑलराउंड असर

ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा भारत के लिए एक और अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5 मैचों में 172 रन बनाए हैं और टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र शतक (109 नाबाद) जिम्बाब्वे के खिलाफ जड़ा था।

ओलिंपियन पहलवान ने लग्न में सिर्फ चांदी का सिक्का लिया

दोस्त के पिता की बेटी संग की शादी

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया आज 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंध गए।

झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए। लग्न में दीपक ने सिर्फ एक रुपए का चांदी का सिक्का लिया। दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान- दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हुई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें।

शिवानी बोलीं

दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता

रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य आईएएस अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह रिश्ता हुआ।

वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को भारत ए का अमेरिका से नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में सामना हुआ। इस मैच में भारतीय ए टीम ने 38 रनों से शानदार जीत दर्ज की। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के आगाज में अब चार दिन का समय शेष है। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते ही अल्काराज का बड़ा फैसला

रॉटरडैम ओपन से हटे

रॉटरडैम (एजेंसी)। नए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने फरवरी में होने वाले एबीएन एमरो रॉटरडैम ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

खिताब बचाने नहीं लौटेंगे अल्काराज- स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज पिछले सीजन में इस एटीपी 500 इनडोर हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे। हालांकि, एटीपी वेबसाइट के मुताबिक 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस टूर्नामेंट में वह अपने खिताब की रक्षा नहीं करेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत के बाद लिया फैसला- 22 वर्षीय अल्काराज ने यह फैसला उस ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक दिन बाद लिया, जब उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। रविवार को खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उन्होंने नोवाक जोकोविच को चार सेट में हराकर मेलबर्न में अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था।

जश्न में भी दिखे अल्काराज- सोमवार को अल्काराज ने मेलबर्न के रॉयल एग्ज़िबिशन बिल्डिंग में आयोजित एक सेलिब्रेशन फोटोशूट में भी हिस्सा लिया, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत का जश्न मनाया गया।

भारत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

2027 एशियन शूटिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को शूटिंग खेल में एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी मिली है। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी) घोषणा की है कि भारत 2027 एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए 8 कोटा स्थान दांव पर होंगे।

दिसंबर 2027 में होगा आयोजन- यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 1 से 10 दिसंबर 2027 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा।

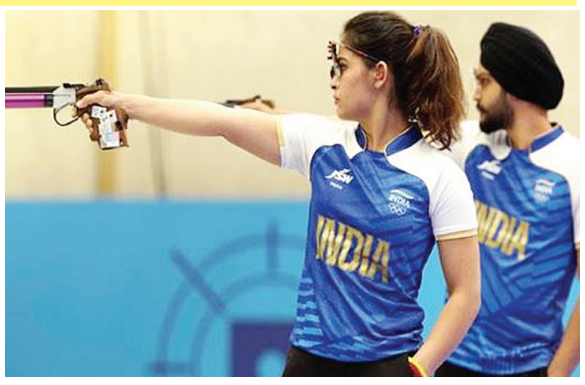

एलए ओलंपिक 2028 के लिए अहम मौका

एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस चैंपियनशिप का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इसमें एशिया महाद्वीप के लिए 8 ओलंपिक कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे। ये कोटा आमतौर पर राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को दिए जाते हैं, जबकि ओलंपिक रैंकिंग या यूनिवर्सैलिटी कोटा खिलाड़ियों के नाम पर आवंटित होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन लूट मामले में पुलिस के हाथ खाली

बक्सर। मौनी अमावस्या के दौरान ट्रेन में श्रद्धालुओं से लूटपाट और मारपीट की सनसनीखेज घटना के कई दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। आरपीएफ और जीआरपी द्वारा की गई जांच, छापेमारी और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल के बावजूद अब तक न तो किसी आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही लूटे गए सामान की बरामदगी। कार्रवाई न होने से यात्रियों में रोष और असुरक्षा का माहौल है, वहीं रेल प्रशासन के यात्री सुरक्षा दावों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

अपने दायित्वों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहे संजय

बक्सर। जिला पशुपालन कार्यालय परिसर में कार्यालय के वरिष्ठ परिचारी संजय कुमार मिश्रा के सेवानिवृति के अवसर पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पशु शल्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने की। समारोह का शुभारम्भ डॉ. विजय कुमार सिंह द्वारा सेवानिवृत कर्मी संजय कुमार मिश्रा को बुके भेंट कर एवं माला पहनाकर किया गया। पदाधिकारियों और कर्मियों ने कहा कि संजय मिश्रा अपने दायित्वों के प्रति सदैव कर्तव्यनिष्ठ, सहयोगी और अनुशासित रहे। कई कर्मियों ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके साथ कार्य करना हमेशा सहज और सहूलियत भरा रहा। विदाई समारोह में डॉ शंभु शरण, डॉ मनोज भारती, डॉ आशुतोष कुमार सुमन, डॉ सतेंद्र, प्रीति, मृदुला, विद्यासागर मिश्र, सुरेन्द्र, तारकेश्वर, राजेश सहित कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित रहे।

लगातार सीखने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता हैः ब्रह्मदेव प्रसाद

बक्सर।अहिरौली स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के परिसर में चल रहे तीन दिवसीय विभागीय आचार्य सम्मेलन सोमवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम में भोजपुर एवं बक्सर जिले के विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों से लगभग ढाई सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन दिवस का उद्घाटन मुख्य अतिथि बांका विभाग के विभाग निरीक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के कोषाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह ने की। अतिथियों का स्वागत एवं परिचय विद्यालय के उप प्रधानाचार्य मनोरंजन कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन जिला निरीक्षक गंगा चौधरी ने की। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि लगातार सीखने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है। इसके अलावा पंचपदी शिक्षण पद्धतियों, पंचकोश, पांच केंद्रीय आधारभूत विषयों पर विस्तार से चर्चा की। भारतीय दर्शन व संस्कृति से बालकों को अवगत कराने को लेकर अपील की। बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक शिक्षा, योग, संगीत, संस्कृत एवं नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा बालकों के अंदर जरूरी है।

प्रिया-प्रियतम मिलन महोत्सव

बक्सर। नया बाजार आश्रम में पूज्य मामाजी महाराज की 18वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित प्रिया-प्रियतम मिलन महोत्सव का आज द्वितीय दिवस था, जिसमें श्रीमद्भागवत कथा ने उपस्थित भक्तों के हृदयों को भावविभोर कर दिया। कथा आचार्य रत्नेश जी महाराज के द्वारा सुनाई गई, जिसमें उन्होंने जीवन, भक्ति और परम धर्म के गूढ़ संदेश साझा किए। आचार्य रत्नेश जी ने बताया कि रामराज्य में शिवजी ने रामजी से वर मांगा कि उनके चरणों में भक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मानव जीवन इसीलिए मिला है कि हम भगवान की कृपामय भक्ति का अनुभव कर सकें। ब्रह्म जिज्ञासा पर प्रकाश डालते हुए आचार्य ने कहा कि सृष्टि का जन्म, पालन और विनाश उसी ब्रह्म से होता है। कथा में उन्होंने यह भी बताया कि बिना कारण के कोई कार्य नहीं होता और जो कार्य परमात्मा की प्राप्ति हेतु हो, वही परम धर्म है। भगवान केवल अपने भक्तों के लिए अवतरित होते हैं और प्रत्येक अवतार का उद्देश्य जीवों की भलाई और धर्म की रक्षा करना है। उन्होंने भगवान के 24 अवतारों का वर्णन भी किया। विद्या के महत्व पर जोर देते हुए आचार्य रत्नेश जी ने कहा कि सच्ची विद्या वही है जो जीव को मुक्ति दिलाए। संस्कार और संस्कृति की सुरक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि माता धन्य है, जिसके गर्भ में शिशु की रक्षा हेतु श्रीकृष्ण का अवतार हुआ और गर्भस्थ शिशु परीक्षित की रक्षा की गई। आचार्य ने कहा, "जिसकी निष्ठा सच्ची होती है, वही भगवान की बात समझता है और मानता है।" कथा के दौरान आश्रम के महंत राजाराम शरण दास जी महाराज, प्रसिद्ध राम कथा वाचक राम नाथ ओझा और अन्य परिकर सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के प्रति अपनी भक्ति और श्रद्धा का अनुभव किया।

आज 5 घंटे तक बिजली कटेगी

आरा। आरा में आज(मंगलवार) पांच घंटे तक बिजली कटेगी। पावरगंज (गोढना रोड) PSS से सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक सप्लाई ठप रहेगी। शटडाउन के दौरान 33 केवी और 11 केवी लाइन में मेंटेनेंस का काम किया जाएगा। साथ ही जर्जर तार और पोल की मरम्मत की जाएगी। ताकि बिजली उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो। सहायक विद्युत अभियंता ने सहयोग की अपील करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। समय से अपना जरूरी काम निपटा लें। पानी स्टोर करके रख लें। क्योंकि शहर में पांच घंटे तक बिजली नहीं रहेगी। काम खत्म होते ही सप्लाई चालू कर दी जाएगी।

इन इलाकों में कटेगी बिजलीः गोढना रोड, बिहारी मिल, बहिरो, प्रताप इंटरनेशनल स्कूल, अनैथ बाजारी मोहल्ला , बंगला कॉलोनी, बंधन टोला, स्टेशन रोड, नवादा थाना, पोस्ट ऑफिस रोड, पूर्वी गुमटी, मुर्घटिया, कैलाश नगर, कॉपरेटिव कॉलोनी, न्यू बहीरो आसपास के क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अलावा ग्रामीण छेत्र के पावरग्रिड फीडर और कोइलवर फीडर से आपूर्ति बाधित रहेगी जिससे बहियारा, चांदी, गुठौला, पियानिया, जमीरा, दरियापुर, गोढ़ना, बेलौर, कुसुमा, सरथुवा, पिपरहिया, गुठौला, भुसौला, हसनपुरा, जमीरा, बरौली, अलीपुर, लक्ष्मनपुर, गोढना, चकिया, दरियापुर, करवा, बकरी, खलिसा, पियनिया, सखुआ, भगवतीपुर, बेलाउर में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

डीलर्स और कंपनी प्रतिनिधियों ने 'देश पहले' का संकल्प दोहराया

बक्सर। अलोक ऑटो स्पेयर्स, जो देश की अग्रणी बैटरी निर्माता कंपनी एक्साइड के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर है, ने देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक अनूठा और प्रेरणादायक आयोजन किया। इस क्रम में अलोक ऑटो स्पेयर्स द्वारा 200 से अधिक डीलर्स के साथ फिल्म 'बॉर्डर-2' का सामूहिक प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर अलोक ऑटो स्पेयर्स के आलोक नारायण अग्रवाल व शिवम सिघल ने बक्सर में कहा कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे अपने कार्य, व्यवसाय और सामाजिक जिम्मेदारियों में भी उतारना चाहिए। डीलर्स एवं कंपनी प्रतिनिधियों ने कहा कि इतने बड़े स्तर पर डीलर्स की सहभागिता यह दर्शाती है कि जब भी देशहित की बात आती है, तो एक्साइड और उससे जुड़े सभी व्यापारिक सहयोगी हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहते हैं। कार्यक्रम के दौरान आपसी संवाद, टीम भावना और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। अलोक ऑटो स्पेयर्स की इस पहल को उपस्थित डीलर्स ने मुक्त कंठ से सराहा। डीलर्स का कहना था कि यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी और एकजुटता का संदेश भी देने में सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में कंपनी अधिकारी संतोष कुमार सिंह व चंदन ठाकुर ने सभी डीलर्स का आभार व्यक्त किया।

डीएम ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

बक्सर। इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धांतिक) परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा के सफल आयोजन एवं विधि व्यवस्था संधारण को लेकर जिला दंडाधिकारी सह डीएम साहिला ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। डीएम ने एमवी कॉलेज एवं एमपी उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्र पर प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी, केंद्रधीक्षक एवं वीक्षकों को भ्रमणशील रहते हुए शांतिपूर्ण एवं कदाचार रहित परीक्षा संचालन कराने का निर्देश दिया।

बीपीएससी टीचर ने किया सुसाइड लिखा-अब मन नहीं, सॉरी

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में BPSC टीचर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान सौरभ गुप्ता (25) के रूप में हुई है। सौरभ उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के लालगंज बाजार के रहने वाले थे। सौरभ की लाश पंखे से लटकी हुई मिली है। पिछले साल नौकरी जॉइन की थी। सौरभ की पोस्टिंग पीरो प्रखंड के तार मध्य विद्यालय में थी। कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। जिस में लिखा है, 'बस अब मन नहीं है किसी चीज का SORRY'।

दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर गई पुलिसः सौरभ पीरो नगर वार्ड नंबर 11 में किराए के मकान में रहते थे। सोमवार को काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक को अनहोनी की आशंका हुई। काफी आवाज देने के बाद भी जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो मकान मालिक ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। कमरे के अंदर पंखे से सौरभ की लाश लटक रही थी। कमरे का सारा सामान अपनी जगह पर पड़ा था। पुलिस ने कमरे की तलाशी ली, तो बेड

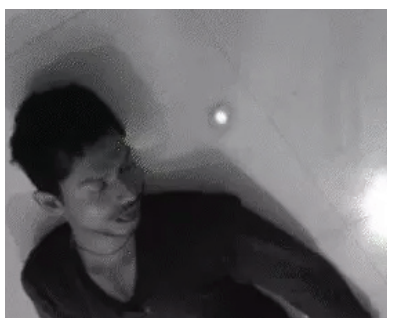

पर एक सुसाइड नोट मिला। पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है। सौरभ का मोबाइल भी पुलिस ले कर गई है।

यूपी स्टेट की तैयारी कर रहा थाः सौरभ के साथी शिक्षक ने बताया कि, वह बहुत ही शांत स्वभाव का था। स्कूल में पढ़ाने के बाद अपनी पढ़ाई से मतलब रखता था। वो यूपी स्टेट परीक्षा की तैयारी भी कर रहा था। अचानक सौरभ ने ऐसा फैसला क्यों किया ये बताना मुश्किल है।

नौकरी को लेकर परेशान थाः मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन भी आरा पहुंचे। सौरभ के चाचा नीरज कुमार गुप्ता ने बताया

♦ चाचा बोले- नौकरी से परेशान था, आखिरी बार मां से बात की थी

'रविवार देर शाम सौरभ ने अपनी मां-भाई से फोन पर बात की थी। उसने अपनी मां से कहा था कि वो खाना बना रहे हैं, सब ठीक है। इसके बाद सूचना मिली कि उसने सुसाइड कर लिया है। काफी अच्छा लड़का था। कोई लड़की नहीं, कोई झंझट नहीं रखता था। हां कुछ दिनों से नौकरी को लेकर थोड़ा परेशान था। कहता था कि मन नहीं लग रहा है। हमलोगों ने छुट्टी लेकर घर आने को भी कहा था।'

घर का सबसे छोटा बेटा था सौरभः परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस छानबीन में जुट गई है। सौरभ कुमार गुप्ता पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के लोगों का कहना है कि सौरभ पढ़ाई के अलावा किसी चीज से मतलब नहीं रखता था। सबके साथ मिलकर रहता था। उसने अचानक सुसाइड क्यों किया कुछ समझ नहीं आ रहा है।

हथियार के साथ ससुराल पहुंचा दामाद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के चांदी थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ ससुराल में पहुंचे युवक को गिरफ्तार कर लिया है। जोकटा गांव से गिरफ्तारी हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गड़हनी के लसाढ़ी गांव निवासी रंजन कुमार सिंह उर्फ पिंटू के तौर पर हुई है। एसपी राज ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि रंजन कुमार सिंह उर्फ पिंटू का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध हथियार लेकर जोकटा गांव पहुंचा है। ससुराल पक्ष के लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राकेश रौशन ने पुलिस बल के साथ मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन जवानों ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया।

आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कियाः पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ दिनों से उसका ससुराल पक्ष से घरेलू विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में वह हथियार लेकर पहुंचा था और डराने-धमकाने की नीयत से वहां हंगामा कर रहा था। रंजन कुमार सिंह उर्फ पिंटू पूर्व में गड़हनी थाना क्षेत्र में मारपीट, रंगदारी और आपराधिक धमकी जैसे मामलों में नामजद रह चुका है। उसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी के पास बरामद हथियार कहां से आए और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है।

ममेरे-फुफेरे भाइयों समेत 3 दोस्तों की मौत

निज संवाददाता। आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर सोमवार देर शाम अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार 3 दोस्तों की मौत हो गई। एक अन्य युवक घायल है, जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बामपाली-विशुनपुरा मोड़ के पास की है। मृतकों में बक्सर के कृष्णब्रह्म थाना क्षेत्र के चौकिया निवासी करण कुमार(18), मुफस्सिल के मिश्रवली बलुआ गांव के गणेश कुमार(18) और अनिल कुमार(18) शामिल है। करण और अनिल रिश्ते में ममेरे-फुफेरे भाई हैं, दोनों इंटर में पढ़ते थे। जबकि गणेश दसवीं कक्षा का छात्र था। घायल प्रिंस कुमार नवादा के चंदवा रामनगर का रहने वाला है।

प्रसाद खाने के बाद कार से घूमने गया थाः मृतक के परिजन अश्विनी कुमार ने बताया कि अनिल अपने परिवार के साथ चंदवा रामनगर मोहल्ले में रहता

था। सोमवार को उसके घर में सत्यनारायण भगवान का कथा हो रहा था। करण का अनिल फुफेरा भाई लगता है। उसी पूजा में शामिल होने के लिए करण अपने दोस्त के साथ आया था। प्रसाद खाने के बाद सभी कार से बामपाली घूमने चले गए। वहां से लौटते समय रास्ते में अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार। जिसके बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, लेकिन रास्ते में ही करण और गणेश ने दम तोड़ दिया। जबकि अनिल की मौत पटना ले जाने के दौरान हुई।

घर में मचा कोहरामः घायल प्रिंस के पिता ओम प्रकाश सिंह बीएमपी जवान हैं। वर्तमान में गयाजी में पोस्टेड हैं। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। करण चार भाई-बहन में तीसरे नंबर पर था। परिवार में मां रेणु देवी और बहन मनीषा कुमारी, नीलू कुमारी, भाई अर्जुन कुमार है। दूसरा मृतक गणेश कुमार अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके परिवार में मां ललिता देवी और भाई दुर्गेश है। जबकि तीसरा मृतक अनिल कुमार घर का इकलौता बेटा था। परिवार में मां पूनम देवी और दो बहन मुस्कान कुमारी, काजल कुमारी है। घटना के बाद मृतकों के घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने 15 लाख के 73 मोबाइल लौटाए

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर पुलिस ने बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी या गुम हुए कुल 73 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख रुपये है। मंगलवार को बक्सर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के नेतृत्व में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। अपने खोए हुए फोन वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी और उन्होंने पुलिस की इस पहल की सराहना की।

18वें चरण तक कुल 1541 मोबाइल फोन बरामदः पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 'ऑपरेशन मुस्कान' के 18वें चरण तक बक्सर पुलिस अब तक कुल 1541 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली धारकों को सौंप चुकी है। यह अभियान जिले में लगातार प्रभावी साबित हो रहा है और इससे आम जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

त्वरित कार्रवाई कर संपत्ति की बरामदगी सुनिश्चित की जाएगीः इस अवसर पर एसपी शुभम आर्य ने कहा कि मोबाइल के साथ-साथ अन्य चोरी या गुम हुई संपत्ति, जैसे बाइक आदि की भी बरामदगी कर सामूहिक रूप से लोगों को लौटाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी व्यक्ति की संपत्ति खोने पर उसे दुख होता है और पुलिस का कर्तव्य है कि वह लोगों की खोई या चोरी हुई संपत्ति को खोजकर वापस करे, ताकि उनके चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट सके। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल या अन्य सामान गुम या चोरी होने पर तुरंत संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि त्वरित कार्रवाई कर संपत्ति की बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

खेल-कूद केवल शारारिक स्वास्थ्य के लिए ही अनिवार्य नहीं है : एसपी

निज संवाददाता। बक्सर

कैम्ब्रीज सीनियर सेकण्डरी स्कूल, बक्सर के खेल-मैदान में दो दिवसीय 16वीं वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता "स्पर्धा" का भव्य आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, विद्यालय के निदेशक डॉ मोहन चौबे, निदेशक, आप्टेक एवं स्मृति कॉलेज सह प्रांतीय सचिव डॉ रमेश कुमार, जिला अध्यक्ष, बक्सर जिला प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, डॉ प्रदीप पाठक, एक्जीक्यूटिव प्राचार्य, प्राचार्य, उप-प्राचार्य एवं उपप्रचार्या ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों को गुलदस्ता, शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। एसपी ने कहा कि खेल-कूद केवल शारारिक स्वास्थ्य के लिए ही अनिवार्य नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवन मूल्यों का संवर्धन करता है। उन्होंने बताया कि खेल कूद से हमें टीम भावना, अनुशासन, सामाजिक-गुण इत्यादि सीखने को मिलते हैं ।

युवक की चेन्नई में काम के दौरान मौत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिले के चौगाई गांव निवासी 22 वर्षीय प्रदीप शाह की चेन्नई में काम के दौरान मौत हो गई। वह चेन्नई की एक बॉयलर कंपनी में कार्यरत थे, जहां ऊंचाई से गिरने के कारण उनकी जान चली गई। इस घटना की सूचना मिलने के बाद गांव में शोक का माहौल है। प्रदीप अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वह अपने छोटे भाई के साथ चेन्नई में मजदूरी करने गए थे। उनके माता-पिता को उनसे काफी उम्मीदें थीं, और वह घर की जिम्मेदारी संभालने तथा परिवार को बेहतर जीवन देने का सपना लेकर बाहर गए थे।

मां बोली- बेटे को बॉयलर के काम में लगायाः प्रदीप की मां राधिका देवी ने कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उनका बेटा बॉयलर का काम नहीं जानता था, फिर भी कंपनी ने उसे उस काम पर लगाया। राधिका देवी ने इसे सीधी लापरवाही बताया। उन्होंने यह भी बताया कि

♦ मां बोली- बेटा बॉयलर का काम नहीं जानता था, फिर भी उसे लगाया, ऊंचाई से गिरकर मौत

प्रदीप घर बनवाने के बाद शादी करने की बात कहता था और इसी के लिए दिन-रात काम करता था। राधिका देवी ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें कंपनी से कोई मुआवजा नहीं चाहिए, बल्कि उनका बेटा वापस चाहिए। उन्होंने कहा, "हम तिरपाल लगाकर भी गुजारा कर लेंगे।"

परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दियाः मृतक प्रदीप के पिता शिवजी शाह ने इस घटना के बाद बिहार सरकार पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में पर्याप्त रोजगार और उद्योग-धंधे होते, तो उनका बेटा बाहर कमाने नहीं जाता और आज जीवित होता। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रदीप की बहन और जीजा चेन्नई में ही रहते हैं, जिन्होंने घटना की सूचना परिवार को दी। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। डुमरांव विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा ने घर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। एक होनहार बेटे की असमय मौत ने पूरे परिवार का सहारा छीन लिया है। चौगाई गांव में हर आंख नम है और मां की एक ही पुकार गूंज रही है "मेरा बेटा वापस दे दो।"

महिला की ट्रेन से कटकर मौत

♦ दवा लेने जा रही थी बसिरन बीबी, ट्रैक पार करते समय हादसे का हुई शिकार

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में दानापुर रेल मंडल अंतर्गत टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर के समीप मंगलवार सुबह एक रेल हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला रेलवे ट्रैक पार कर रही थी, तभी तेज रफ्तार मेल ट्रेन की चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला दक्षिण दिशा से ट्रैक पार कर उत्तर दिशा की ओर जा रही थी। इसी दौरान अप लाइन से आ रही मेल ट्रेन का सही अंदाजा वह नहीं लगा सकी और उसकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया।

घटनास्थल पर पहुंची

बक्सर GRPः हादसे के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल रेलवे प्रशासन और बक्सर जीआरपी को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही बक्सर जीआरपी थानाध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की। बाद में मृत महिला की पहचान सोवा गांव निवासी बसिरन बीबी के रूप में हुई। उनके पति का नाम मोहम्मद अलाउद्दीन बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार, बसिरन बीबी दवा लेने के लिए नया भोजपुर जा रही थीं, तभी यह हादसा हो गया। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पार करते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

बिहार की उपेक्षा व अन्य मुद्दों को लेकर संसद भवन परिसर में बक्सर सांसद ने किया प्रदर्शन

निज संवाददाता। बक्सर

नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में बिहार के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर लोकसभा परिसर में बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सभी सांसद एकजुट होकर शामिल हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान सांसदों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर बिहार के साथ हो रहे कथित भेदभाव के खिलाफ सरकार विरोधी नारे और स्लोगन लिखे हुए थे। सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट में बिहार की घोर उपेक्षा की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य को न तो अपेक्षित आर्थिक सहायता मिली और न ही विकास परियोजनाओं के लिए समुचित प्रावधान किए गए। इसके साथ ही उन्होंने पटना में एक नीट छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला भी उठाया और इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की। राजद सांसदों का कहना था कि विशेष राज्य का दर्जा मिलने से बिहार के विकास को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। सांसद सुधाकर सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक बिहार को उसका हक नहीं मिलेगा, तब तक वे संसद से सड़क तक संघर्ष करते रहेंगे।

पूर्व विधायक ने कहा- उनके प्रयास से बड़ी विकास योजनाओं को मिली मंजूरी

बक्सर। पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी का कहना है कि उनके निरंतर प्रयास और सकारात्मक पहल का परिणाम अब धरातल पर उतरता नजर आ रहा है। बुडको के माध्यम से बक्सर नगर परिषद की एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना योजना का एग्रीमेंट पूरा कर लिया गया है। एग्रीमेंट की प्रक्रिया पूरी होते ही संबंधित विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। इस योजना के तहत नगर परिषद क्षेत्र के कई प्रमुख मार्गों और वार्डों में सड़क, नाला तथा प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। वार्ड संख्या 34 एवं 35 में बक्सर सिंडिकेट से जिला परिवहन कार्यालय, कर्पूरी ठाकुर विधि महाविद्यालय होते हुए गंगा ब्रिज पथ महिला पुल तक सड़क और नाला निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा आरा–बक्सर मुख्य मार्ग से उत्तर जिला परिषद रोड होते हुए छोटकी सारिमपुर से पुलिस अधीक्षक आवास तक सड़क एवं नाला निर्माण कार्य प्रस्तावित है।